ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बल्लारी में प्रसव के बाद छह महिलाओं की मौत के बाद कर्नाटक सरकार दबाव में @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 07 दिसंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-337

जिस तरह भारत की कांग्रेस पार्टी ने जमात-ए-इस्लामी से हाथ मिलाया

उसी तरह चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने जमात-ए-इस्लामी से हाथ मिलाया

कांग्रेस-सीपीसी गुप्त करार की तर्ज पर हो रहा बीडी-सीपीसी गुप्त करार

बांग्लादेश के संसाधनों को हथियाने के षडयंत्र में जुटा है चीन

कांग्रेस ने चीन के साथ किए समझौते को क्यों गोपनीय रखा

कांग्रेस पार्टी ने प्रियंका गांधी को वायनाड लोकसभा सीट से चुनाव में जीत दिलाने के लिए जिस तरह भारत विरोधी संगठन जमात-ए-इस्लामी के साथ समझौता किया था, उसी तरह चीन की कम्युनिस्ट पार्टी भारत विरोधी बांग्लादेश में सक्रिय जमात-ए-इस्लामी के साथ हाथ मिलाने जा रही है। बांग्लादेश में पाकिस्तान परस्त सत्ता आने के बाद चीन को यह मौका मिल गया है कि भारत विरोधी पार्टियों के साथ वैसा ही समझौता किया जाए, जैसा उसने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी की मौजूदगी में कांग्रेस पार्टी के साथ अगस्त 2008 में किया था। समझौते को गोपनीय रखा गया था। लेकिन यह पता चला कि इस एमओयू के तहत, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर एकजुट होकर काम करने के लिए चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ समझौता किया। इस एमओयू पर हस्ताक्षर करने के बाद, आईएनसी लगातार भारत के घरेलू मुद्दों पर चर्चा कर रही है, जिसमें अत्यंत संवेदनशील सुरक्षा मामले, साथ ही सैन्य खरीद के रहस्य और तिब्बत पर चीन की नीति को गुप्त रूप से समर्थन देना शामिल है। चीन ठीक वैसा ही कृत्य बांग्लादेश में करने जा रहा है। 25 नवंबर 2024 को, जिस दिन इस्कॉन प्रमुख और हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास को गिरफ्तार किया गया था, ठीक उसी दिन ढाका में चीनी दूतावास कट्टर इस्लामी राजनीतिक दलों के नेताओं का भव्य स्वागत समारोह आयोजित कर रहा था।

शुभ-लाभ चिंता

▶10 पर

बांग्लादेश सरकार ने नोटों से हटाई बंगबंधु की फोटो

ढाका, 06 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट कर्ट करके आई मोहम्मद यूनुस सरकार राष्ट्रपिता मुजीबुर रहमान की निशानियों को मिटाने में जुटी हुई है। इस्लामी कट्टरपंथ और पाकिस्तान की विचारधारा पर चलते हुए अब यूनुस सरकार ने बांग्लादेश की करेंसी पर से भी बंगबंधु की फोटो हटाने का फैसला कर लिया है। उनकी जगह पर जुलाई में हुए तख्तापलट की तस्वीरें नोटों पर छापी जाएंगी। इससे पहले मुजीबुर रहमान का इतिहास मिटाने के लिए और कई कारस्तानियां यूनुस सरकार कर चुकी है।

▶10 पर

किसानों के दिल्ली कूच पर बवाल, शंभू बॉर्डर पर पुलिस से झड़प

दिल्ली कूच का अभियान दो दिन के लिए टला

नई दिल्ली, 06 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में जबरन प्रवेश करने की कोशिश कर रहे किसानों और पुलिस के बीच हुई भिड़ंत के बाद किसान संगठनों ने दिल्ली कूच करने का अभियान फिलहाल दो दिनों के लिए टाल दिया है। नया ऐलान आया है कि अब आठ दिसंबर को किसान दिल्ली कूच करेंगे।

पंजाब-हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर दिल्ली राजधानी क्षेत्र में घुसने की उग्र कोशिश कर रहे किसानों पर हरियाणा पुलिस ने आंसू गैस के 21 गोले दागे और भीड़ को तितर बितर करने के लिए प्लास्टिक की गोलियों का भी इस्तेमाल किया। इसमें करीब आधा दर्जन किसानों को चोटें आईं। दिल्ली कूच के लिए आमादा किसानों बैरिकेड तोड़ते हुए आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे थे।

शंभू बॉर्डर पर धरने पर बैठे किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी और अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। जबकि अंदरूनी तथ्य यह है कि केंद्र सरकार को अस्थिर करने के लिए किसानों के नाम पर कुछ राजनीतिक दल सियासत की रोटी सेंक रहे हैं। शंभू बॉर्डर और आसपास के इलाकों में इंटरनेट सेवाएं 9 दिसंबर तक के लिए बंद कर दी गई हैं। प्रशासन का कहना है कि इससे अफवाहों पर लगाम लगेगी और कानून-व्यवस्था बनाए रखना आसान होगा। हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने कहा, किसानों को दिल्ली जाने की अनुमति नहीं दी गई है। बिना अनुमति के उन्हें आगे बढ़ने देना कानून का उल्लंघन है। अंबाला प्रशासन ने धारा 144 लागू कर पांच से अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर रोक लगा दी है। किसानों ने दिल्ली कूच करने का अभियान दो दिन के लिए टाल दिया है। शंभू बॉर्डर पर किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने बताया कि 101 किसानों का जत्था अब 8 दिसंबर को दोपहर 12 बजे दिल्ली की ओर कूच करेगा।

सरकार से वार्ता के लिए तैयार नहीं तो 8 को जाएंगे दिल्ली

▶10 पर

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की संसद में घोषणा

किसानों से एमएसपी पर फसलें खरीदेगी मोदी सरकार

नई दिल्ली, 06 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार किसानों की फसलें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को राज्यसभा में इस बात का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार सभी कृषि उपज को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरेदेगी। कृषि मंत्री का यह बयान प्रश्नकाल के दौरान एमएसपी पर चर्चा और एमएसपी को कानूनी समर्थन देने की मांग को लेकर दिल्ली में किसानों के मार्च के बीच आया।

राज्यसभा में शिवराज सिंह चौहान ने कहा, मैं सदन को आश्वासन देता हूं कि किसानों की सारी उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी जाएगी। यह मोदी सरकार है और यह मोदी की गारंटी को पूरी करने की गारंटी है। उन्होंने कहा, जब मेरे विपक्ष के दोस्त सत्ता में थे, तब उन्होंने कहा था कि वे एमएस स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को स्वीकार नहीं करेंगे। खासकर उपज की लागत पर 50 फीसदी ज्यादा देने की बात पर।

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसलें खरीदने के लिए केंद्र प्रतिबद्ध

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बयान पर राज्यसभा के चेयरमैन जगदीप धनखड़ ने उन्हें रिकॉर्ड सामने रखने को कहा। केंद्रीय मंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए दावा किया, पहले की संप्रग सरकार ने कभी किसानों का सम्मान नहीं किया और कभी किसानों की लाभकारी कीमतों की मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया। चौहान ने कहा कि मैं आपके माध्यम से सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि 2019 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों को उत्पादन लागत पर 50 फीसदी लाभ देकर न्यूनतम समर्थन मूल्य की गणना करने का फैसला किया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि मोदी सरकार किसानों को लाभकारी मूल्य दे रही है। तीन साल पहले से ही सरकार धान, गेहूं, ज्वार और सोयाबीन को उत्पादन लागत से 50 फीसदी अधिक मूल्य पर खरीदा जा रहा है।

▶10 पर

राज्यसभा में सिंघवी की सीट से मिली 50 हजार की गड्डी

नई दिल्ली, 06 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के उच्च सदन राज्यसभा में नोटों की गड्डी मिलने की खबर के बाद जमकर हंगामा हुआ। गुरुवार को कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी की सीट से नोट बरामद हुए। अब इस मामले की जांच की मांग की जा रही है। केंद्रीय मंत्री और भाजपा सांसद जेपी नड्डा ने कहा कि यह घटना सामान्य नहीं है और ये सदन की गरिमा पर चोट है। सभापति को घटना की जांच करानी चाहिए। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू और पीयूष गोयल ने भी जांच की मांग की। कांग्रेस सांसद की सीट से नोट की बरामदगी पर दांच की मांग कर रही भाजपाइयों के लिए कांग्रेस अध्यक्ष ने फूहड़ भाषा का इस्तेमाल करते हुए कहा, क्यों चिल्लर की तरह कर रहे हो।

सदस्यों को सूचित करते हुए राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा था, मैं सदस्यों को सूचित करना चाहता हूं कि कल सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद नियमित जांच पड़ताल के दौरान सुरक्षा अधिकारियों ने सीट संख्या 222 से 500 रुपए के नोटों की एक गड्डी बरामद की। गड्डी में 100 नोट हैं। यह सीट वर्तमान में तेलंगाना राज्य से निर्वाचित अभिषेक मनु सिंघवी को आवंटित है। मामला मेरे संज्ञान में लाया गया और मैंने सुनिश्चित किया कि इसकी जांच होगी। जांच चल रही है।

फूहड़ भाषा पर उतरे कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे

कांग्रेस अध्यक्ष और सदन में पार्टी के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभापति द्वारा इसे किसी एक पार्टी से जोड़ने पर सवाल उठाए और फूहड़ शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कहा, क्यों चिल्लर की तरह कर रहे हो। फिर उन्होंने अपना लहजा संभाला और कहा कि जब घटना की जांच होगी तो उसमें साफ होगा कि कौन दोषी है, लेकिन अभी किसी पर सीधे आरोप लगाना सही नहीं है। मैं अनुरोध करता हूं कि जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती और घटना की प्रामाणिकता स्थापित नहीं हो जाती, तब तक किसी भी सदस्य का नाम उजागर न किया जाए। इस पर सभापति ने कहा कि उन्होंने सिर्फ सीट नंबर की जानकारी दी है और इसे किसी पार्टी विशेष से नहीं जोड़ा है।

मामले में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि नियमित प्रोटोकॉल के अनुसार सदन की कार्यवाही खत्म होने के बाद एंटी-सैबोटेज टीम ने सीटों की जांच की। उस प्रक्रिया के दौरान नोट पाया गया और सीट नंबरों को डिकोड किया गया। सदस्यों ने उस दिन हस्ताक्षर भी किए। मुझे समझ में नहीं आता कि इस बात पर आपत्ति क्यों होनी चाहिए कि अध्यक्ष को सदस्य का नाम नहीं लेना चाहिए। अध्यक्ष ने सीट नंबर और उस विशेष सीट नंबर पर बैठे

▶10 पर

पीएम मोदी ने किया अष्टलक्ष्मी महोत्सव का उद्घाटन

दुनिया देखेगी पूर्वोत्तर राज्यों का सामर्थ्य

नई दिल्ली, 06 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दिल्ली के भारत मंडपम में तीन दिवसीय अष्टलक्ष्मी महोत्सव का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली आज पूर्वोत्तर मय हो गई है। पूर्वोत्तर के विविध रंग राष्ट्रीय राजधानी में एक सुंदर इंद्रधनुष बना रहे हैं। पहले अष्टलक्ष्मी महोत्सव में तीन दिन तक पूर्वोत्तर का सामर्थ्य पूरा देश और विश्व देखेगा। यहां व्यापार-कारोबार से जुड़े समझौते होंगे। पूर्वोत्तर के उत्पादों से दुनिया परिचित होगी। यह पहला और अनोखा आयोजन है। इसमें बड़े स्तर पर पूर्वोत्तर में निवेश के द्वार खुल रहे हैं। यह पूर्वोत्तर के साथ ही दुनिया भर के निवेशकों के लिए बेहतरीन अवसर है। मैं अष्टलक्ष्मी महोत्सव के आयोजकों को, पूर्वोत्तर के सभी राज्यों के निवासियों को और यहां आए सभी निवेशकों और अतिथियों को बधाई देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि बीते 100-200 साल में हमने पश्चिम की दुनिया का एक उभार देखा। आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक हर स्तर पर दुनिया में पश्चिमी क्षेत्र की छाप रही।

भारत में भी पश्चिमी क्षेत्र ने देश की विकास यात्रा में बड़ी भूमिका निभाई है। अब कहा जाता है कि 21वीं सदी पूर्व की है। एशिया की है और भारत की है।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,320/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 93,200/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31°
न्यूनतम : 21°

1991 का पूजा स्थल विधेयक अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक

बिन कासिम ने 712 में मंदिर तोड़े, वह क्यों न हो निर्धारण का वर्ष?

नई दिल्ली, 06 दिसंबर (एजेंसियां)। पूजा स्थल विधेयक जिसे अंग्रेजी में प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट कहते हैं, इसकी वैधता और संवैधानिकता पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। इसे गैर विधिक, गैर मानवीय और गैर संवैधानिक कानून को रद्द करने की मांग वाली कई याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं। इस पर पिछले दिनों सुनवाई भी होनी थी, लेकिन फिलहाल सुनवाई टल गई है। लेकिन याचिकाएं यथावत हैं, इसलिए इस मसले पर विमर्श यथावत है। इस मामले में अब तक कुल छह याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई हैं। याचिकाकर्ताओं में हिंदू पक्ष की तरफ से विश्वभद्र पुजारी पुरोहित महासंघ, सुब्रह्मण्यन स्वामी और अश्विनी उपाध्याय शामिल हैं। वहीं मुस्लिम पक्ष की ओर से जमीअत उलमा ए हिंद कोर्ट पहुंचा है।

सुप्रीम कोर्ट में प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 की कानूनी मान्यता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर पिछले दिनों सुनवाई नहीं हुई। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, जस्टिस पीवी संजय कुमार और जस्टिस मनमोहन की तीन जजों की बेंच मामले की सुनवाई से पहले ही बिना कुछ बताए उठ गई। हिंदू पक्ष ने 1991 में बने इस कानून को चुनौती दी है। कानून कहता है कि 15 अगस्त 1947 से पहले अस्तित्व में आए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता।

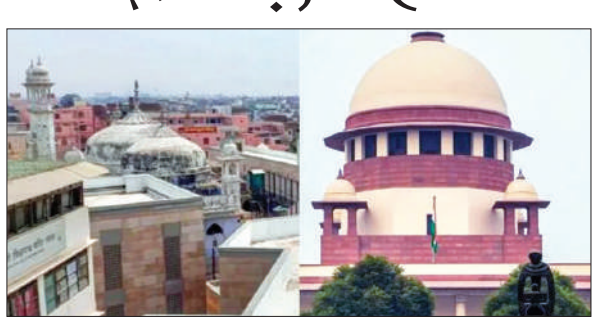

याचिका दाखिल करने वालों की मांग है कि प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 असंवैधानिक है, इसलिए इस कानून को रद्द किया जाए। यह विवादित पूजा स्थल के मामलों में अदालत जाने का अधिकार छीनता है। इसमें कट-ऑफ तारीख 15 अगस्त 1947 है। इसे बदलकर साल 712 किया जाना चाहिए, जब मुहम्मद बिन कासिम ने पहली बार हमला किया था और भारत में हजारों मंदिरों को ध्वस्त कर दिया था।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 1991 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव की कांग्रेस सरकार ने पूजा स्थल कानून बनाया। यह कानून कहता है कि 15 अगस्त 1947 से पहले अस्तित्व में आए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता। अगर कोई ऐसा करने की कोशिश करता है तो उसे एक से तीन साल तक की जेल और जुर्माना हो सकता है। अयोध्या का मामला उस वक्त कोर्ट में था इसलिए उसे इस कानून से अलग रखा गया था।

1991 का वह दौर था जब राम मंदिर आंदोलन अपने चरम पर था। भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी ने 25 सितंबर 1990 को सोमनाथ से रथयात्रा निकाली। इसे 29 अक्टूबर को अयोध्या पहुंचना था, लेकिन 23 अक्टूबर को उन्हें बिहार के समस्तीपुर में गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार करने का आदेश दिया था जनता दल के मुख्यमंत्री लालू यादव ने।

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

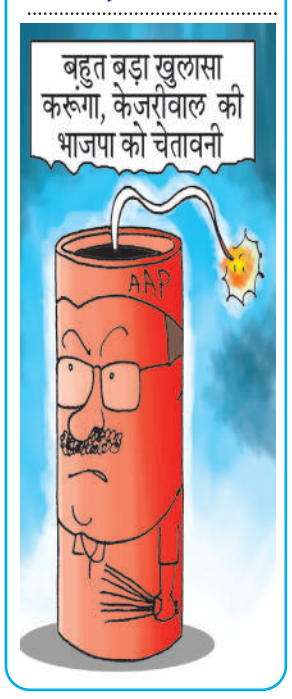

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कुमारस्वामी ने सिद्धरामैया पर मल्लिकार्जुन खड़गे को सीएम बनने से रोकने का लगाया आरोप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेडीएस सुप्रीमो एचडी देवेगौड़ा और केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी पर जेडीएस में वोक्कालिगा नेताओं के उदय को रोकने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा किए गए हमले का तीखा जवाब देते हुए कुमारस्वामी ने दलित नेता और एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को मुख्यमंत्री बनने से रोकने के लिए सिद्धरामैया पर हमला बोला है।

कुमारस्वामी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में सिद्धरामैया पर गुरुवार को हासन में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के सम्मेलन को अपने स्वयं के महिमामंडन के शो में बदलने के लिए हमला किया और दावा किया कि मुख्यमंत्री एक सबसे स्वार्थी व्यक्ति हैं, जिन्होंने अपनी गुटबाजी और रणनीतियों के माध्यम से खड़गे को दिल्ली की राजनीति में धकेल दिया। जेडीएस नेता ने सिद्धरामैया पर 2013 में तत्कालीन केपीसीसी अध्यक्ष डॉ. जी परमेश्वर की विधानसभा चुनाव में हार सुनिश्चित करके मुख्यमंत्री पद पर कब्जा करने और अपने अहिंदा आंदोलन के माध्यम से अन्य सभी मूल कांग्रेसियों को नीचे खींचने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को डोंगीरामैया करार देते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि उन्होंने उपमुख्यमंत्री और वर्तमान केपीसीसी अध्यक्ष डी. के. शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनने से रोकने की साजिश रची थी, जिन्हें उन्होंने कनकपुरा बंदे कहा था। इससे पहले दिन में केंद्रीय मंत्री ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में नई दिल्ली में संसद भवन में डॉ. बी. आर. अंबेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित महापरिनिर्वाण दिवस में भाग लिया।

इस अवसर पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह, एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और अन्य केंद्रीय मंत्री भी मौजूद थे। इस बीच, चन्नपट्टना विधानसभा उप-चुनाव में पराजित जेडीएस उम्मीदवार और जेडीएस युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने राज्य में आगामी जिला पंचायत और तालुक पंचायत चुनावों के सिलसिले में भाजपा के प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल से मुलाकात की।

नखिल कुमारस्वामी सोमवार को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात करेंगे और जेडीएस-भाजपा गठबंधन को साथ मिलकर चुनाव लड़ने के लिए जारी रखने पर चर्चा करेंगे। इससे पहले भाजपा और जद (एस) की आलोचना करते हुए सिद्धरामैया ने उन पर कांग्रेस सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों का अपमान करने के लिए जनविरोधी होने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा हम किसी भी परिस्थिति में पांच गारंटियों को लागू करना बंद नहीं करेंगे। चन्नपट्टना में केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के बेटे निखिल कुमारस्वामी और पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई के बेटे भरत बोम्मई की हार पर तंज कसते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों ने कांग्रेस पार्टी को उनके ऊपर चुना है और कांग्रेस पर लोगों के भरोसे के लिए आभार व्यक्त किया। सिद्धरामैया ने मेकेदातु परियोजना और केंद्र सरकार द्वारा किसानों के लिए फंड में कटौती जैसे मुद्दों पर कुमारस्वामी की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने भाजपा और जेडी(एस) नेताओं को इन अन्यायों को संबोधित करने की चुनौती दी। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि उन्होंने देवेगौड़ा को मुख्यमंत्री बनाने में भूमिका निभाई थी, लेकिन बाद में उन्हें पार्टी से बाहर कर दिया गया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु ऑटो चालक संघ द्वारा आयोजित नूडी हब्बा सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत को सम्मानित किया गया। इस मौके पर संघ के पदाधिकारी एवं अतिथि मौजूद थे।

डॉ. लूनावत का अभिनंदन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लूनी के पूर्व सरपंच एवं प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ के महामंत्री एवं श्री अखिल भारतीय जैन परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. जवरीलाल लूनावत को सर्वसम्मति से श्री मरुधरा जैन संघ बेंगलूरु का अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद बिलाड़ा विधानसभा क्षेत्र निवासी रामचंद्र पटेल, अन्नाराम सिरवी, प्रकाश पारिख, लक्ष्मण सिरवी और सोहनलाल सिरवी ने शांतिनगर लूनावत भवन में गुलदस्ता भेंट कर स्वागत अभिनंदन किया। डॉ. लूनावत ने सभी प्रवासी बंधुओं के प्रति आभार व धन्यवाद ज्ञापित कर बताया कि 36 कौम के प्रत्येक परिवार के सभी सदस्यों को प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ का सदस्य बनना है।

इस हेतु प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के गॉवों की एक सूची तैयार कर फिर हर सदस्य को जोड़ना होगा। इस कार्य हेतु विधानसभा के जानकार व कर्मठ कार्यकर्ताओं की एक कमेटी का गठन करना होगा। घर घर जाकर उनसे फार्म भरवाना होगा। उन्होंने कहा मार्च माह में विचाराधीन पंचायतों एवं नगरपालिका के चुनाव में सभी प्रवासी अपने अपने गांव व शहर जाकर अपनी भागीदारी अवश्य सुनिश्चित करें।

मणिपाल में होटल कर्मचारी की हत्या

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। मणिपाल में रहस्यमय परिस्थितियों में एक 35 वर्षीय होटल कर्मचारी की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान श्रीधर कासरकोड के रूप में हुई है, जिस पर अज्ञात हमलावरों ने बीयर की बोतल से गर्दन पर वार किया। घटना के पीछे का मकसद अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। संदेह है कि अपराध गुरुवार देर रात या सुबह के समय हुआ।

उडुपी के एसपी डॉ. अरुण के और मणिपाल पुलिस कर्मियों ने घटनास्थल का दौरा किया। जांच में सहायता के लिए डॉग स्क्वॉड और फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की टीमें भी लगाई गई। पुलिस द्वारा घटना की जांच जारी रखने के कारण आगे की जानकारी का इंतजार है।

नए साल के जश्न पर सीसीटीवी कैमरे से होगी निगरानी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के पुलिस आयुक्त दयानंद ने अधिकारियों और कर्मचारियों को उचित सुरक्षा योजना बनाने का आदेश दिया है, ताकि नए साल के जश्न के दौरान शहर में कोई अप्रिय घटना न हो। अडुगोडी में सिटी आर्म्ड रिजर्व फोर्स परेड ग्राउंड में आयोजित मासिक परेड में सलामी लेते हुए उन्होंने कहा कि नया साल आ रहा है। इसलिए बंदोबस्त समेत विभिन्न कार्य तुरंत करने होंगे। पिछले साल भी नए साल के जश्न की तैयारियां की गई थीं। उस अवसर पर कई समस्याएं उत्पन्न हुई थी। उन्होंने सुझाव दिया कि ऐसी छोटी-मोटी विफलताओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए और उचित तरीके से निपटाया जाना चाहिए, ताकि इस वर्ष ऐसी कोई समस्या न हो।

शहर के जिन स्थानों पर नए साल के जश्न के लिए भीड़ होगी, वहां बड़ी संख्या में सीसी कैमरे और लाइटें लगवाने के लिए अधिकारी और कर्मचारी विचार-विमर्श कर योजना बनाएं। उससे अपराधों को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि अधिकारी एवं कर्मचारी बार एवं रेस्टोरेंट तथा पब मालिकों से चर्चा कर सुझाव दें। शहर के अधिकारी और कर्मचारी अपने कर्तव्य के प्रति सराहनीय हैं। साथ ही इसे जनता ने भी सराहा है और जनता का रिस्पॉन्स भी अच्छा है। इसी तरह उन्होंने कहा कि थाने में आने वाली जनता के साथ विनम्र व्यवहार करने और समस्या सुनने के लिए उनकी काफी सराहना की गयी। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल से शहर पुलिस की सभी इकाइयों के कर्मचारी अपराध की रोकथाम, मामलों का पता लगाने और यातायात नियंत्रण सहित अपने कर्तव्यों का बखूबी पालन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव और अन्य सुरक्षा कार्यों में जिम्मेदारी से अपना कर्तव्य निभाने के कारण शहर की पुलिस को अच्छी पहचान मिली है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री के नेतृत्व में दिल्ली में हुई डीजीपी और आईजी की बैठक में शहर पुलिस के कामकाज की सराहना की गयी थी। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि हमारे द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी और यातायात प्रबंधन उपायों की सराहना सराहनीय है। जो अधिकारी-कर्मचारी अच्छा कर्तव्य निभाकर प्रशंसा के पात्र हैं, वे दूसरों के लिए प्रेरणास्रोत बनें। व्यक्तिगत कार्यों को परिश्रम और निष्ठा से निपटाना चाहिए। जनता ने सोशल मीडिया पर अधिकारियों व कर्मचारियों की खूब सराहना की है। उन्होंने उनके कर्तव्य की सराहना की। साथ ही कमिश्नर ने कहा कि सभी स्टाफ इसी तरह अच्छा नाम कमाएं। उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिया है कि उपद्रवी गतिविधियों में शामिल लोगों को थाने बुलाकर पूछताछ की जाए। नॉर्थ ईस्ट डिवीजन के डीसीपी साजिथ ने पुलिस आयुक्त के सेवा अभ्यास में गश्ती कमांडर के रूप में कर्तव्य निभाया।

बाबासाहेब अंबेडकर को दी श्रद्धांजलि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। रेल व्हील फैक्ट्री में आरडब्ल्यूएफ के महाप्रबंधक चंद्र वीर रमन ने संविधान के निर्माता और सामाजिक न्याय के प्रतीक डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर को उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा इस दिन हम समानता और मानवीय सम्मान के लिए उनके अथक संघर्ष और राष्ट्र को संचालित करने वाले एक व्यापक संविधान देने में उनके अपार योगदान के लिए अंबेडकर को याद करते हैं। इस दिन हम उनके विजन को पूरा करने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराते हैं।

चंद्र वीर रमन ने डॉ. बी. आर. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और पुष्पांजलि अर्पित की। इसके अलावा पीएचओडी, एचओडी, अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी पुष्पांजलि अर्पित की।

ईडी की कार्रवाई से हमारी सरकार अस्थिर नहीं होगी: एनएस बोसराजू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के लघु सिंचाई, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री एन एस बोसराजू ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) या किसी अन्य एजेंसी द्वारा राज्य में कांग्रेस सरकार को अस्थिर करने के प्रयास सफल नहीं होंगे। बोसराजू ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार और राज्य में भाजपा नेता कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार को गिराने के लिए ठोस प्रयास कर रहे हैं, जिसे लोगों ने लोकतांत्रिक तरीके से चुना है।

उन्होंने भाजपा पर कर्नाटक में जन-हितैषी प्रशासन को कमजोर करने के लिए कानून के शासन की अवहेलना करते हुए असंवैधानिक और लोकतंत्र विरोधी तरीकों का सहारा लेने का आरोप लगाया। उन्होंने आगे दावा किया कि ईडी और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जैसी स्वतंत्र संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है, जिससे उन्हें राजनीतिक विरोधियों को चुप कराने का हथियार बना दिया गया है।

उन्होंने कहा अपने विरोधियों को निशाना बनाने के लिए इन एजेंसियों को इस्तेमाल करने की भाजपा की रणनीति अब कोई रहस्य नहीं है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से जुड़े एक कथित मामले की चल रही जांच का जिक्र करते हुए बोसराजू ने जोर देकर कहा कि भाजपा नाजायज तरीकों से राज्य सरकार को गिराने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा यहां तक कि ऐसे मामलों में भी जहां अदालतों ने जांच को अधिकृत नहीं किया है, ईडी ने अपने अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण किया है और राज्य जांच एजेंसियों के कामकाज में हस्तक्षेप किया है। उन्होंने बताया कि कानून दो एजेंसियों को एक ही मामले की एक साथ जांच करने की अनुमति नहीं देता है। बोसराजू ने कहा ईडी की कार्रवाई भाजपा के प्रभाव में राजनीतिक प्रेरणा का संदेह पैदा करती है। इसके अलावा, मीडिया को संवेदनशील जांच विवरण लीक करना गुप्त उद्देश्यों का संकेत देता है, क्योंकि एजेंसी कानूनी रूप से गोपनीयता बनाए रखने के लिए बाध्य है। उन्होंने ईडी से निष्पक्षता बनाए रखने और देश के लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करने का आग्रह किया। यह भाजपा की हताशा का सबूत है, जो न्याय के ढांचे के भीतर काम करने में विफल होने के बाद कुटिल तरीकों का सहारा ले रही है। मंत्री का यह बयान कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार और केंद्र में भाजपा के बीच जांच एजेंसियों के माध्यम से राजनीतिक प्रतिशोध के आरोपों को लेकर बढ़ते तनाव के बीच आया है।

ईश्वरप्पा पर भड़काऊ भाषण देने का मामला दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री केएस ईश्वरप्पा के खिलाफ शुक्रवार को शिवमोग्गा के कोटे पुलिस स्टेशन में बांग्लादेश में हिंदुओं की गिरफ्तारी के विरोध में भड़काऊ भाषण देने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। कथित तौर पर भड़काऊ भाषण देने के लिए 20 दिनों के भीतर ईश्वरप्पा के खिलाफ यह दूसरा मामला है। ईश्वरप्पा द्वारा बांग्लादेश में आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के खिलाफ शिवमोग्गा के मथुरा पैराडाइज में आयोजित एक विरोध प्रदर्शन के दौरान भाषण देने के बाद यह मामला सामने आया है। चिन्मय कृष्ण दास को बांग्लादेश के अधिकारियों ने 25 नवंबर को ढाका हवाई अड्डे पर राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया था।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** समृद्धि कला अकादमी बेंगलूरु द्वारा कन्नड़ा भवन के नयना सभागार में संस्कृतिक स्पर्धा नृत्य सौरभ का आयोजन किया गया। 50 से भी ज्यादा विद्यार्थियों ने स्पर्धा में हिस्सा लिया। विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने पुरस्कृत किया। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

कर्नाटक सरकार अपना कार्यकाल नहीं कर पाएगी पूरा: पूर्व सीएम

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई ने शुक्रवार को कहा कि कर्नाटक सरकार अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएगी। यहां मीडिया से बात करते हुए बोम्मई ने दावा किया मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने खुद को फेविकोल से कुर्सी से चिपका लिया है, लेकिन कांग्रेस में आंतरिक अशांति है क्योंकि नेता सीएम और डिप्टी सीएम के पदों के लिए होड़ कर रहे हैं। यह एक बड़ा मुद्दा बन जाएगा, जिससे कांग्रेस सरकार अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएगी। बोम्मई ने आरोप लगाया कि सीएम सिद्धरामैया अपनी कुर्सी से चिपके हुए हैं, जबकि उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार उन्हें हटाने की कोशिश कर रहे हैं और गृह मंत्री जी. परमेश्वर इस नाटक में अपनी भूमिका को लेकर हैरान हैं। बोम्मई ने कहा आने वाले दिनों में यह आंतरिक संघर्ष और भी बड़ा हो जाएगा और यह सरकार अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएगी। हासन में आयोजित कांग्रेस के जन कल्याण सम्मेलन के बारे में पूछे जाने पर बोम्मई ने इसके उद्देश्य पर सवाल उठाया। उन्होंने किस बात का जश्न मनाया? लोगों ने उन्हें कल्याण लाने के लिए सत्ता दी है, लेकिन कांग्रेस अपने आयोजनों में खोई हुई है। उन्होंने राज्य के खजाने को दिवालिया बना दिया है। यह एक शून्य सरकार है - विकास में शून्य, सामाजिक न्याय में शून्य और कानून-व्यवस्था में शून्य। उन्होंने वित्त का कुप्रबंधन किया है और प्रगति को अवरुद्ध कर दिया है। उनके आयोजनों का उद्देश्य अदालती मामलों को प्रभावित करना है और वे विकास के बजाय ऐसे समारोहों के लिए सार्वजनिक धन का उपयोग कर रहे हैं। सीएम सिद्धरामैया के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कि वक्फ बोर्ड के खिलाफ भाजपा की लड़ाई महज नाटक है, सांसद ने कहा कि सीएम खुद इस नाटक में एक प्रमुख खिलाड़ी हैं और सरकार के कुकृत्यों पर सवाल उठाना विपक्ष का कर्तव्य है। सीएम के पिछले बयान के बारे में कि अगर केंद्र सरकार 10 किलो चावल मुहैया करा दे तो वह राजनीति से संन्यास ले लेंगे, पूर्व सीएम ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने कभी 10 किलो चावल देने का वादा नहीं किया, यह कांग्रेस थी जिसने ऐसा वादा किया था।

***बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** श्रमण संघीय उप प्रवर्तक पंकजमुनि शुक्रवार को उगमराज लूणावत के निवास स्थान से विहार कर शांतिनगर पहुंचे। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया, मंत्री नेमीचंद दलाल, कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट, युवा अध्यक्ष धीरज नाहर, मंत्री नमित कोठारी, मनोज भंसाली, अमित डांगी, पंकज दूनीवाल, सुरेश जैन, वीरेंद्र जैन, हैप्पी जैन, प्रणीत जैन व अन्य उपस्थित रहे।*

बेंगलूरु में बिजली की दरें बढ़ाई जाएंगी?

इंतजार करना होगा और देखना होगा: मंत्री के जे जॉर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु विद्युत आपूर्ति कंपनी (बेस्कॉम) ने कथित तौर पर कर्नाटक विद्युत विनियामक आयोग को प्रस्तुत अपने पहले बहुवर्षीय टैरिफ (एमवाईटी) आवेदन में वर्ष 2025-26 के लिए 67 पैसे प्रति यूनिट का प्रस्ताव रखा है। राज्य में बिजली दरों में बढ़ोतरी की अफवाहों के बारे में पूछे जाने पर, कर्नाटक के मंत्री के जे जॉर्ज ने कहा यह एक नियमित प्रक्रिया है। सभी हितधारकों को बुलाया जाएगा और इस पर चर्चा की जाएगी। जब केईबी था तब एक पेंशन फंड था। उस फंड का बकाया आ गया है और कमी भी है। मंत्री ने कहा हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि क्या निर्णय लिया जाता है।

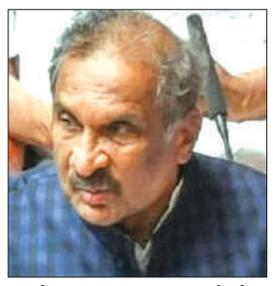

बल्लारी में प्रसव के बाद छह महिलाओं की मौत के बाद कर्नाटक सरकार दबाव में

मुआवजे की घोषणा पहले ही की जा चुकी है

बल्लारी/शुभ लाभ ब्यूरो।

बल्लारी जिले में प्रसव के बाद एक और महिला की मौत के बाद कर्नाटक कांग्रेस सरकार दबाव में है। सिजेरियन सर्जरी से मरने वाली नई महिलाओं की संख्या छह हो गई है। स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने घटना पर दुख जताते हुए शुक्रवार को कहा कि लोगों को इस तरह की घटनाओं को बर्दाश्त नहीं करना चाहिए और इसका विरोध करना चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया सरकार ने पहले ही पीड़ितों के लिए मुआवजे की घोषणा कर दी है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए रिपोर्ट की समीक्षा करेंगे कि आगे कोई और मौत न हो। नवीनतम पीड़ित की पहचान 25 वर्षीय सुमाया के रूप में हुई है। बल्लारी के विजयनगर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (वीआईएमएस) में इलाज के दौरान गुरुवार रात उसकी मौत हो गई। मंत्री ने जवाबदेही की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। अगर कोई स्वस्थ महिला लापरवाही या दोषपूर्ण दवाओं के कारण दम तोड़ देती है, तो यह अस्वीकार्य है। लोगों को ऐसी विफलताओं के खिलाफ आक्रोश व्यक्त करना चाहिए। मंत्री राव ने इसमें शामिल दवा कंपनी के बारे में भी चिंता जताई। उन्होंने कहा दवा आपूर्ति करने वाली कंपनी की भूमिका संदेह के घेरे में है। ये कंपनियां अक्सर संरक्षण के साथ काम करती हैं। हम अपनी प्रणाली और दवा खरीद प्रक्रिया में कमियों की पहचान करने के लिए काम कर रहे हैं। प्रणालीगत मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए राव ने कहा चिकित्सा आपूर्ति और खरीद के प्रभारी अधिकारियों को अक्सर चार से छह महीने के भीतर स्थानांतरित कर दिया जाता है। इन भूमिकाओं के लिए ईमानदार और सक्षम अधिकारियों को नियुक्त किया जाना चाहिए। सरकार ने राज्य औषधि नियंत्रक को निलंबित करके तथा खत द्रव आपूर्ति के लिए जिम्मेदार पश्चिम बंगाल स्थित कंपनी के विरुद्ध मुकदमा चलाने के लिए कदम उठाकर तत्काल कार्रवाई की है। कंपनी के प्रबंध निदेशक को नोटिस जारी किया गया है, तथा उसके परिसर और सुविधाओं का निरीक्षण किया गया है। खत द्रव सहित कंपनी द्वारा आपूर्ति किए जाने वाले सभी उत्पादों के उपयोग को रोक दिया गया है। खत द्रव से संबंधित रिपोर्टों में विसंगति प्रतीत होती है। राव ने कहा जबकि राज्य प्रयोगशाला ने खत द्रव को असुरक्षित बताया, केंद्रीय औषधि प्रयोगशाला ने इसे सुरक्षित माना। हमने इन रिपोर्टों की विश्वसनीयता के बारे में भारत के औषधि नियंत्रक को लिखा है तथा कानूनी कार्रवाई का अनुरोध किया है। नवीनतम पीड़िता सुमाया को 10 नवंबर को भर्ती कराया गया था। 12 नवंबर को सिजेरियन सर्जरी के बाद, उसे खत द्रव दिया गया, जिसके बाद उसे गुर्दे की समस्या हो गई, जिसके कारण अंततः कई अंग विफल हो गए। वह डायलिसिस पर थी, लेकिन 5 दिसंबर को उसकी मौत हो गई। सुमाया से पहले, बल्लारी जिले में प्रसव के बाद की जटिलताओं के कारण रोजम्मा, नंदिनी, मुस्कान, महालक्ष्मी और ललितम्मा की भी मौत हो गई थी। इन घटनाओं ने पूरे राज्य में व्यापक चिंता और आक्रोश पैदा कर दिया है। इससे पहले केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने शनिवार को कर्नाटक में सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली सरकार पर बल्लारी जिले में मातृ मृत्यु के वास्तविक आंकड़े छिपाने का आरोप लगाया। इस दौरान करंदलाजे ने कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव के खिलाफ जांच और कार्रवाई की मांग की। केंद्रीय मंत्री करंदलाजे ने कहा कि केवल एक सप्ताह में बल्लारी जिला अस्पताल में चार महिलाओं की मौत हो गई। विजयनगर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, बल्लारी (वीआईएमएस) में एक और महिला की जान चली गई। केंद्रीय मंत्री ने पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे की मांग की। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि सिद्धरामैया सरकार आंकड़े छिपा रही है। उन्होंने कहा कि सीजेरियन ऑपरेशन के बाद जो ग्लूकोज दिया गया, वह नकली था और उस पर प्रतिबंध लगा हुआ था। इसके बावजूद वह ग्लूकोज दिया गया, जिसके कारण महिलाओं की मौत हुई। इसकी तुरंत जांच होनी चाहिए और मंत्री राव के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। राज्य स्वास्थ्य मंत्री राव ने पहले दिन कहा था कि इस चिंता के बीच कि बल्लारी जिले में हाल ही में हुई मातृ मृत्यु को घटिया रिंगर लैक्टेट समाधान से जोड़ा जा सकता है, एहतियात के तौर पर सभी सरकारी अस्पतालों में इसका उपयोग निलंबित कर दिया गया है। केंद्रीय मंत्री करंदलाजे ने पूछा कि केवल तीन-चार जिलों में लगभग 30 महिलाओं और 111 बच्चों की मौत हुई है, तो पूरे राज्य में कितनी मौतें हुई होंगी?

महिला अधिकारी को धमकी मामला

छह कैदियों को कर्नाटक की विभिन्न जेलों में भेजा गया

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिला जेल के मुख्य जेल अधीक्षक को धमकी भरे ऑडियो संदेश के बाद, एक आतंकी संदिग्ध सहित छह कैदियों को राज्य भर की विभिन्न जेलों में भेजा गया है। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कलबुर्गी जिला जेल की मुख्य जेल अधीक्षक आर. अनीता को एक अज्ञात व्यक्ति से धमकी भरा ऑडियो संदेश मिला था, जिसमें चेतावनी दी गई थी कि उनकी कार को विस्फोटकों से उड़ा दिया जाएगा। अधिकारियों ने बेंगलूरु के मल्लेश्वरम इलाके में 2013 के बम विस्फोट मामले में शामिल आतंकी संदिग्ध जुल्फिकार अली को स्थानांतरित कर दिया है। कैदियों को बेलगावी, धारवाड़, शिवमोग्गा, बल्लारी और राज्य की अन्य जिला जेलों में स्थानांतरित कर दिया गया है। सूत्रों ने पुष्टि की है कि शिवमोग्गा के राउडीशीटर कैदी बच्चन, अब्दुल खादर जिलानी, शेख सद्दाम हुसैन, जाकिर और विशाल अन्य हैं, जिन्हें जेलों में स्थानांतरित किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि उन्हें स्थानांतरित करने से पहले अदालत से अनुमति प्राप्त हुई थी। जांच में पता चला था कि ये कैदी कुछ जेल कर्मचारियों की मिलीभगत से जेल के अंदर शाही जीवन जी रहे थे। वे अपने वीडियो बनाकर अधिकारियों को ब्लैकमेल भी कर रहे थे। पुलिस ने कहा कि धमकी भरा संदेश कलबुर्गी में एक पुलिस इंस्पेक्टर को उसके मोबाइल फोन पर ऑडियो रिकॉर्डिंग के रूप में भेजा गया था। बाद में यह जानकारी अनीता को दी गई। जवाब में, उनकी आधिकारिक गाड़ी को लगातार सीसीटीवी निगरानी में खड़ा किया गया है। हाल ही में, कलबुर्गी जेल में कुछ कैदियों को तरजीह दिए जाने की खबरें सामने आईं, जिसके बाद एडीजीपी जेल सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने निरीक्षण किया। डेढ़ महीने पहले कार्यभार संभालने के बाद से, अनीता ने जेल परिसर के अंदर गुटखा, बीड़ी और सिगरेट की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने सहित ऐसी प्रथाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। इन सुधारों को कैदियों की ओर से प्रतिरोध का सामना करना पड़ा, विचाराधीन कैदियों और कैदियों ने नए नियमों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। विरोध के बावजूद, अनीता दृढ़ रहीं और उपायों में ढील देने से इनकार कर दिया। उन्होंने प्रभावशाली कैदियों को पहले दिए जाने वाले विशेषाधिकार को भी समाप्त कर दिया। यह संदेह है कि धमकी भरा संदेश इन सख्त उपायों से नाखुश असंतुष्ट कैदियों द्वारा दिया गया हो सकता है। पुलिस संदेश के स्रोत का पता लगा रही है और जांच जारी है।

बल्लारी में महिलाओं, नवजात शिशुओं की मौत के मामले में राज्य सरकार की अमानवीय कार्रवाई : विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई विजयेंद्र ने कहा कि बल्लारी में सिजेरियन सर्जरी से महिलाओं और शिशु की मौत को लेकर लोग कांग्रेस सरकार की अमानवीय कार्रवाई पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में पत्रकारों से बात की। उन्होंने राज्य सरकार से बल्लारी दुर्घटना की उचित न्यायिक जांच कराने और मृत गर्भवती महिलाओं के परिवारों को मुआवजा प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने ब्लैकलिस्टेड कंपनी से आइवी ग्लूकोज खरीदा था। बल्लारी सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हुए हादसे में 7 बैरेंटिस और एक बच्चे की मौत हो गई। उन्होंने आलोचना की कि स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव और चिकित्सा शिक्षा मंत्री शरण प्रकाश पाटिल यहां नहीं आये। जमीर अहमद मंत्री प्रभारी हैं और वह वक्फ मामले में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा कि लोग सरकार के अमानवीय व्यवहार पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि इस दुर्घटना के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए, क्योंकि इसे एक ब्लैकलिस्टेड कंपनी से खरीदा गया था। राज्य सरकार अपनी जिम्मेदारी भूल गयी है। मुख्यमंत्री हासन में स्वाभिमान सम्मेलन करने वाले थे, लेकिन उन्होंने कार्यक्रम का नाम बदलकर जनकल्याण समावेश कर दिया। मैंने बीदर, कलबुर्गी, यादगिरि, रायचूर का दौरा किया है। कल्याण कर्नाटक के जिलों में तोगारी उगाने वाले किसान संकट में हैं। उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि प्रति एकड़ छह-छह क्विंटल फसल की जगह डेढ़ से दो क्विंटल फसल नहीं आई।

तोगारी अकेले कलबुर्गी जिले में छह से सात लाख एकड़ में उगाई जाती है। हालाँकि, बीमारी से 80 प्रतिशत फसल नष्ट हो गई है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि राज्य सरकार सर्वेक्षण और क्षति का निर्णय लेने की जहमत नहीं उठा रही है। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार सर्वेक्षण कराये और नुकसान की सीमा का पता लगाये और मुआवजा दे। एक तरफ किसान सड़कों पर उतरे हैं तो दूसरी तरफ कांग्रेसी जनकल्याण सम्मेलन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोग इस सरकार के गैरजिम्मेदाराना व्यवहार को कोस रहे हैं।

निखिल कुमारस्वामी ने बीएल संतोष से मुलाकात की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चन्नपट्टना विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के बाद नई दिल्ली दौरे पर पहुंचे युवा जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने भाजपा के राष्ट्रीय संगठन सचिव बीएल संतोष से मुलाकात की। निखिल ने उपचुनाव और उसके बाद के राजनीतिक घटनाक्रम के बारे में कई बिंदुओं पर उनका ध्यान दिलाया। साथ ही, संतोष ने निखिल से चन्नपट्टना चुनाव के बारे में कुछ जानकारी प्राप्त की और आगे के राजनीतिक विकास के संदर्भ में निखिल को महत्व-पूर्ण सलाह और मार्गदर्शन दिया। इस बारे में निखिल कुमारस्वामी ने बताया, मैं अपनी दिल्ली यात्रा के दौरान संतोष से मिला और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने चन्नपट्टना चुनाव के बारे में पूछा और कुछ जानकारी ली। उन्होंने कहा कि उन्होंने मेरे

राजनीतिक विकास और राज्य में एनडीए गठबंधन को मजबूत करने में मार्गदर्शन किया। इससे पहले निखिल कुमारस्वामी ने कहा था कि केंद्र सरकार को एक याचिका सौंपी गई है जिसमें मांग की गई है कि राज्य की तंबाकू फसल को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के दायरे में लाया जाए और इसके लिए समर्थन मूल्य दिया जाए। सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की और इस संबंध में अनुरोध प्रस्तुत किया। उन्होंने एक प्रेस बयान में कहा कि केंद्रीय मंत्री ने हमारे अनुरोध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। हमने राज्य के तंबाकू उत्पादकों के हित में मंत्री को यह अनुरोध सौंपा है, जो कीमतों में गिरावट सहित विभिन्न समस्याओं के कारण गंभीर संकट में हैं। उन्होंने कहा उसी समय हमारे साथ मौजूद केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने भी मंत्री गोयल को तंबाकू उत्पादकों की समस्याओं के बारे में आश्वस्त किया।

हालाँकि पड़ोसी राज्यों में तम्बाकू उत्पादकों को बेहतर दर मिल रही है, लेकिन कर्नाटक में उत्पादकों को उतनी कीमत नहीं मिल रही है। इस पृष्ठभूमि में उन्हें ध्यान देना चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि किसानों को बेहतर कीमत मिले। आंध्र प्रदेश में तंबाकू की औसत कीमत 320 रुपये प्रति किलोग्राम है। जबकि कर्नाटक में 265 रुपये प्रति किलो है। उन्होंने कहा कि गोयल को इस तथ्य से अवगत कराया गया कि कम फसल के कारण गरीब और मध्यम किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। यदि तम्बाकू की फसल को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत लाया जाता है, तो इससे छोटे, बहुत छोटे और मध्यम आकार के उत्पादकों को मदद मिलेगी और यदि तम्बाकू की फसल को भी समर्थन मूल्य दिया जाता है, तो गरीब परिवार आर्थिक रूप से सशक्त होंगे। उन्होंने बताया कि पीयूष गोयल से अनुरोध किया गया कि आईटीसी जैसी बड़ी कंपनियों को ऐसे उत्पादकों से सीधे तंबाकू खरीदने का निर्देश दिया जाना चाहिए। मंत्री ने बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और अधिकारियों को कुछ आदेश दिये। उन्होंने उनसे अन्य अधिकारियों से मिलकर तम्बाकू उत्पादकों की समस्याओं पर मौलिक चर्चा करने को कहा। उन्होंने कहा इसी के तहत हम उनके विभाग के अधिकारियों से मिलकर जानकारी देने जा रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल में सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वॉडियार, मल्लेश बाबू, पूर्व मंत्री सारा महेश, विधायक जीटी हरीश गौड़ा आदि शामिल थे।

अंबेडकर के 68वें परिनिर्वाण दिवस पर दी श्रद्धांजलि

जो लोग संविधान का विरोध करते हैं उन्हें पहले इसे पढ़ने दें: सीएम सिद्धरामैया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ने बहुलवादी भारत के लायक संविधान दिया। जो लोग संविधान का विरोध करते हैं उन्हें पहले इसे पढ़ना चाहिए। समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित संविधान निर्माता भारत रत्न महान मानवतावादी बाबा साहेब डॉ. बीआर अंबेडकर के 68वें परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर उन्होंने विधान सौधा के सामने अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और फिर पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा बसवन्ना और बुद्ध के बाद बाबा साहब ने देश में समानता की लड़ाई लड़ी। 6 दिसम्बर 1956 को वे हम सबको छोड़कर चले गये। उस दिन को ही परिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है। सामाजिक संघर्ष और समाज परिवर्तन के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले अंबेडकर ने एक ऐसा संविधान दिया जो इस देश और हमारे सामाजिक जीवन के लिए आवश्यक है। भारतीय संविधान को विश्व में सर्वश्रेष्ठ लिखित संविधान के रूप में जाना जाता है। संविधान की महानता को जानने के लिए इसका क्रियान्वयन अच्छे लोगों के हाथों में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अंबेडकर ने साफ चेतावनी दी थी कि अगर यह बुरे लोगों के हाथ में गया तो बुरा होगा। समतावादी समाज के निर्माण के लिए प्रयासरत अंबेडकर ने उन सभी वर्गों के लोगों की ओर से काम किया जो वंचित, शोषित, अन्याय, अपमान और उत्पीड़न के शिकार थे। वह समाज में समानता चाहते थे और उसी की वकालत करते थे। संविधान के उद्देश्य भी यही कहते हैं। संविधान के लाभार्थियों को अपने साथी जातियों की मदद करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर किसी को संविधान को समझना चाहिए। इंसान को एक-दूसरे से प्यार करना चाहिए न कि एक-दूसरे से नफरत। बहुत से लोग संविधान का विरोध करते हैं। भारत एक बहुसांस्कृतिक, बहुलवादी देश है। यहां कई जातियां और धर्म हैं। भाषाएँ भी बहुत हैं। यह अम्बेडकर ही थे जिन्होंने इसके योग्य संविधान दिया। उन्होंने सभी धर्मों और संस्थाओं को समान अवसर दिया और मानव धर्म पर जोर दिया। मूलतः हम सभी मनुष्य हैं। इंसान को एक-दूसरे से प्यार करना चाहिए न कि एक-दूसरे से नफरत। अम्बेडकर ने अपने जीवन में यही उपदेश दिया। उन्होंने जाति व्यवस्था के खिलाफ लड़ाई लड़ी और अपने अंतिम दिनों में बौद्ध धर्म स्वीकार करते हुए कहा कि वह एक हिंदू के रूप में पैदा हुए हैं और एक हिंदू के रूप में नहीं मरेंगे। उनके प्रति हमारी श्रद्धांजलि यही है कि हम उनके द्वारा दिये गये संविधान और उनके संघर्ष के रास्ते पर चलने का ईमानदार प्रयास करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उनकी इच्छा के अनुरूप लोकतंत्र और समानता लाने का प्रयास कर रही है।

राहुल गांधी एक महान देशभक्त हैं

इसी बीच सिद्धरामैया ने कहा कि राहुल गांधी महान देशभक्त हैं। जो लोग उन्हें गद्दार कहते हैं वे असली गद्दार हैं। वह एक ऐसे व्यक्ति हैं जो इस बात के लिए संघर्ष कर रहे हैं कि देश में सभी को समान अवसर मिले, संविधान की रक्षा हो और लोकतंत्र की रक्षा हो। ऐसे लोगों को देशद्रोही कहना अस्वीकार्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बल्लारी में एक और महिला की मौत के कारणों की जांच की जाएगी। बल्लारी जिले में हुई मौतों को लेकर पहले ही बैठक कर चर्चा की जा चुकी है। ड्रग रेगुलेटर को सस्पेंड कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी को नोटिस जारी किया गया है। पांचवीं मौत डॉक्टर की लापरवाही से हुई या दवा की गुणवत्ता से, इसकी जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि उन्हें बल्लारी के घटनाक्रम की पूरी जानकारी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने संविधान निर्माता को सच्चा सम्मान दिया : विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एकमात्र ऐसे नेता हैं जो संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर के विचारों को पूरा कर सकते हैं, जिन्होंने समतामूलक समाज के निर्माण का सपना देखा था। उन्होंने भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में डॉ. बी.आर. अंबेडकर के महा परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर बाबा साहब के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद यह बात कही। बाबा साहब को सच्ची श्रद्धांजलि देने के लिए मोदी 10 साल से देश को उस दिशा में ले जा रहे हैं, जिस दिशा में जाना चाहिए। बाबा साहब के जीवन में बड़ी भूमिका निभाने वाले 5 स्थानों को पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया गया है। भाजपा को ही अंबेडकर की आकांक्षाओं को लोगों के बीच ले जाने की सच्ची चिंता है। नरेंद्र मोदी इसे ईमानदारी से लागू कर रहे हैं। उन्होंने महान आत्मा अंबेडकर को सम्मान देने के साथ ही कहा कि उनके मिशन और आदर्शों को हमें अपने जीवन में भी अपनाना चाहिए। ये कांग्रेसी ही थे जिन्होंने अंबेडकर की इच्छा पर कालिख पोत दी।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने आलोचना की कि यह कांग्रेसी ही थे जिन्होंने देश पर आपातकाल लागू करके अंबेडकर की इच्छा को धूमिल किया। जो कांग्रेस अपने समय में अम्बेडकर को बर्दाश्त नहीं करती थी, वह आज उनकी फोटो के साथ भाषण देती है। उन्होंने आपत्ति जताई कि वे संविधान के रक्षक होने का दावा करते हैं। क्या आपने जम्मू-कश्मीर में संविधान की कीमत चुकाई? उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370, जो अंबेडकर की इच्छा के विरुद्ध था और आग की तरह जल रहा था, को रद्द करने का श्रेय भाजपा और मोदी के नेतृत्व को जाता है। इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री ए. नारायणस्वामी, प्रदेश कार्यालय सचिव लोकेश अम्बेकल्लू, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष के.सी. मंजुला, भाजपा पूर्व प्रदेश सचिव जगदीश हिरेमानी, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, बेंगलूरु सेंट्रल जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा, पार्टी नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अपहरण और बलात्कार मामले में तीन को जमानत मिली

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। यहां की एक जिला अदालत ने शुक्रवार को एक हिंदू महिला के कथित अपहरण और बलात्कार मामले में आरोपी तीन लोगों को जमानत दे दी। आरोप है कि आरोपियों ने पीड़िता को अगवा करने के बाद उसे नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया। 24 अगस्त को उडुपी जिले के करकला कस्बे से एक इंस्टाग्राम दोस्त द्वारा 21 वर्षीय महिला का अपहरण कर उसके साथ बलात्कार करने की घटना सामने आई थी। मुख्य आरोपी के मुस्लिम होने के कारण इस घटना ने सांप्रदायिक रूप ले लिया था। घटना करकला टाउन थाने की सीमा में हुई थी। पुलिस ने इस सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया था और पीड़िता को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस मामले ने तब नया मोड़ ले लिया था जब हिंदू संगठनों ने आरोप लगाया था कि पीड़िता के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी। हालांकि, पुलिस ने सामूहिक बलात्कार की संभावना से इनकार किया और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। आरोपियों की पहचान अल्ताफ (34), सैवियो रिचर्ड क्राड्रोस (35) और अभय (23) के रूप में हुई है। पीड़िता और आरोपी तीन महीने से इंस्टाग्राम पर दोस्त थे। आरोपी और पीड़िता एक ही जगह के रहने वाले हैं।

सम्मेलन शक्ति प्रदर्शन नहीं था: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कहा कि हासन में पार्टी सम्मेलन शासन दर्शन का प्रसार करने का एक मंच था, इसलिए शक्ति प्रदर्शन की कोई जरूरत नहीं है। सदाशिवनगर स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा हमें शक्ति प्रदर्शन की जरूरत नहीं है। यह पार्टी और कई समान विचारधारा वाले संगठनों द्वारा आयोजित सम्मेलन था। कई संगठन अन्य जिलों में इस तरह के सम्मेलनों का समर्थन करने के लिए आगे आए हैं। भाजपा इस आयोजन की आलोचना कर रही है, क्योंकि वह ईर्ष्यालु है। उन्होंने कहा जब हासन की माताएं संकट में थीं, तब किसी ने

उन्हें सांत्वना देने की कोशिश नहीं की। इसके बजाय वे चन्नपट्टना में आकर आंसू बहाती रहीं। भाजपा और जेडीएस अपना आधार खो रहे हैं, इसलिए वे इस आयोजन की आलोचना कर रहे हैं। सत्ता साझेदारी समझौते पर बातचीत को लेकर गृह मंत्री परमेश्वर द्वारा व्यक्त असंतोष के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा मैंने आपके या परमेश्वर के सामने इस बारे में बात नहीं की है। मैंने एक समाचार चैनल पर अपना दृष्टिकोण साझा किया था। मैं मीडिया के सामने जो चर्चा हुई है, उस पर चर्चा नहीं कर सकता। सीएम ने कहा कि कोई व्यवस्था नहीं है, मैं इस मामले पर आगे कोई चर्चा नहीं करूंगा। हमारी सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी। यह पूछे जाने पर कि क्या उनके और परमेश्वर के बीच कोई मतभेद है, उन्होंने कहा मेरा किसी से कोई मतभेद नहीं है। मेरी कोई राजनीतिक दुश्मनी नहीं है। हमने पार्टी के लिए साथ मिलकर काम किया है और आगे भी करते रहेंगे।

शिवकुमार स्वामी की कांस्य प्रतिमा तोड़ने का आरोपी गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तुमकुरु सिद्धगंगा मठ के दिवंगत डॉ. शिवकुमार स्वामी की कांस्य प्रतिमा तोड़ने के आरोप में बेंगलूरु में 34 वर्षीय डिलीवरी एजेंट को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान राज विष्णु के रूप में हुई है, जिसे शिव कृष्ण के नाम से भी जाना जाता है, जो ब्यादराहल्ली में रहता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जांच के दौरान, विष्णु ने कथित तौर पर दावा किया कि उसे सपने में यह कृत्य करने का निर्देश दिया गया था। पांच साल पहले गिरिनगर में वीरभद्रनगर बस स्टैंड के पास जया कर्नाटक जनपारा वेदिके द्वारा स्थापित की गई मूर्ति को 30 नवंबर को क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। आरोपी ने काम पर जाते समय मूर्ति देखी थी। उसी रात, वह एक स्कूटर पर हथौड़ा लेकर लौटा और मूर्ति को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना का पता अगली सुबह चला। स्थानीय निवासी आक्रोशित थे, उन्होंने उस व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। वेदिके के अध्यक्ष परमेश ने आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई और पुलिस से इलाके में सीसीटीवी फुटेज की जांच करने का आग्रह किया। इस फुटेज के आधार पर आखिरकार बुधवार को आरोपी को पकड़ा गया और उसे गिरफ्तार किया गया।

बल्लारी मातृ मृत्यु मामला : भाजपा प्रदेश प्रतिनिधिमंडल ने लोकायुक्त से जांच की अपील की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रदेश भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को लोकायुक्त से मुलाकात की और बल्लारी तथा राज्य के विभिन्न जिला सरकारी अस्पतालों में सिजेरियन सर्जरी से महिलाओं और नवजात शिशुओं की मौत के संबंध में एक याचिका सौंपी। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, विधान परिषद सदस्य एन. रविकुमार, राज्य महिला मोर्चा की अध्यक्ष मंजुला, भाजपा बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष और विधायक सी.के. राममूर्ति, मेडिकल चैंबर के राज्य

समन्वयक डॉ. नारायण, सह-संचालक डॉ. एम. एस. सदानंद, राज्य समिति सदस्य डॉ. लक्ष्मण, डॉ. साई आदर्श आदि प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे। मृत्यु ने न केवल शिशु मृत्यु दर की ओर ध्यान आकर्षित किया बल्कि हस्तक्षेप की भी मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने घटना के संबंध में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव के इस्तीफे की भी मांग की। याचिका में मौत के पीछे के कारण, घटिया दवा खरीदने के पीछे के लोगों और मामले को दबाने की कोशिश करने वालों का पता लगाने के लिए न्यायिक जांच की मांग की गई है। इसके पीछे अस्पताल प्रबंधन, सरकारी अधिकारी और राजनेता हैं और इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को कानून के तहत दंडित किया जाना चाहिए। स्वास्थ्य क्षेत्र में भ्रष्टाचार और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रभावित परिवारों को पर्याप्त मुआवजा दिया जाए। प्रतिनिधिमंडल ने अपनी अपील में कहा कि चिकित्सा क्षेत्र में भ्रष्टाचार और खराब गुणवत्ता वाली दवाओं और अन्य उपकरणों की आपूर्ति को रोकने के लिए आवश्यक प्रशासनिक सुधार लाए जाने चाहिए। याचिका में कहा गया है कि दिनेश गुंडूराव को हादसे की जिम्मेदारी लेते हुए तुरंत मंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

ऑनलाइन जुए की लत में फंसे छात्र ने आत्महत्या की

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। ऑनलाइन जुए की लत में फंसे एक छात्र ने गुरुवार को कर्ज न चुका पाने के कारण आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान बीएससी अंतिम वर्ष के नर्सिंग छात्र सोमनाथ चिदरी (22) के रूप में हुई है, जो गुलबर्गा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल कॉलेज में पढ़ रहा था। वह बीदर जिले के भालकी तालुक के दोनागापुर गांव का निवासी था।

उसने कथित तौर पर ऑनलाइन गेमिंग में 80 लाख रुपये से अधिक गंवा दिए थे और 4 प्रतिशत से 10 प्रतिशत तक के ब्याज पर पैसे उधार लिए थे। कर्जदाताओं के उत्पीड़न से तंग आकर उसने शहर के वीरशैव छात्रावास के पास एक पेड़ से फांसी लगा ली। सोमनाथ ने अपने पिता को भी फोन करके 30 हजार रुपये मांगे थे। लेकिन, उसके पिता ने पैसे भेजने के लिए सहमति जताई थी, लेकिन उसने अपनी जान दे दी। कलबुर्गी शहर के पुलिस आयुक्त शरणप्पा एस डी ने कहा कि मृतक के माता-पिता ने उसके द्वारा मांगे गए पैसे भेजने पर सहमति जताई थी। लेकिन, पैसे मिलने से पहले ही उसने अपनी जान दे दी। उन्होंने बताया कि उसके माता-पिता ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसने ऑनलाइन गेमिंग में 70-80 हजार रुपये गंवा दिए हैं।

काली मिर्च की कीमतें 650 रुपये प्रति किलो तक पहुंचीं

पुत्तूर/शुभ लाभ ब्यूरो। लंबे समय तक स्थिर रहने के बाद काली मिर्च की कीमत में उल्लेखनीय उछाल आया है और यह 650 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। गुरुवार को कैंपको बाजार में काली मिर्च की कीमत 640 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जबकि बाहरी बाजारों में यह 650 रुपये में बिक रही थी। कीमतों में लगातार वृद्धि देखी गई है, कैंपको बाजार में 25 नवंबर को 610 रुपये प्रति किलोग्राम, 26 नवंबर को 615 रुपये, 30 नवंबर को 620 रुपये, 3 दिसंबर को 625 रुपये, 4 दिसंबर को 630 रुपये और 5 दिसंबर को 640 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार हुआ। रबर की कीमतों में भी मामूली वृद्धि देखी गई है। गुरुवार को कैंपको बाजार में ग्रेडेड रबर 195 रुपये प्रति किलोग्राम पर दर्ज किया गया, जबकि स्क्रैप-ग्रेड रबर की कीमत 128 रुपये प्रति किलोग्राम थी। 27 नवंबर को ये कीमतें क्रमशः 186 रुपये और 121 रुपये थीं। इस बीच, बाहरी बाजारों में सिंगल छोले की मांग बढ़ रही है। व्यापारियों का अनुमान है कि जल्द ही इसकी कीमत 475 रुपये प्रति किलोग्राम को पार कर सकती है। गुरुवार को सिंगल छोले की कीमत 458 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जबकि डबल छोले की कीमत 500 रुपये प्रति किलोग्राम थी। नारियल 47 रुपये प्रति किलोग्राम और सूखा नारियल 140 रुपये प्रति किलोग्राम बिका।

कोर्ट ने धारवाड़ पंचायत सदस्य हत्याकांड में माफी देने के विशेष अदालत के आदेश को किया रद्द

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सीबीआई मामलों की विशेष अदालत द्वारा धारवाड़ जिला पंचायत सदस्य योगेश गौदर की हत्या के मामले में आरोपी नंबर 1 बसवराज शिवप्पा मुत्तगी को क्षमादान देने तथा उसे सीआरपीसी की धारा 306 के तहत सरकारी गवाह मानने के आदेश को प्रक्रियागत खामियों के कारण रद्द कर दिया। साथ ही, अदालत ने विशेष अदालत को सुनवाई पूरी करने के लिए दो महीने की समय सीमा तय की।

न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने पूर्व मंत्री तथा धारवाड़ कांग्रेस विधायक विनय आर कुलकर्णी, जो इस मामले में भी आरोपी हैं,

तथा अन्य द्वारा विशेष अदालत के 30 अक्टूबर, 2024 के आदेश पर सवाल उठाने वाली याचिकाओं को स्वीकार करते हुए यह आदेश पारित किया। गौदर की हत्या 2016 में हुई थी। अदालत ने कहा कि क्षमादान देने से पहले सीआरपीसी की धारा 164 के तहत बयान दर्ज करना अवैध है तथा क्षमादान देते समय ऐसी प्रक्रिया किसी भी मामले में नहीं अपनाई जा सकती। जांच और जिरह की प्रक्रिया केवल क्षमादान के बाद ही होगी, जैसा कि सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है, उससे पहले नहीं। सह-आरोपी को सीआरपीसी की धारा 306 के तहत क्षमादान देने के आदेश पर सवाल उठाने का अधिकार है, केवल तभी जब यह किसी प्रक्रियागत विचलन से संबंधित हो, न कि क्षमादान देने के आदेश के गुण-दोष के आधार पर। न्यायालय ने कहा कि सीआरपीसी की धारा 306 के तहत क्षमादान मांगने वाला दूसरा आवेदन केवल बदली हुई परिस्थितियों में ही स्वीकार्य है। मुकदमे में देरी के बारे में न्यायालय ने कहा कि देरी याचिकाकर्ताओं द्वारा बार-बार इस न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के कारण नहीं हुई, बल्कि अभियोजन पक्ष ने भी देरी में योगदान दिया है।

व्यक्ति ने कार की छत पर तीन कुत्तों को बैठाकर गाड़ी चलाई, गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु के एक 36 वर्षीय व्यक्ति को गाड़ी चलाते समय कुत्तों को कार के ऊपर रखने की हरकतों के लिए गिरफ्तार किया गया है। यह घटना 3 दिसंबर को कल्याण नगर में हुई, जिसका एक वीडियो वायरल हुआ है। कार, जिस पर हरि लाइक्स रिस्क टैगलाइन के साथ एक नकली प्रेस स्टिकर छपा हुआ था, को भी जब्त कर लिया गया। चालक की पहचान हरीश के रूप में हुई, जो कल्याण नगर के पास चेलेकेरे में रहने वाला एक हेयर स्टाइलिस्ट माना जाता है। एक सोशल मीडिया यूजर द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में तीन यात्रियों के साथ लाल रंग की कार को ट्रैफिक के बीच से गुजरते हुए दिखाया गया है, जिसमें तीन कुत्ते कार के ऊपर बैठे हैं। किसी भी तरह का कोई हार्नेस या तार नहीं था। उसने कम से कम दो किलोमीटर तक ऐसा किया। उसे पहले भी इस इलाके में ऐसा करते देखा गया है। वीडियो में हरीश को भी दिखाया गया है, जो अपने साथ दो छोटे यात्रियों के साथ कार चला रहा था, जो वीडियो रिकॉर्ड करने वाले व्यक्ति के खिलाफ अपशब्दों का

इस्तेमाल कर रहा था। वीडियो वायरल होने के बाद सोसायटी फॉर एनिमल सेफ्टी (एसएएस) ने शहर के पुलिस आयुक्त सहित कई अधिकारियों के समक्ष शिकायत दर्ज कराई। एक बयान में, उन्होंने कहा कि इस कृत्य ने न केवल जानवरों को अत्यधिक कष्ट पहुँचाया, बल्कि दुर्घटनाएँ होने का भी बड़ा खतरा पैदा किया। पशु क्रूरता निवारण अधिनियम और धारा 351 (2) (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। रिपोर्टों के अनुसार, हरीश ने दावा किया कि उसने अपने तीन कुत्तों को दिखाने के लिए यह स्टंट किया। उसने शुरू में कहा कि उसने प्रेस स्टिकर वाली एक पुरानी कार खरीदी है, फिर उसने दावा किया कि वह एक मीडियाकर्मी है। बाद में, उसने अपना बयान बदल दिया और कहा कि वह एक सैलून में काम करता था। यह पता लगाने के लिए जाँच चल रही है कि क्या स्टिकर कानून प्रवर्तन एजेंसियों की जाँच से बचने के लिए लगाया गया था।

बारिश के बाद फिर उभरे गड्ढे बेंगलूरु में यातायात प्रभावित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पिछले कुछ दिनों से बेंगलूरु में बारिश हो रही है, जिसकी वजह से पहले से ही खराब सड़कों की हालत और खराब हो गई है, जिससे वाहन चालकों के लिए आवागमन मुश्किल हो गया है। इस साल सितंबर में मानसून के मौसम के अंत में उपमुख्यमंत्री और बेंगलूरु विकास मंत्री डी.के. शिवकुमार ने सभी गड्ढों को भरने के लिए 15 दिन की समयसीमा तय की थी और नगर निकाय ने सभी गड्ढों को भरने का दावा किया था। हालांकि, अक्टूबर की बारिश के कारण कई गड्ढे फिर से उभर आए। तब से बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) अनुपयुक्त मौसम की स्थिति के कारण काम पूरा करने के लिए संघर्ष कर रही है। बीबीएमपी के मुख्य अभियंता (सड़क अवसंरचना), बी.एस. प्रहद ने कहा कि गड्ढे भरने का काम एक चल रही प्रक्रिया है। उन्होंने कहा बीबीएमपी यात्रियों के लिए सुरक्षित सड़कें उपलब्ध कराने की पूरी कोशिश कर रही है। बीबीएमपी द्वारा साझा किए गए डेटा के अनुसार, गड्ढों की रिपोर्ट

करने के लिए समर्पित ऐप पर दर्ज शिकायतों के आधार पर पहचाने गए 9,796 गड्ढों में से 5,828 को भर दिया गया है। लगभग 2,522 रिपोर्टें दोहराई गई शिकायतों के कारण खारिज कर दी गईं और क्योंकि इनमें से कई गड्ढे ऐसी सड़कों पर हैं जो अभी भी दोष दायित्व अवधि के अंतर्गत आती हैं। ठेकेदारों को उन्हें ठीक करने के लिए कहा गया है। बुधवार तक, 729 नए गड्ढों की सूचना दी गई और 519 को भरने के लिए नए कार्य आदेश जारी किए गए। हालांकि, बन्नेरघट्टा रोड, आउटर रिंग रोड, विल्सन गार्डन, कम्मनहल्ली, सरजापुर रोड, व्हाइटफील्ड, उत्तरहल्ली, जे.पी. नगर और शहर के अन्य इलाकों में बड़े-बड़े गड्ढे हैं, जिससे रोजमर्रा की यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है। सड़कों को सफेद करने का काम चल रहा है, जिससे यात्रियों की परेशानी और बढ़ गई है, क्योंकि कुछ सड़कें बंद हैं और यातायात को डायवर्ट किया गया है। पुनीत राजकुमार रोड (ओआरआर) पर रोजाना आने-जाने वाले आईटी कर्मचारी सुरेश ने बताया कि अक्टूबर से ही सड़क की हालत खराब है। उन्होंने कहा गड्ढों के कारण वाहनों की आवाजाही धीमी हो गई है, जिससे यात्रा का समय बढ़ गया है। अक्टूबर और नवंबर के बीच बीबीएमपी ने कुछ गड्ढे भरे थे, लेकिन हाल ही में हुई बारिश के बाद वे फिर से उभर आए हैं। विल्सन गार्डन में पीजी आवास में रहने वाली सौम्या रेड्डी ने कहा कि सब-आर्टेरियल रोड और होसुर रोड को जोड़ने वाले जंक्शन पर दो बड़े गड्ढे हैं।

दो मोटरसाइकिलों को गिरते देखा

मैंने इन गड्ढों के कारण संतुलन खोने के बाद दो मोटरसाइकिलों को गिरते देखा है। मैं अब इस मार्ग से बच रही हूँ क्योंकि यह दोपहिया वाहनों के लिए असुरक्षित है। निवासियों ने रास्ते गुंडी गमना ऐप के माध्यम से बीबीएमपी से शिकायत की है, लेकिन समस्या को ठीक करने के लिए कोई कार्रवाई शुरू नहीं की गई है। जेपी नगर के सुदर्शन यादव ने कहा कि दक्षिण बेंगलूरु की कई सड़कें अलग नहीं हैं। पहले, कम से कम दक्षिण बेंगलूरु में बेहतर सड़कें थीं, लेकिन अब वे भी खराब स्थिति में हैं। बीबीएमपी ने जेपी नगर तीसरे चरण में दो बार गड्ढे भरे, लेकिन अब उनकी स्थिति फिर से वैसी ही हो गई है। गड्ढे फिर से उसी स्थान पर दिखाई देने लगे हैं। डामरीकरण की खराब गुणवत्ता इसके लिए जिम्मेदार है।

सेना प्रमुख ने किया एक्सप्लोडर का उद्घाटन

अब दूर से नष्ट किए जा सकेंगे विस्फोटक उपकरण

नई दिल्ली, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।
भारतीय सेना की वार्षिक नवाचार प्रतियोगिता इनोयोधा में सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने गुरुवार को एक नए और महत्वपूर्ण उपकरण का शुभारंभ किया। इस उपकरण का नाम एक्सप्लोडर है। यह दूर से ही आईईडी विस्फोटक को नष्ट करने वाला वाहन है। इस विशेष वाहन को सेना के मेजर राजप्रसाद आरएस ने तैयार किया है। सेना ने यह जानकारी दी।

एक्सप्लोडर का मुख्य मकसद आईईडी से सेना के जवानों की सुरक्षा को बढ़ाना है। इस वाहन को दूर से चलाया जा सकता है, जिससे जवान बिना किसी खतरे के इन विस्फोटक उपकरणों को नष्ट कर सकते हैं। मेजर राजप्रसाद पहले भी दो अन्य तकनीकी नवाचार विजयुत रक्षक और अग्निशस्त्र विकसित कर चुके हैं, जिन्हें पहले ही

सेना में शामिल किया जा चुका है। जनरल द्विवेदी ने इस नए उपकरण की सराहना करते हुए कहा कि यह भारतीय सेना की ताकत को और मजबूत करेगा और जवानों को नई चुनौतियों से निपटने में मदद करेगा।

वहीं, गार्डन रीच शिप बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) ने जलदूत को आज विशाखापत्तनम के नेवल साइंस एंड टेक्नोलॉजिकल लेबोरेटरी (एनएसटीएल) को औपचारिक रूप से सौंप दिया। यह बिना चालक के सतह पर चलने वाला जहाज है। इसे पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक से विकसित किया गया है।

इसका मकसद समुद्री निगरानी और रक्षा कार्यों में मदद करना है। यह जलदूत बिना किसी मानव चालक के काम करता है और स्वचालित रूप से समुद्र में अपनी तय दिशा पर चलता है।

सुदर्शन चक्र कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल प्रीत पाल सिंह ने पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में सूक्ष्म दृष्टि अग्नि प्रहार युद्ध अभ्यास का निरीक्षण किया। यह अभ्यास अग्निबाज डिवीजन की ओर से किया गया था और इसमें तोपों की सटीकता को दिखाया गया। सैनिकों ने अपनी युद्ध रणनीतियों और प्रक्रियाओं को बेहतर प्रदर्शन दिखाया। अभ्यास में खुफिया जानकारी, निगरानी, जासूसी और लक्ष्यों को तबाह करने की क्षमता का प्रदर्शन किया गया।

देश में खुलेंगे 85 केंद्रीय और 28 नवोदय विद्यालय

कैबिनेट बैठक में केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।
केंद्र सरकार ने कैबिनेट बैठक में शुक्रवार को कई अहम फैसले लिए हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि नई शिक्षा नीति को लागू करने के लिए पीएम श्री योजना लाई गई है। सभी केंद्रीय विद्यालयों और नवोदय विद्यालयों को पीएम श्री स्कूलों के रूप में नामित किया गया है। ताकि उन्हें मॉडल बनाया जा सके। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि देश में 85 केंद्रीय और 28 नए नवोदय विद्यालय खोले जाएंगे। ये विद्यालय उन जिलों खोले जाएंगे जिनको नवोदय विद्यालय योजना के तहत कवर नहीं किया गया है। इसके अलावा बैठक में हरियाणा से कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए दिल्ली मेट्रो के 26.46 किलोमीटर लंबे रिठाला-कुंडली कॉरिडोर को मंजूरी दी गई।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि नई शिक्षा नीति को लागू करने के लिए पीएम श्री लाया गया। सभी केंद्रीय विद्यालयों और

नवोदय विद्यालयों को पीएम श्री स्कूलों के रूप में नामित किया गया है। ताकि उन्हें मॉडल बनाया जा सके।

उन्होंने कहा कि नए केंद्रीय विद्यालय खुलने से देश भर में 82 हजार से अधिक छात्रों को सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। मौजूदा समय में 1256 कार्यात्मक केंद्रीय विद्यालय हैं। इनमें तीन विदेश में हैं। इनमें मॉस्को, काठमांडू और तेहरान शामिल हैं। 13.56 लाख छात्र इन स्कूलों में पढ़ रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2014 से पहले 248 किमी लंबी मेट्रो का काम देश में हुआ था। जबकि 2014 से 2024 तक 745 किमी मेट्रो का काम हुआ है। मौजूदा समय में एक हजार किमी मेट्रो का काम चल रहा है। दिल्ली में चार फेज में काम करने की योजना है। तीन फेज में 296 किमी में काम हो चुका है। चौथे फेज में छह कॉरिडोर बनाए जाएंगे। इसमें पांच कॉरिडोर पहले ही स्वीकृत हो चुके हैं। अब कैबिनेट ने छठवें कॉरिडोर को मंजूरी दी है। चौथे चरण में छठवां कॉरिडोर में 26.462 किमी लंबा होगा। इसमें 21 स्टेशन होंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि छठवें कॉरिडोर से दिल्ली-हरियाणा की कनेक्टिविटी बढ़ेगी। यह कॉरिडोर रिठाला से शुरू होकर नरेला-कुंडली तक जाएगा। इससे लोगों को काफी राहत मिलेगी।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले के आरोपी को मौत की सजा

कोलकाता, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।
पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में 10 साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या मामले में बरुईपुर की पॉक्सो अदालत ने आरोपी को मौत की सजा सुनाई है। अदालत ने महज 62 दिन में यह फैसला सुनाया। अदालत के फैसले की पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सराहना की है।

सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि चार अक्टूबर को जयनगर में नाबालिग के साथ हुए क्रूर बलात्कार और हत्या के मामले में आरोपी को बरुईपुर की पॉक्सो अदालत ने 62 दिनों के भीतर ही मौत की सजा सुनाई है। ऐसे मामले में मात्र दो महीने के भीतर दोषसिद्धि और मृत्युदंड राज्य के इतिहास में अभूतपूर्व है। मैं इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए राज्य पुलिस और अभियोजन प्रक्रिया में शामिल सभी लोगों को बधाई देती हूं। सरकार महिलाओं के खिलाफ अपराधों के प्रति शून्य सहिष्णुता रखती है और यह सुनिश्चित करना जारी रखेगी कि न्याय में न तो देरी हो और न ही न्याय से वंचित किया जाए।

दक्षिण 24 परगना जिले में 10 साल की बच्ची की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी। चार अक्टूबर को कक्षा चार की छात्रा ट्यूशन पढ़ने गई थी। जब बच्ची रात आठ बजे तक घर नहीं लौटी तो परिवार ने सब जगह तलाश की। बच्ची का जब कुछ पता नहीं लगा तो पुलिस को शिकायत दी गई। बाद में उसका शव नहर से मिला था। कथित तौर पर बच्ची का दुष्कर्म करने के बाद उसकी हत्या कर दी गई थी। मामले में पुलिस ने आरोपी मुस्तकीम सरदार को गिरफ्तार किया था।

बरुईपुर एसपी ने कहा कि पीड़िता की एक दोस्त ने पुलिस को बताया कि उसने आरोपी और पीड़िता को साइकिल पर देखा था। पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की तो उसने अपराध कबूल कर लिया। मुस्तकीम सरदार नाम का आरोपी कुछ समय से पीड़िता से दोस्ती करने की कोशिश कर रहा था और अपराध के दिन उसने उसे आइसक्रीम खिलाने के बाद अगवा कर लिया। इस वारदात के बाद इलाके में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। स्थानीय लोगों ने एक पुलिस चौकी में आग लगा दी थी और वहां खड़े वाहनों में तोड़फोड़ की थी। घटना के बाद बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पुलिस को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि अपराधी को तीन महीने के भीतर मृत्युदंड मिले। अपराध का कोई धर्म या जाति नहीं होती। अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

जम्मू कश्मीर की सर्दियों में आतंकवाद से निपटने की कवायद तेज

जम्मू, 06 दिसंबर (ब्यूरो)।
जम्मू कश्मीर में अब सर्दियों में आतंकवाद और आतंकियों से निपटने की कवायद तेज हो गई है। दरअसल पिछले कुछ दिनों से प्रदेश के पहाड़ी इलाकों में आतंकियों की काफी हलचल होने की खबरें आ रही हैं। इन खबरों के अनुसार, आतंकी एक से दूसरे जिलों में भी मूव कर रहे हैं। खासकर उन जिलों में जहां सुरक्षाबलों की तैनाती उतनी संख्या में नहीं हो पाई है।

अधिकारियों ने बताया कि डोडा, किश्तवाड़, राजौरी, पुंछ, उधमपुर और रियासी जिलों के पहाड़ी इलाकों में छिपे आतंकवादियों से निपटने के लिए जेकेपी और एसओजी के साथ कई सुरक्षा एजेंसियों द्वारा एक व्यापक रणनीति तैयार की गई है, हालांकि वे एक जिले से दूसरे जिले में आते-जाते रहते हैं और कठुआ जिले की पहाड़ियों में भी उनकी मौजूदगी देखी गई है। इसके लिए जम्मू कश्मीर पुलिस (जेकेपी) समेत सभी सुरक्षा एजेंसियों ने सर्दियों के दौरान आतंकवादियों को बेअसर करने के लिए खुद को तैयार कर लिया है, जब माना जाता है कि वे पहाड़ जहां वे छिपे हुए हैं, बर्फ से ढके होंगे और वे जम्मू क्षेत्र के मैदानी इलाकों में आ सकते हैं।

अधिकारियों का कहना था कि इस साल रियासी में सुरक्षा बलों और तीर्थयात्रियों की बस को निशाना बनाकर

कई हमले करने वाले आतंकवादियों को बेअसर करने के लिए एक रणनीति बनाई जा रही है। ऑपरेशन के दौरान कई आतंकवादियों को मार गिराया गया है। इस उद्देश्य के लिए कई सुरक्षा एजेंसियां कड़ी मेहनत कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सर्दियां बहुत महत्वपूर्ण होने वाली हैं। जम्मू क्षेत्र के पहाड़ों में छिपे आतंकियों की संख्या का अंदाजा लगाना मुश्किल है, लेकिन रिपोर्ट्स से पता चला है कि वे तीन से चार के समूह में हैं और अलग-अलग ठिकानों पर छिपे हुए हैं। ये ठिकाने या तो प्राकृतिक गुफाएं हो सकती हैं या फिर कुछ खाली पड़े ढोक।

सेना, अर्धसैनिक बलों, जेकेपी और एसओजी के अतिरिक्त जवानों को पहले ही तैनात किया जा चुका है। सभी संवेदनशील इलाकों में नए शिविर, चौकियां व पिकेट बनाए गए हैं, जहां से आतंकियों पर कड़ी निगरानी रखी जा सकेगी। सुरक्षा बलों को आशंका है कि 15 दिसंबर से फरवरी के अंत तक भारी बर्फबारी के कारण पहाड़ी इलाकों से आतंकी मैदानी इलाकों में आ जाएंगे और उन्हें ट्रैक करना और खत्म करना तुलनात्मक रूप से आसान होगा।

हालांकि, अधिकारियों ने माना कि दिसंबर के मध्य से फरवरी के अंत तक पीर पंजाल और आसपास की पहाड़ियों में अत्यधिक खराब मौसम की स्थिति में आतंकियों के लिए पहाड़ों में जीवित रहना संभव नहीं होगा और उन्हें मजबूरन मैदानी इलाकों में आना पड़ेगा। बताया जा रहा है कि आतंकी अधिकतर पाकिस्तानी हैं और सीमा पार से घुसपैठ कर कठुआ, उधमपुर, किश्तवाड़, डोडा, राजौरी, पुंछ और रियासी जिलों के पहाड़ी इलाकों में पहुंचने के लिए पहाड़ों पर चढ़ाई करते हैं। उन्हें राशन और अन्य आवश्यक वस्तुएं प्रदान करके जीवित रहने के लिए ओवर ग्राउंड वर्कर्स द्वारा सहायता प्रदान की जा रही है।

हाल ही में, जम्मू पुलिस ने आतंकवादियों के समर्थन आधार तंत्र को ध्वस्त करने के लिए लगभग पूरे क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई शुरू की, जिसके दौरान कई लोगों को हिरासत में लिया गया और उनमें से दो महिलाओं सहित कुछ पर सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, आतंकवादी स्थानीय समर्थन के बिना जीवित नहीं रह सकते क्योंकि वे भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुओं के लिए ओजीडब्लू पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि एक बार यह सहायता प्रणाली ध्वस्त हो जाने पर आतंकवादी अपंग हो जाएंगे। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने हाल ही में पाकिस्तानी रेंजर्स की सहायता से आतंकवादियों द्वारा घुसपैठ के प्रयासों को विफल करने के लिए क्षेत्र के जम्मू, सांबा और कठुआ जिलों में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर दो अतिरिक्त बटालियनों को तैनात किया था क्योंकि पहले ऐसी खबरें थीं कि आतंकवादी कठुआ और उधमपुर और फिर किश्तवाड़ और डोडा जिलों में घुसपैठ के लिए इस मार्ग का उपयोग कर रहे थे।

गुजरात में 14 फर्जी डॉक्टर गिरफ्तार

अहमदाबाद, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।
गुजरात के सूरत में सक्रिय एक गिरोह का भंडाफोड़ किया गया है। उनके पास से करीब 1,200 फर्जी डिग्रियों का डेटाबेस मिला है। गिरोह के लोग आठवीं कक्षा पास करने वालों को भी मेडिकल की डिग्री देते थे। इसके एवज में वे हर व्यक्ति से 70 हजार रुपए लेते थे। गुजरात पुलिस ने गिरोह से डिग्री खरीदने वाले 14 फर्जी डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी डॉ. रमेश गुजराती को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी बोर्ड ऑफ इलेक्ट्रो होम्योपैथिक मेडिसिन गुजरात या बीईएचएम की ओर से जारी की गई डिग्रियां दे रहे थे। पुलिस को उनके पास से सैकड़ों आवेदन, प्रमाण पत्र और टिकट मिले हैं।

पहाड़ों पर बर्फबारी के बावजूद जम्मू कश्मीर में 72% बारिश की कमी

जम्मू, 06 दिसंबर (ब्यूरो)।
पिछले दो सप्ताह से ऊंचाई वाले इलाकों में लगातार बर्फबारी के बावजूद जम्मू कश्मीर में बारिश की कमी जारी है। स्थानीय मौसम विभाग के अनुसार, 1 अक्टूबर से 4 दिसंबर तक बारिश की कमी 72 प्रतिशत तक हो गई है।

उपलब्ध विवरण के अनुसार, मौसम विभाग द्वारा तैयार किए गए आंकड़ों से पता चला है कि 70.5 मिमी की सामान्य वर्षा के मुकाबले, जम्मू-कश्मीर में पिछले दो महीनों की अवधि के दौरान केवल 19.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। आंकड़े कहते हैं कि इस अवधि के दौरान जम्मू-कश्मीर के अधिकांश स्टेशनों पर 60 प्रतिशत से 99 प्रतिशत के बीच कम वर्षा दर्ज की गई है। बारिश की कमी से जूझ रहे इलाकों की भी अजीब दास्तान है। जम्मू कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में जहां 82 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई है, वहीं दक्षिण कश्मीर के शोपियां में पिछले दो महीनों के दौरान सबसे अधिक 96 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

आंकड़े बताते हैं कि जम्मू संभाग का सांबा एकमात्र ऐसा जिला है जहां सामान्य से अधिक वर्षा दर्ज की गई है, जबकि सामान्य वर्षा 18.1 मिमी है, यहां 47 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जो इस अवधि के दौरान 160 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। कुलगाम, बडगाम और पुंछ में 90 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की गई है, जबकि अनंतनाग, किश्तवाड़, पुलवामा और उधमपुर में 80 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की गई है। आंकड़ों के अनुसार, बारामुल्ला, गंदरबल और रामबन में 70 प्रतिशत से अधिक की कमी दर्ज की गई है।

भारतीय नौसेना में शामिल होने को तैयार है आईएनएस तुशिल

मुंबई, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।
भारतीय नौसेना नौ दिसंबर को रूस के लेनिनग्राद में अपने नवीनतम मल्टी रोल स्टील्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेड, आईएनएस तुशिल को चालू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। मुख्य अतिथि के तौर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस समारोह की अध्यक्षता करेंगे। इस समारोह में उच्च स्तरीय भारतीय-रूसी सरकारी और रक्षा अधिकारी मौजूद रहेंगे।

आईएनएस तुशिल प्रोजेक्ट 1135.6 का एक उन्नत क्रिवाक-3 श्रेणी का युद्धपोत है। इनमें से छह पहले से ही सेवा में हैं, जिसमें तीन तलवार श्रेणी के जहाज, बाल्टिस्की शिपयार्ड, सेंट पीटर्सबर्ग में निर्मित और तीन तीन

फॉलो-ऑन तेग श्रेणी के जहाज, यंतर शिपयार्ड, कलिनिनग्राद में निर्मित हैं। आईएनएस तुशिल इस श्रृंखला में सातवां और दो उन्नत अतिरिक्त फॉलो-ऑन जहाजों में से पहला है। इसके लिए अक्टूबर 2016 में जेएससी रोसोबोरो-नेक्सपोर्ट, भारतीय नौसेना और भारत सरकार के बीच अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे।

इस युद्धपोत की लंबाई 409.5 फीट, बीम 49.10 फीट और ड्रॉट 13.9 फीट है। यह समुद्र में 59 किमी प्रति घंटे के रफ्तार से चल सकता है। यह समुद्र में 18 अधिकारियों समेत 180 सैनिकों को लेकर 30 दिनों तक रह सकता है। आईएनएस तुशिल इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम से लैस हैं। इसमें 4 केटी-216 डिकॉय लॉन्चर्स लगे हैं। इसमें एक 100 मिलिमीटर की ए-190ई नेवल गन भी लगी है। इसके अलावा इसमें एक 76 मिमी की ओटो मेलारा नेवल गन और 2 एके-630 सीआईडब्ल्यूएस और 2 काश्तान सीआईडब्ल्यूएस गन लगी हैं। इन खतरनाक बंदूकों के अलावा इस युद्धपोत में दो 533 मिलिमीटर की टॉरपीडो ट्यूब्स भी लगे हैं। इसमें एक रॉकेट लॉन्चर भी तैनात किया गया है। इसके अतिरिक्त इस जहाज पर एक कामोव-28 या एक कामोव-31 या ध्रुव हेलिकॉप्टर लैस हो सकता है।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सीएम योगी आदित्यनाथ काशी पहुंचे

विश्वनाथ धाम में 11 एलईडी स्क्रीन का अनावरण हुआ

भक्तों को दिखेगी बाबा की लाइव आरती

वाराणसी, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार की शाम वाराणसी पहुंचे और सर्किट हाउस में अफसरों, जनप्रतिनिधियों के साथ विकास और कानून व्यवस्था पर बैठक की। सीएम योगी यहां से बाबा काल भैरव के दर्शन करने पहुंचे और फिर बाबा काशी विश्वनाथ पहुंचकर यहां पूजन किया। सीएम योगी ने बाबा विश्वनाथ धाम में लगवाई गईं 11 एलईडी स्क्रीन

का अनावरण किया। अब भक्त लॉकर रूम, प्रसाद काउंटर, हेल्पलाइन नंबर मुख्य गेट के बाहर भी बाबा के पूजन और दर्शन कर सकेंगे।

सात दिसंबर को स्वर्वेद महामंदिर शताब्दी समारोह में हिस्सा लेने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार की शाम शहर पहुंच गए। सर्किट हाउस में अफसरों के विकास कार्यों, कानून व्यवस्था और महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर बैठक की। सीएम ने निर्माणाधीन सड़क, कज्जाकपुरा ओवरब्रिज समेत गोदौलिया रोपवे स्टेशन की प्रगति रिपोर्ट की भी जानकारी ली।

महाकुंभ को लेकर काशी में होने वाली तैयारियों की समीक्षा की। इसके बाद दर्शन-पूजन के लिए रवाना हो गए। काशी विश्वनाथ में दर्शन से पहले मुख्यमंत्री ने 11 एलईडी स्क्रीन का अनावरण किया। इस मौके पर इस मौके पर एक्सिस बैंक की अध्यक्ष अर्निका दीक्षित, एक्सिस बैंक के मुख्य विपणन अधिकारी अनूप मनोहर, एक्सिस बैंक के क्षेत्रीय शाखा बैंकिंग प्रमुख (नार्थ) श्रीकेश पी, कमिश्नर कौशल राज शर्मा, काशी विश्वनाथ मंदिर मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा समेत अन्य मौजूद रहे।

इसके बाद वह आजमगढ़ मार्ग के चौड़ीकरण का निरीक्षण करने के लिए रवाना हो गए। मुख्यमंत्री सात दिसंबर को स्वर्वेद महामंदिर शताब्दी समारोह में बतौर मुख्य अतिथि हिस्सा लेंगे। इसके बाद पिंडरा में होने वाले मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होकर नए जोड़ों को आशीर्वाद देंगे।

कांग्रेस की प्रदेश सहित सभी जिला शहर व ब्लॉक इकाइयां भंग

लखनऊ, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

कांग्रेस की उत्तर प्रदेश कमेटी, सभी जिला, शहर और ब्लॉक कमेटी को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कमेटी भंग करने का आदेश जारी किया। अब विधानसभा चुनाव के मद्देनजर प्रदेशभर में सभी कमेटियां नए सिरे से गठित की जाएंगी।

लोकसभा चुनाव के बाद प्रदेश में नए सिरे से संगठन के विस्तार की रणनीति बनी थी । प्रदेश कार्यकारिणी और जिला कार्यकारिणी के विस्तारीकरण की योजना बनी। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कई जिलों का दौरा भी किया। इस बीच कांग्रेस केंद्रीय कमेटी की बैठक हुई, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सभी राज्यों में प्रदेश से लेकर ब्लॉक स्तर पर पुनर्गठन का निर्देश दिया। ऐसे में उत्तर प्रदेश में इसकी

शुरुआत हो गई है।

अब यहां सभी कमेटियां को नए सिरे से गठन किया जाएगा। प्रदेश में लगाए गए सभी छह राष्ट्रीय सचिव, प्रदेश अध्यक्ष जिलेवार दौरा करेंगे। जिलों के सक्रिय नेताओं को चिन्हित कर उन्हें जिम्मेदारी सौंपेंगे। प्रदेश से लेकर ब्लॉक स्तर की कमेटी को विधानसभा चुनाव के लिए तैयार किया जाएगा। मालूम हो कि अजय राय 17 अगस्त 2023 को प्रदेश अध्यक्ष बने थे और 25 नवंबर को प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा की थी।

यूपी कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी में 16 उपाध्यक्ष, 38 महासचिव और 76 सचिव बनाए गए थे। करीब 67 फीसदी पदाधिकारियों की उम्र 50 साल से कम थे। उदयपुर चिंतन शिविर में की कई घोषणाओं को लागू कर करीब 68 प्रतिशत से ज्यादा भागीदारी पिछड़े और दलितों एवं अल्पसंख्यकों को दी गई थी। प्रदेश कार्यकारिणी में 23 दलित, 22 मुसलमान और 44 ओबीसी वर्ग के नेताओं को शामिल किया गया था। सामान्य वर्ग में 12 ठाकुर, 16 ब्राह्मण, तीन भूमिहार सहित 41 लोगों को जगह मिली थी।

अनाथ दलित किशोर को जबरन बनाया मुस्लिम

जबरदस्ती खतना कराया और नाम रख दिया नूर मोहम्मद

बाराबंकी, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

बाराबंकी में 15 वर्षीय दलित किशोर का जबरन धर्म परिवर्तन कर उसे मुस्लिम बनाने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने किशोर की मजबूरी और अनाथ होने का फायदा उठाकर इस घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर दो आरोपियों मुर्शिद और रियासत अली को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि रेस्टोरेंट का मालिक अभी फरार है।

मूल रूप से आजमगढ़ के रहने वाले किशोर को मुर्शिद और उसके अब्बू रियासत अली बाराबंकी लेकर आए। उन्होंने उसे नौकरी देने का वादा किया और अपने साथ रखकर बाराबंकी के अफ्रीका रेस्टोरेंट में काम पर लगवा दिया। रेस्टोरेंट के मालिक ने जब जाना कि लड़का अनाथ है, तो जबरन उसका ऑपरेशन (खतना) करवाकर उसका नाम नूर मोहम्मद कर दिया। घटना का खुलासा तब हुआ जब बजरंग दल के जिला संयोजक विनय सिंह राजपूत को इसकी जानकारी मिली। विनय सिंह ने किशोर से रेस्टोरेंट में बातचीत की और धर्म परिवर्तन की पुष्टि होने पर पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने मुर्शिद, रियासत अली और रेस्टोरेंट मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की।

पीड़ित किशोर ने बताया कि वह मूलरूप से आजमगढ़ के अतरौलिया का रहने वाला है। उसके पिता ने मां को छोड़कर मुस्लिम महिला से विवाह कर लिया था। उसके पिता की हत्या हो गई और सौतेली मां ने सारी सम्पत्ति हड़प कर उसे भगा दिया। आजमगढ़ में उसे देवा का रहने वाला कबाड़ का काम करने वाला मुर्शिद मिला, जिसने कई साल तक अपने साथ रखा फिर उसे देवा स्थित घर ले आया। बाद में उसे रेस्टोरेंट में काम पर लगा दिया गया और जबरन धर्म परिवर्तन कराया। शहर कोतवाल आलोक मणि त्रिपाठी ने बताया कि यह मामला हिंदू किशोर के जबरन खतना और धर्मांतरण का है। बजरंग दल की शिकायत पर धर्मांतरण अधिनियम और एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब फरार आरोपितों की तलाश में है और मामले की गहराई से जांच कर रही है। श्रम विभाग ने भी बाल श्रम अधिनियम के तहत जांच शुरू कर दी है।

उदय प्रताप कॉलेज से मजार हटाने पर अड़े छात्र

नमाज पढ़ी तो पढ़ेंगे हनुमान चालीसा

वाराणसी, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

वाराणसी के उदय प्रताप कॉलेज परिसर में मजार और मस्जिद को हटाने की मांग पर छत्र अड़े हैं। शुक्रवार को फिर दर्जनों छात्र नारेबाजी करते हुए कॉलेज के गेट पर पहुंच गए। परिसर में छात्रों को जाने से रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेड लगाकर उन्हें गेट से किसी तरह हटाया। इस दौरान छात्रों ने भगवा ध्वज लहराकर जयश्री राम का उद्घोष भी किया। प्रदर्शन की वजह से शुक्रवार को नमाज नहीं हुई। उधर वक्फ बोर्ड ने भी कहा कि उदय

प्रताप कॉलेज परिसर में बनी मस्जिद पर उसका दावा नहीं है। उसने अपना दावा वर्ष 2021 में वापस ले लिया था।

छात्रों ने कहा कि अगर मजार पर नमाज पढ़ी गई तो हम लोग भी सामूहिक हनुमान चालीसा पढ़ेंगे। छात्रों के उग्र प्रदर्शन की जानकारी पाते ही मौके पर अफसर भी पहुंच गए। जुमे की नमाज को देखते हुए कॉलेज परिसर में सुबह से ही पुलिस बल तैनात की गई है। अफसर असामाजिक तत्वों के साथ सोशल मीडिया की भी निगरानी कर रहे हैं। पुलिस ने सभी कॉलेज के सभी प्रवेश गेट की निगरानी कर यह सुनिश्चित किया कि शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं के अलावा उदय प्रताप कॉलेज परिसर में कोई बाहरी प्रवेश न करें। इसके अलावा शुक्रवार की नमाज को लेकर भी पुलिस के स्तर से अतिरिक्त सतर्कता बरती गई। उधर, कॉलेज परिसर स्थित मजार और मस्जिद में नमाज के नाम पर विवादित बयानबाजी कर कुछ लोग सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। कालेज के प्राचार्य प्रो. धर्मेंद्र कुमार सिंह ने शिवपुर थाने में उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। प्राचार्य ने इसका यू-ट्यूब लिंक भी पुलिस को उपलब्ध कराया है। पुलिस साइबर सेल की मदद से मामले की जांच कर रही है।

10 फीट तक सोने से मढ़ा होगा राम मंदिर का शिखर

15 मार्च तक निर्माण पूरा करने की तैयारी

अयोध्या, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक के दूसरे दिन नृपेंद्र मिश्र ने शुक्रवार को निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्यों की प्रगति संतोषजनक है। मजदूरों की संख्या बढ़ी है लेकिन अपेक्षाकृत अभी भी मजदूरों की कमी

है। उन्होंने कहा कि पहली प्राथमिकता मंदिर निर्माण पूरा करना है, जो 15 मार्च तक पूरा हो जाएगा। उसी के साथ सप्त मंदिरों का भी काम पूरा किया जा रहा है। प्रयास है कि मार्च तक परकोटे का तीन चौथाई काम पूरा हो जाए।

उन्होंने बताया कि लोअर प्लिंथ में 500 फीट लंबाई में आर्ट वर्क पूरा हो गया है। पत्थरों पर रामकथा के प्रसंग उकेरे जा रहे हैं। तीर्थयात्री सुविधा केंद्र, फायर स्टेशन और वाटर प्लांट आदि जो परियोजना है। कोशिश है कि उसे जनवरी तक ट्रस्ट को हैंडओवर कर दिया जाए। राम मंदिर का शिखर 10 फीट तक शीर्ष पर सोने से मंडित होगा।

डॉ. अंबेडकर परिनिर्वाण दिवस पर मायावती ने दी श्रद्धांजलि

सरकारों के दिल में कुछ और, जुबान पर कुछ और

लखनऊ, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

राजधानी लखनऊ में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शुक्रवार को डॉ भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित किया। इसके बाद कार्यकर्ताओं के नाम संदेश जारी किया। इसमें कहा कि भाजपा और कांग्रेस संविधान के आदर्शों पर चलकर बहुजनों के हित में कार्य नहीं कर रही हैं। उनके दिल में कुछ तथा जुबान पर कुछ और है।

बसपा सुप्रीमो ने कहा कि लोगों ने कांग्रेस और भाजपा आदि का करीब 75 वर्षों का राजकाज देख लिया है। फिर भी आत्मसम्मान व स्वाभिमान के साथ जीवन जीने और सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक उन्नति का बहुजनों का सपना अधूरा है। ये पार्टियां तथा अफसरशाही साम, दाम, दंड, भेद आदि हथकंडे अपनाकर और षडयंत्र कर बसपा और उसके मूवमेंट को कमजोर करने में लगे रहते हैं, जिससे सजग रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि देश के किसान फसल का लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने की मांग को लेकर आंदोलनरत हैं, लेकिन सरकार इनके प्रति उदासीन है।

उन्होंने कहा कि आरएसएस एंड कंपनी के लोग देश व राज्यों में राजनीतिक सत्ता पर कब्जा करके संविधान को सही से लागू नहीं होने देने के लिए भाजपा का हर प्रकार से सहयोग करने को तत्पर रहते हैं। ज्वलंत मुद्दों व जनसमस्याओं की अनदेखी करते हैं। लोगों को अधिक बच्चे पैदा करके परिवार बढ़ाने की इनकी सलाह वास्तव में भाजपा के केंद्र व राज्य सरकारों की विफलताओं पर पर्दा डालने तथा लोगों का ध्यान बंटाने का ताजा प्रयास लगता है।

सड़कों पर उतरे पुलिस प्रशासन के अफसर

धर्मस्थलों से उतरवाए 172 लाउडस्पीकर

बरेली, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

शासन के निर्देश पर बरेली में पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों ने जिले में धर्मस्थलों पर अवैध तरीके से लगे 172 लाउडस्पीकर उतरवाए। गर्ल्स कॉलेजों के आसपास मंडरा रहे बाइकर्स भी पकड़े गए। शुक्रवार को जुमे की नमाज के चलते पुलिस अलर्ट पर रही।

सुबह पांच से आठ बजे तक एडीजी रमित शर्मा, आईजी डॉ. राकेश सिंह, डीएम रविंद्र कुमार, एसएसपी अनुराग आर्य, एसपी सिटी मानुष पारीक समेत अन्य अधिकारी सड़कों पर नजर आए। अधिकारियों ने मार्निंग वॉक पर निकले लोगों से बात भी की।

धार्मिक स्थलों पर अनुमति के बिना लगे लाउडस्पीकरों को उतरवाने के साथ ही मानक से अधिक ध्वनि वाले लाउडस्पीकरों की आवाज भी कम कराई गई। कुल 1768 लाउडस्पीकरों को चेक किया। इनमें से 762 मानक के विपरीत मिले। पुलिस ने 590 लाउडस्पीकरों की ध्वनि कम कराई, जबकि 172 को उतरवा दिया। वाहन चेकिंग भी की गई। गांधी उद्यान तिराहे, चौकी चौराहे पर नंबर प्लेट के बिना 39 वाहनों को सीज किया गया। साथ ही स्टंट कर रहे नौ वाहनों को भी सीज किया गया। 45 वाहन चालकों का चालान किया गया।

एसपी सिटी मानुष पारीक ने रात में पुलिस बल के साथ कोतवाली एवं थाना किला क्षेत्र में प्रमुख चौराहों, तिराहों, मार्केट, मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों व अन्य संवेदनशील स्थानों पर पैदल गश्त की। इस दौरान एसपी सिटी ने शहरवासियों से संवाद किया। भाईचारा, शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने की अपील की।

अब अयोध्या में उठी मस्जिद निर्माण की मांग

मुसलमानों ने कहा सरकार निर्माण करवा कर दे

अयोध्या, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

अयोध्या में छह दिसंबर के दिन मोहल्ला पुरानी सब्जी मंडी में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ नजमुल हसन गनी के आवास पर कुरान ख्वानी की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी को संबोधित एक ज्ञापन दिया गया। मांग उठाई गई कि केंद्र सरकार मस्जिद का निर्माण कराकर मुस्लिम समाज को दे।

ज्ञापन में कहा गया कि राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से अयोध्या में राम मंदिर बन गया है, लेकिन मस्जिद अभी तक नहीं बनी है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में पांच एकड़ जमीन धन्नीपुर में मस्जिद निर्माण के लिए दी है। छह दिसंबर 1992 को जब बाबरी

मस्जिद शहीद हुई थी, तब वह केंद्र सरकार के अधीन थी। इसलिए नैतिकता के आधार पर केंद्र सरकार मस्जिद का निर्माण कराकर मुस्लिम समाज को दे।

ज्ञापन देने वालों में कमर शहजादे, मेराज अहमद अंसारी आदि शामिल रहे। वहीं अयोध्या धाम में टेढ़ी बाजार स्थित मस्जिद में कुरान ख्वानी कर छह दिसंबर के बाद हुए दंगों में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान हाजी महबूब, हाजी असद, आजम खान, अब्दुल हकीम, हाजी लइक सहित अन्य मौजूद रहे।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
शनिवार,07 दिसंबर, 2024
बेंगलूरू

संपादकीय

उपराष्ट्रपति के किसानी सवाल

कृषि मंत्री जी, एक-एक पल आपका भारी है। मेरा आपसे आग्रह है और भारत के संविधान के तहत दूसरे पद पर विराजमान व्यक्ति आपसे अनुरोध कर रहा है कि कृपा कर मुझे बताएं कि क्या किसानों से वायदा किया गया था? वायदा क्यों नहीं निभाया गया? वायदा निभाने के लिए हम क्या कर रहे हैं? गत वर्ष भी आंदोलन था, इस वर्ष भी आंदोलन है। कालचक्र घूम रहा है और हम कुछ नहीं कर पा रहे हैं!'' उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किसानों को लेकर कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से ये सवाल किए हैं। यह पहली बार है कि एक ही सरकार में उपराष्ट्रपति ने कृषि मंत्री से सवाल किए हैं। उपराष्ट्रपति खुद किसान, ग्रामीण पृष्ठभूमि के हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि यदि किसान को उसकी फसल का उचित मूल्य दे दोगे, तो कोई पहाड़ नहीं गिरेगा। उपराष्ट्रपति के ये सवाल इसलिए मौजू हैं, क्योंकि 6 दिसंबर से किसान आंदोलन फिर शुरू हो सकता है। इस बार यह पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उप्र तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक आदि राज्यों से भी किसान मोर्चे आंदोलित होंगे।

भारत के संविधान के तहत दूसरे पद पर विराजमान व्यक्ति आपसे अनुरोध कर रहा है कि कृपा कर मुझे बताएं कि क्या किसानों से वायदा किया गया था? वायदा क्यों नहीं निभाया गया? वायदा निभाने के लिए हम क्या कर रहे हैं? गत वर्ष भी आंदोलन था, इस वर्ष भी आंदोलन है। कालचक्र घूम रहा है और हम कुछ नहीं कर पा रहे हैं!'' उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किसानों को लेकर कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से ये सवाल किए हैं। यह पहली बार है कि एक ही सरकार में उपराष्ट्रपति ने कृषि मंत्री से सवाल किए हैं। उपराष्ट्रपति खुद किसान, ग्रामीण पृष्ठभूमि के हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि यदि किसान को उसकी फसल का उचित मूल्य दे दोगे, तो कोई पहाड़ नहीं गिरेगा। उपराष्ट्रपति के ये सवाल इसलिए मौजू हैं, क्योंकि 6 दिसंबर से किसान आंदोलन फिर शुरू हो सकता है। इस बार यह पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उप्र तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक आदि राज्यों से भी किसान मोर्चे आंदोलित होंगे।

उपराष्ट्रपति का सवाल है कि देश का किसान लगातार परेशान, पीड़ित और आंदोलित क्यों है? जो किसान घर बैठे हैं, वे भी आंदोलित और चिंतित हैं, लिहाजा आंदोलन की संख्या वही न गिनी जाए, तो किसान सडक़ पर उतरेंगे। हालांकि उपराष्ट्रपति धनखड़ ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी पर कुछ नहीं कहा और इस संबंध में गठित समिति पर भी सवाल नहीं किया, लेकिन उपराष्ट्रपति के रूप में किसानों को एक ताकतवर, सशक्त पैरोकार मिला है। शिवराज भी जून, 2024 में ही कृषि मंत्री बने हैं। जो भी वायदे किए गए होंगे, वे नरेंद्र तोमर और अर्जुन मुंडा के कृषि मंत्री काल के होंगे! बहरहाल भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि का 17 फीसदी से अधिक का योगदान है और देश के कार्यबल में करीब 47 फीसदी कृषि और किसान का योगदान है। देश की करीब दो-तिहाई आबादी कृषि के भरोसे है, लेकिन आज भी किसान की औसत आय 16,928 रुपए माहवार है। किसान की आय से अधिक खर्च बढ़े हैं और प्रति किसान 91,000 रुपए से अधिक का कर्ज है। सवाल यह भी है कि उपराष्ट्रपति किसानों के पक्ष में सार्वजनिक रूप से क्यों बोले? और एक ही मंच पर कृषि मंत्री से सवाल क्यों किए गए? किसान संबंधी योजनाओं और नीतियों की अकेली जिम्मेदारी कृषि मंत्री पर ही नहीं है। यदि कृषि-भूमि का मुआवजा 2014 के बाद 4 गुना नहीं मिल पा रहा है, यदि एमएसपी की कानूनी गारंटी तय नहीं की गई है, तो ऐसी तमाम समस्याओं के समाधान का दायित्व केंद्रीय कैबिनेट पर है। खासकर प्रधानमंत्री मोदी की जिम्मेदारी है, क्योंकि ऐसे नीतिगत फैसले प्रधानमंत्री के स्तर पर ही सोचे जाते हैं और फिर कैबिनेट में औपचारिक तौर पर पारित किए जाते हैं। यदि एक बार फिर राजधानी दिल्ली या उसके आसपास के क्षेत्रों में किसान लामबंद होकर आंदोलन छेड़ते हैं, तो चौतरफा जन-व्यवस्था अराजक हो जाएगी। जब पिछला किसान आंदोलन समाप्त कराया गया था, तो खुद प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें आश्वस्त किया था। एक समिति गठित की गई थी, जिसकी अध्यक्षता पूर्व कृषि सचिव संजय अग्रवाल को सौंपी गई थी। उन्हें तीन कथित काले कृषि कानूनों का प्रारूपकार माना जाता रहा है। उस समिति की बीते दो साल से अधिक अवधि के दौरान करीब 100 बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन समिति की रपट आज तक सार्वजनिक नहीं की गई है। कृषि विशेषज्ञों का एक तबका मानता है कि एमएसपी की कानूनी गारंटी कोई समाधान नहीं है। सिर्फ खुला बाजार देने से ही किसान के हालात बदल सकते हैं, लेकिन आंदोलित किसानों की सबसे अहम मांग यही है कि एमएसपी की कानूनी गारंटी दी जाए। किसान इस बार आर-पार के आंदोलन के मूड में हैं, लेकिन सरकार की तरफ से कोई सकारात्मक संकेत अभी तक नहीं आया है।

अकाली दल की सरकार के समय पंजाब में श्री गुरु ग्रन्थ साहिब जी की बेअदबी की कुछ घटनाएं हैं

सुखबीर बादल पर हमले के तार और सियासत

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

सुखबीर बादल के साथ अकाली दल से ताल्लुक रखने वाले कुछ अन्य लोगों को भी विभिन्न प्रकार की सजाएं दी गईं। मसलन स्वर्ण मंदिर में चल रहे लंगर में बर्तन साफ करना, शौचालयों की सफाई करना, सेवादार का काम करना इत्यादि। ये सजाएं इन सभी को पंजाब में अकाली दल की सरकार के समय लिए गए कुछेक फैसलों को लेकर दी गई हैं। अकाली दल के हाथ से 2017 में पंजाब की सत्ता खिसक गई थी। उसके बाद से अकाली दल फूट का शिकार हो गया और सत्ता खिसक जाने के कारणों पर भी चिंतन-मनन होता गया और अब भी हो रहा है।

सुखबीर बादल को उस समय मारने की कोशिश की गई जिस समय वह अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में सेवादार की भूमिका निभा रहा था। बादल परिवार देश विरोधी ताकतों के निशाने पर रहा है, यह सब जानते हैं। उसके पिता प्रकाश सिंह बादल लम्बे अरसे तक पंजाब के मुख्यमंत्री रहे हैं। एक समय उन्हें फख्र-ए-कौम के खिताब से निवाजा गया था। लेकिन कुछ दिन पहले जब सुखबीर बादल को सेवादार व कुछ अन्य सजाएं सुनाई गई थीं तो उसी समय उनके स्वर्गीय पिता प्रकाश सिंह से फख्र-ए-कौम का खिताब भी वापस ले लिया गया था। सुखबीर बादल के साथ अकाली दल से ताल्लुक रखने वाले कुछ अन्य लोगों को भी विभिन्न प्रकार की सजाएं दी गईं। मसलन स्वर्ण मंदिर में चल रहे लंगर में बर्तन साफ करना, शौचालयों की सफाई करना, सेवादार का काम करना इत्यादि। ये सजाएं इन सभी को पंजाब में अकाली दल की सरकार के समय लिए गए कुछेक फैसलों को लेकर दी गई हैं। अकाली दल के हाथ से 2017 में पंजाब की सत्ता खिसक गई थी। उसके बाद से अकाली दल फूट का शिकार हो गया और सत्ता खिसक जाने के कारणों पर भी चिंतन-मनन होता गया और अब भी हो रहा है। जाहिर है चिन्तन-मनन पार्टी के भीतर ही नहीं, बाहर भी होता रहा। सब जानते हैं कि पार्टी के बाहर इस प्रकार की माथापच्ची करने वालों को आज की भाषा में थिंक टैंक कहा जाता है। पार्टी के भीतर हार के क्या कारण स्वीकार किए गए, यह तो पार्टी ही बेहतर जानती होगी, लेकिन बाहर के थिंक टैंकों ने यह स्थापित कर दिया कि हार का मुख्य कारण अकाली दल की सरकार के समय पंजाब में श्री गुरु ग्रन्थ साहिब जी की बेअदबी की कुछ घटनाएं हैं। जाहिर है इसकी जिम्मेदारी प्रकाश सिंह बादल और उनके सुपुत्र सुखबीर बादल के खाते में ही आतीं क्योंकि बड़े बादल साहिब मुख्यमंत्री थे और छोटे बादल साहिब उप मुख्यमंत्री थे। इतना ही नहीं पार्टी के प्रधान की कुर्सी भी पिता-पुत्र के बीच ही रही थी। जब एक बार यह अवधारणा स्थापित हो गई कि बेअदबी के जिम्मेदार प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से 'बादल' ही हैं तो

पंजाब में प्रत्येक राजनीतिक दल चुनाव में इस बात की घोषणा करने लगा कि यदि वह जीत गया तो सबसे पहले बेअदबी के लिए उत्तरदायी इन लोगों को सजा दिलाएगा। उन दिनों में पंजाब के आला पुलिस अफसर कुंवर विजय प्रताप सिंह (मूलतः बिहार या उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं), जो आजकल पंजाब में आम आदमी पार्टी के विधायक हैं, का कहना है कि जिन आरोपों के कारण सुखबीर बादल को आज सजा सुनाई गई है, उन सब का जिक्र मैंने अपनी रिपोर्ट में किया था। दरअसल जिन दिनों कांग्रेस के कैप्टन अमरेन्द्र सिंह पंजाब के मुख्यमंत्री थे, उन्होंने बेअदबी के मामले को लेकर कुंवर विजय प्रताप को जांच का जिम्मा सौंपा था। कुंवर का कहना है कि मेरे बार-बार कहने पर भी कैप्टन ने उस रिपोर्ट पर कार्रवाई नहीं की। कुंवर ने इसको आधार बना कर अपने पद से इस्तीफा दे दिया था और पंजाब की राजनीति में छलांग लगा दी थी। सारी उम्र पुलिस में खपा देने के कारण पंजाब की हवा को सूंघने व थोड़ा बहुत बदल देने योग्य हो ही गए थे। अपनी इसी महारत के चलते वे आम आदमी पार्टी में चले गए और विधायक भी बन गए। लेकिन अपनी रिपोर्ट को अहमियत न मिलने को लेकर बराबर रोते रहे। उनका मानना है कि कैप्टन की तर्ज पर भगवन्त मान भी उनकी रपट पर कार्रवाई नहीं कर रहे थे। अब जब सुखबीर बादल को सजा सुना दी गई, तो कुंवर विजय प्रताप सिंह का कहना है कि यह सब बातें मेरी रपट में हैं। लेकिन आश्चर्य की बात है कि आला पुलिस अधिकारी होते हुए भी विजय प्रताप सिंह सुखबीर बादल पर हमले के मामले में आश्चर्यजनक तरीके से मौन हैं। सजा मिलने के बाद यह तो स्पष्ट हो गया था कि अब सुखबीर बादल एक सेवादार के रूप में स्वर्ण मंदिर के द्वार पर बैठेंगे। लेकिन केवल दो दिन के लिए ही वे वहां बैठेंगे, यह भी स्पष्ट था। उससे भी ज्यादा यह भी स्पष्ट था कि वहां आने वाले श्रद्धालुओं की तलाशी नहीं ले जाती। शायद इससे आसान अवसर व स्थान सुखबीर बादल की हत्या के लिए नहीं हो सकता था। यह साधारण सी बात, असाधारण काम करने वाली पंजाब पुलिस के वे चंद अधिकारी भी जानते ही होंगे जो इस प्रकार की घटनाओं को भांप कर रणनीति बनाते हैं। ऐसे अवसरों पर रणनीति प्रायः यह होती है कि किसी भी प्रकार से हत्यारे को उसके शिकार के पास आने से रोका जाए। कहा जा रहा है कि हमला करने वाला एक दिन पहले उस स्थान की रैकी करने भी आया था। ऐसा भी नहीं कि हमला करने वाला व्यक्ति कोई अज्ञात व्यक्ति हो। उस पर पहले से ही इस प्रकार के मामलों में अनेक मुकद्दमे चल रहे हैं। वह किसी अन्य प्रान्त से भी नहीं आया था। अमृतसर के पास डेरा बाबा नानक में ही रहता है। आम तौर पर जब किसी अति सुरक्षित व्यक्ति की सुरक्षा की व्यवस्था उस समय करनी हो जब उसे किन्हीं भी कारणों से ओपन स्पेस में बैठना हो तो पुलिस उस इलाके में रहने वाले संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखती है, ताकि वह अपने शिकार के नजदीक न फडक़ने पाए। सुखबीर बादल दो दिन इसी प्रकार की स्थिति में आने वाले थे। ऐसे हालात में पंजाब पुलिस के उन चन्द गिने चुने वरिष्ठ अधिकारियों ने सुरक्षा की ऐसी व्यवस्था क्यों नहीं की? अलबत्ता पुलिस ने बहुत ही शातिराना तरीके से पूरी जांच और घटना को लेकर एक और ही नैरेटिव घडऩे की कोशिश की है। एक पत्रकार ने पूछा, क्या यह नहीं हो सकता हमदर्दी हासिल करने के लिए स्वयं ही हमला करवाया गया हो? पुलिस के अधिकारियों ने तुरन्त इस वांछित सवाल को हाथों हाथ पकड़ लिया। भगवन्त मान के मन में क्या चल रहा है, यह तो वे ही जानते होंगे।

दृष्टि कोण

खेल परिणामों को सुविधाएं भी उत्तम चाहिए

आज के ओलंपिक खिलाड़ी भी शौकिया न होकर अब पेशेवर हो गए हैं। सदी पूर्व जब जिम थोर्पे के ओलंपिक पदक इस लिए छीन लिए गए थे कि उसने कहीं खेल के नाम पर थोड़ा सा धन ले लिया था। आज अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ स्वयं विश्व रिकॉर्ड बनाने पर एक लाख अमरीकी डालर इनाम देता है और भारत में तो कुछ राज्य ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने पर छह करोड़ रुपए भी देते हैं। तभी तो बढिया किस्म के खेल उपकरणों का भी महत्व बढ़ गया है। अभी तक बढिया खेल सुविधाएं विकसित देशों को ही मिल पा रही थी, मगर अब यह सुविधा हर देश को चाहिए, तभी उच्च परिणाम आएंगे। खेलों में आज उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए खेल उपकरणों से लेकर कृत्रिम प्ले फील्ड तक में काफी सुधार किया जा रहा है। अच्छे खेल परिणामों के लिए खेल सामान की क्वालिटी का योगदान भी बहुत महत्वपूर्ण है, मगर खेल सामान की खरीददारी में बहुत बड़ा गोलमाल है। इस विषय पर पहले भी बहुत बार लिखा जा चुका है, मगर अभी तक इसमें कोई भी सुधार नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश के जिला युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के कार्यालयों व शिक्षा संस्थानों में हर वर्ष करोड़ों रुपए का खेल सामान जैम व अन्य माध्यमों से खेल विभाग व शिक्षा निदेशालय खरीद कर आगे देता है, जो बेहद निम्न दर्जे का होता है। इस कॉलम के माध्यम से बार-बार सरकार को सचेत किया जा रहा है कि इस खरीद पर लगाम लगा कर अच्छी क्वालिटी का खेल सामान प्रदेश के विद्यार्थी खिलाडियों को मिले, ताकि हिमाचल प्रदेश के खिलाड़ी भी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज खेलों का स्तर बहुत ही ऊपर उठ चुका है। उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर खिलाड़ी पूरे विश्व में अपने देश का डंका बजा रहे हैं। इस अद्भुत खेल प्रदर्शन के लिए उच्च स्तरीय प्रशिक्षकों व प्रतिभाशाली खिलाडियों के साथ-साथ उनके पास स्तरीय खेल किट व उच्च तकनीकी के खेल उपकरणों का होना भी बहुत ही जरूरी होता है। चिकित्सा क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की बीमारियों को ठीक करने के लिए आज प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर कई प्रकार के उपकरण विकसित हो चुके हैं, ठीक उसी प्रकार खेल जगत में भी आज के अति मानवीय खेल परिणामों में विकसित प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर बनाई गई आधुनिक खेल सामग्री का विशेष योगदान है। जैसे-जैसे सभ्यता का विकास हो रहा है, हम स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं। इनसान को फिट रहने के लिए किसी न किसी खेल का सहारा लेना पड़ता है। ऐसे में जब लाखों नहीं, करोड़ों खेलेंगे तो उसके लिए खेल उपकरण भी चाहिएं। पूरे विश्व में खेल बहुत बड़ा उद्योग बन कर उभरा है। हमारे देश में आज खेल उपकरणों का उद्योग अरबों रुपए का कारोबार हर वर्ष कर रहा है। खेल किट व खेल उपकरणों के बाजार में अच्छे से अच्छा व घटिया से घटिया सामान उपलब्ध है। जब सरकारी स्तर पर खेल सामान खरीदा जाता है, तो कीमत बढिया या मध्यम स्तर के सामान की होगी और समग्री निम्न दर्जे की होगी। इस तरह मूल्य उच्च क्वालिटी का तय कर शेष राशि हड़प ली जाती है। व्यापारी व सामग्री खरीदने वाले अधिकारी मिलकर अधिकांश राशि को चट कर जाते हैं। प्रदेश के महाविद्यालयों में जहां अधिकतर खेल सामग्री महाविद्यालय प्रशासन स्वयं खरीदता है, वहीं पर कुछ खेल सामान पहले शिक्षा निदेशालय मटीरियल्स एंड सप्लाई के अंतर्गत खरीद कर महाविद्यालय को दिया जाता था और अब जैम के माध्यम से खरीदा जा रहा है। मटीरियल्स एण्ड सप्लाई के अंतर्गत खरीदा गया खेल सामान बिल्कुल घटिया किस्म का मिलता रहा है। निम्न दर्जे के हाई जम्प व कबड्डी मैट, मुक्केबाजी रिंग व अन्य खेलों के घटिया उपकरण इसके उदाहरण आज भी देख जा सकते हैं। इस स्कीम के अंतर्गत खरीदे जिम एक साल तो दूर, कुछ महीनों बाद ही कबाड़ हो जाते हैं। लाखों रुपए का खेल सामान तो खरीद लिया, मगर यह कोई नहीं सोचता है कि यह काम में भी लाया जा सकता है या नहीं। इस खेल सामान खरीदने के लिए बनी कमेटी में निदेशालय के अधिकारी व बाबू होते हैं जिन्होंने अपनी जिंदगी में शायद ही कोई खेल खेला हो और जो थोड़ा बहुत खेल खेले हैं और खेल सामान की परख भी रखते हैं, वे भी अपने थोड़े लाभ के लिए आंखें बंद कर लेते हैं। आज जब खेल में स्वास्थ्य स्कीम के अंतर्गत कई करोड़ रुपयों की कृत्रिम प्ले फील्ड जूडो, कुश्ती व खो-खो आदि खेलों के लिए खरीद कर विद्यालयों व महाविद्यालय को दी जा रही है, जहां भी खेल सामान खरीदना हो, वहां पर खरीददारी के लिए जो कमेटी बने, उसमें जिस भी खेल का सामान खरीदना है, उस खेल का प्रशिक्षक व कम से कम दो राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी भी विभागीय अधिकारियों के साथ हों। जिस संस्थान को सामग्री मिले, वहां भी कमेटी देखे कि वह घटिया स्तर का तो नहीं दे दिया। अच्छी प्रशिक्षण सुविधा के अभाव में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी समय से पहले ही खेल को अलविदा कह जाते हैं और जिनके पास धन व साधन हैं, वे अच्छे प्रशिक्षण के लिए हिमाचल प्रदेश से पलायन कर जाते हैं। हिमाचल प्रदेश में बहुत कम प्रशिक्षण केन्द्र हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी बनने के लिए स्कूल व कालेज समय में खिलाड़ी को अच्छी खेल सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए।

कुछ अलग

होगात्रृणे कृत्वा घृतम पिवेत

ऋण करके घी पीने की परम्परा हमारे यहां अनादि काल से चली आ रही है। पूर्वजों की इस पावन परम्परा को मैंने हृदय से अंगीकार किया है। यदि मैं ऋण करके घी नहीं पी भी सकूं तो कम से कम ऋण घर खर्च चलाने में बड़ी सहायता करता है। बच्चे भी सामान्य रूप से परेशान नहीं रहते। पिछले दिनों कफ्र्यू लगा तो पड़ोसी से मैंने चार सौ रुपए बतौर उधार देने का प्रस्ताव किया, तो वह थोड़ा संवेदनशील था, फटाफट ले आया। साथ ही यह भी कहा कि और जरूरत हो तो बता दीजिए। मुझे बड़ा पछतावा हुआ कि मैंने आठ सौ ही क्यों नहीं मांग लिए। मेरे पड़ोस में ही दानवीर कर्ण रहता है और मुझे पता ही नहीं चला। मैंने उसके कथन को स्मरण रखा तथा कफ्र्यू जब लंबा खिंचने लगा तो चौथे ही दिन फिर ऋण की मांग रख दी। मैं भी कफ्र्यू में मिली ढील की अवधि में घी ले आया। हालांकि घी का भाव दुकानदार मनमाना ले रहा था, परंतु मुझे परवाह किस बात की, दानवीर कर्ण से उधार मार लाया था, सो महंगा भी खरीद लाया। पत्नी ने देसी घी देखा तो जल-भुन गई, बोली-'मसाले व दालें लानी थी और ले आए यह घी, क्या करूं इस मुए का?' मैंने कहा-'इतनी अधीर क्यों होती हो? ऋण की राशि से घी लाया जाता है, इसलिए हलुवा घोट दो।' पत्नी थोड़ी ज्यादा ही समझदार है, सो बोली-'थोड़ी शर्म तो करिये, कफ्र्यू में हलुवा खाएंगे, अच्छा थोड़े ही लगेगा?' मैंने कहा-'हमारे ऋषि-मुनि तो उधारी में घी पीने की बात कह गए हैं। तुम घी नहीं पिला सको तो कम से कम उसका हलुवा तो खिला दो।' 'लेकिन बच्चों की तथा घर की अन्य बीस जरूरतें हैं, यदि उन्हें निपटाते तो ज्यादा ठीक रहता।' वह हलुवा बनाते डर रही थी। मैंने कहा-'तुम यदि हलुवा नहीं बना सकती तो साफ कहो-मैं बना लेता हूं।' वह बोली-'हलुवा सेंकते मेरे हाथ कांप रहे हैं और भीतर से मन बैठ रहा है। आप ही बना लीजिए।' मैंने कहा-'चलो हटो।' मैंने कड़छी में घी डाल कर चून को सेंकना शुरू किया तो उसकी गंध से दानवीर कर्ण विचलित हो उठा और लपककर मेरी रसोई में प्रवेश कर गया। आते ही बोला-'क्या कर रहे हो शर्मा जी?' मैं कोई कम खिलाड़ी तो था नहीं। बिना किसी संकोच के मैंने कहा-'क्या बताएं, पड़े-पड़े बोर हो गए, सोचा थोड़ा देसी घी का हलुवा ही बना डालें। बच्चों को बाजार से कुछ लाना हो नहीं पा रहा है। सो घर में मीठा बना दिया।' 'परन्तु आप यह तो समझिये कि अभी कफ्र्यू टूटने के आसार नहीं हैं। मैं खुद तंग हो गया हूं। आप तो पहले ही तंग थे, यदि इस तरह हलुवा घोटते रहे तो समस्या खड़ी हो जाएगी।' वे बोले। मैंने कहा-'आप घबराइये नहीं। अब आपको तकलीफ नहीं दूंगा। वर्मा जी आए थे कह गए हैं किसी चीज अथवा रुपए-पैसों की जरूरत हो तो बता दीजिएगा। सोचता हूं खुद आमंत्रण दे गए हैं तो उन्हें भला निराश क्यों करूं। कल उन्हें तकलीफ दे दूंगा।' वे बोले-'लेकिन फिर देना भी तो आपको ही पड़ेगा। व्यर्थ में क्यों ऋणी हो रहे हैं।' मैंने कहा-'क्या करें सा'ब। इस महंगाई में जब तक काम ही नहीं चलता, मैं ऐसे लोगों से तो उधार लेता नहीं, जो आज उधार दिया और कल मांग लें। मैं तो आप जैसे व्यावहारिक महापुरुषों से ही उधार लेता हूं जिन्हें देर-सबेर जब सुविधा हो तब दे दें। आप तो घर के आदमी हैं, जिन लोगों में तनिक शिष्टता ही नहीं, उनसे उधार मांगना मेरी आचार-संहिता में नहीं है।'

देश दुनिया से

असहमति के बावजूद जगी भविष्य की उम्मीदें

पिछले दिनों दक्षिण कोरिया के बुसान में एक वैश्विक बैठक प्लास्टिक प्रदूषण पर रोक लगाने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय संधि पर सहमति बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। लेकिन यह बैठक बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई। कुल 175 देशों के प्रतिनिधि महत्वपूर्ण मुद्दों, जैसे प्लास्टिक उत्पादन और वित्त पर रोक लगाने, पर सहमति बनाने में विफल रहे। यह अंतर-सरकारी वार्ता समिति (आईएनसी) की पांचवीं बैठक थी, जो 2022 से प्लास्टिक प्रदूषण पर एक कानूनी संधि तैयार कर रही है। एक हफ्ते तक चली बातचीत में प्लास्टिक उत्पादन और हानिकारक रसायनों पर रोक लगाने की मांग और केवल कचरे के प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करने वाले देशों के बीच गहरे मतभेद दिखे। परिणामस्वरूप, मसौदा अधिकांश चिंताओं को अनसुलझा छोड़कर समाप्त हुआ। सभी देशों ने वार्ता जारी रखने के लिए अगले साल फिर से मिलने पर सहमति जताई। इस दौरान, सन्धि के लिए मसौदे और देशों की स्थिति पर बेहतर समझ विकसित हुई, लेकिन महत्वपूर्ण मुद्दों पर मतभेद अब भी बने हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस के अनुसार, 'हमारी दुनिया प्लास्टिक प्रदूषण में डूब रही है। हर वर्ष, हम 46 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन करते हैं, जिसमें से अधिकांश को जल्दी ही फेंक दिया जाता है।' उन्होंने चेतावनी दी कि वर्ष 2050 तक महासागरों में प्लास्टिक की मात्रा मछलियों से अधिक हो सकती है। इसके अलावा, हमारी रक्तधारा में प्लास्टिक के सूक्ष्म कण स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन रहे हैं, जिनके बारे में हमने अभी पूरी तरह से समझना शुरू किया है। हर दिन, कूड़े से भरे लगभग 2,000 ट्रकों के बराबर प्लास्टिक, महासागरों, नदियों और झीलों में फेंक दिया जाता है। यही प्लास्टिक वन्यजीवों एवं मानव स्वास्थ्य के लिए गम्भीर ख़तरा पैदा कर रहा है। माइक्रोप्लास्टिक के कण, भोजन, पानी, मिट्टी और यहां तक कि मानव अंगों व नवजात शिशुओं के प्लासेंटा तक में पाए गए हैं। वर्ष 2022 में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा के प्रस्ताव द्वारा अपनाई गई सन्धि के तहत, प्लास्टिक के पूरे जीवन चक्र पर

ध्यान देने के प्रयास किए गए हैं। इनमें एक क़ानूनी रूप से बाध्यकारी संधि के ज़रिए प्लास्टिक के उत्पादन, डिज़ाइन और निपटान के लिए उचित समाधान तलाश किया जाना शामिल है। भारत का मत है कि प्लास्टिक प्रदूषण को खत्म करने के लिए एक कानूनी उपकरण होना चाहिए। प्लास्टिक के विकल्पों की उपलब्धता, पहुंच, वहनीयता के लिए तकनीक हस्तांतरण, वित्तीय सहायता और क्षमता निर्माण पर भी चर्चा करके एक्शन लिया जाना चाहिए। वर्ष 2022 में केंद्र सरकार ने प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन संशोधन नियम जारी किया था। इसके अनुसार प्लास्टिक की वस्तुओं से होने वाले प्रदूषण की गंभीरता को देखते हुए 1 जुलाई, 2022 से सिंगल यूज प्लास्टिक सामान पर प्रतिबंध लगाया गया। इसके अलावा 30 सितंबर, 2021 से प्लास्टिक कैरी बैग की मोटाई को कम-से-कम 75 माइक्रोन किया गया जो पहले 50 माइक्रोन हुआ करती थी। दुनिया भर में दैनिक जीवन में एकल प्रयोग वाले प्लास्टिक, बोतलों व अन्य उत्पादों को लेकर जागरूकता का प्रसार किया जाता है। उसकी रि-साइकिलिंग, प्लास्टिक के उचित निपटान व सतत् उपयोग के तरीक़े सुझाए जा रहे हैं। लेकिन उत्पादन के आरम्भ में, कृषि और उससे संबद्ध क्षेत्रों में, प्लास्टिक के इस्तेमाल की समस्या तेज़ी से उभरकर सामने आई है। केवल भूमि पर ही नहीं, जलीय कृषि उत्पादन में भी हर स्तर पर प्लास्टिक का उपयोग किया जाता है, फिर चाहे वो टैंक, जाल, फ़ीड बैग, लाइनर, पाइपिंग, पॉलीस्टाइनिन बक्से, उत्पाद परिवहन या फिर रासायनिक के भंडारण के लिए हों। एफएओ के अनुमानों के मुताबिक़ अभी तक यह माना जाता रहा है कि महासागरों में पाए जाने वाला लगभग 80 प्रतिशत प्लास्टिक कचरा, जलीय कृषि जैसे समुद्री उद्योगों के बजाय भूमि-आधारित स्रोतों से उत्पन्न होता है। अब यह स्पष्ट हो रहा है कि विभिन्न प्रकार के मछली पकड़ने वाले गियर भी समुद्र को नुक़सान पहुंचा सकते हैं। कृषि में इस्तेमाल उत्पादों से होने वाले प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए संग्रह, पुनः उपयोग और रि-साइकिलिंग प्रमुख उपाय हैं। जिन प्लास्टिक वस्तुओं को प्रयोग के बाद एकत्र नहीं किया जा सकता, उन्हें पर्यावरण अनुकूल, बायोडिग्रेडेबल व सुरक्षित विकल्पों से बदला जाना चाहिए। किसी भी समझौते में प्लास्टिक के जीवन चक्र का ध्यान रखना होगा, एकल-इस्तेमाल और कम अवधि की प्लास्टिक की समस्या से निपटना होगा। इसके साथ ही, कचरा प्रबन्धन को मज़बूती देते हुए वैकल्पिक सामग्री को बढ़ावा देना होगा। इसके लिए देश के साथ-साथ वैश्विक कानून होने चाहिए, जिससे प्लास्टिक प्रदूषण पर समय रहते लगाम लगाई जा सके। पिछले दो वर्ष से प्लास्टिक प्रदूषण पर क़ानूनी रूप से बाध्यकारी उपाय के लिए अन्तर-सरकारी स्तर पर वार्ता जारी थी, जिसमें भूमि व समुद्री पर्यावरणों का भी ध्यान रखा गया, और उसके बाद बुसान में यह बैठक आयोजित की गई।

आप का नजरिया

ग्रामीण बने रहने का हक

विरोध की परिभाषा में हिमाचल का भविष्य कन्नी काटता रहा है या सियासत ने जनता को लाड़-प्यार इतना दिया कि यथार्थ के टापू ही डूब गए। यहां राज्य की गरीबी में जनता अमीर होने की तरकीब जानती है, बड़ी शिद्दत से आजमाए हैं जमाने ने अपने नखरे। हालिया नखरा यह कि रहन-सहन और तहजीब की शहरी औकात के बावजूद, जनता को कर मुक्त ग्रामीण व्यवस्था में बने रहने का अधिकार चाहिए। यह किसी से छुपा नहीं कि हिमाचल में करीब तीस फीसदी आबादी पूर्ण शहरी, जबकि पूरा राज्य शहरी मानसिकता में विकास कर रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में नए शहर उभर रहे हैं, तो सरकार ने हमीरपुर, ऊना व बद्दी को नगर निगमों का दर्जा दे दिया, जबकि नगर पंचायतों और परिषदों के आवरण में कुछ कस्बों की शक्ल बदलने के लिए शहरी विकास मंत्रालय की सरहद बढ़ा दी गई, लेकिन इस प्रक्रिया के बीच खोट चुनने की आदत ने फैसले का विरोध चुन लिया। न नगर निगमों के दायरे पसंद आ रहे और न ही शहरी निकायों का निजाम रास आ रहा। यह दीगर है कि जिसे हम ग्रामीण क्षेत्र मानते हैं, वहां से ग्रामीण आर्थिकी नदारद है। होना तो यह चाहिए कि अगर गांव में अस्सी फीसदी खेती नहीं हो रही, तो इसे शहरी मान लिया जाए। अगर गांव में आवारा पशु बढ़ रहे हैं, खाद्य एवं दुग्ध उत्पाद बाहरी राज्यों से आ रहे हैं, तो उसे कृषि के मजमून से खारिज करके शहरी आर्थिकी से जोड़ दिया जाए। आश्चर्य यह कि बद्दी की लंबाई-चौड़ाई में ग्रामीण परिवेश तो बचा नहीं, लेकिन जनता को ग्रामीण फायदों की जमीं पर आक्रोश के मायने गढऩे हैं। यही सब ऊना के आरपार फैलते व्यापार के बावजूद नगर निगम के इरादों के विरोध से नत्थी है तो कहीं हमीरपुर की शहरी जुबां में ग्रामीण आवाजों को देख कर भी अंदाजा लगाया जा सकता है कि कितना कठिन है हिमाचल में शहरी कर साम्राज्य खड़ा करना। सुविधाओं और सेवाओं के बदले नागरिक भुगतान की आदत डालना इसलिए भी कठिन है क्योंकि राजनीतिक पद्धति में कई नेताओं की जमीन इतनी खोखली है कि वे राज्य के भविष्य के लिए भी हिम्मत व विजन से नहीं देख पाते। यह करीब पांच दशक पूर्व आए ग्राम एवं नगर योजना कानून के अमल में आने की आवारगी भी है कि जनता अपने विकास की गलियों से व्यवस्था, कानून और चुनौतियों को दरकिनार करना चाहती है। कायदे से पूरे प्रदेश में टीसीपी कानून लागू करके गांव व शहर की खूबियों को सुरक्षित किया जा सकता था। हुआ इसके विपरीत क्योंकि औपचारिकताओं ने किसी भी शहर की योजना को आज तक कोई आकार ही नहीं दिया, बल्कि धर्मशाला व शिमला को मिले स्मार्ट सिटी के रुतबे का भी बुरा हाल हो गया। शहर को बचाने के लिए सर्वप्रथम साथ लगते गांवों के चरित्र, जमीन और चेहरे को बचाना लाजिमी था, वरना आज हर शहर व कस्बे के पांव साथ लगती कृषि योग्य भूमि को न रौंदते। परवाणू से शिमला, जसूर से जोगिंद्रनगर, मंडी से सुंदरनगर, नाहन से पांवटा साहिब, भुंतर से कुल्लू या ऐसी ही अनेक घाटियों ने खुद को शहरीकरण के अतिक्रमण में गुम कर दिया है। नश्तर उस जमीन पर चुभे हैं जो कभी सोना उगाती थी।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

पीटीआई नेता उमर अयूब और राजा बशारत को रिहा करने का आदेश

इस्लामाबाद, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

आतंकवाद रोधी अदालत (एटीसी) ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेताओं उमर अयूब और राजा बशारत को बड़ी राहत देते हुए रिहा करने का आदेश दिया है।

एटीसी ने पेशावर हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बावजूद दोनों की गिरफ्तारी की आलोचना भी की है।

पुलिस ने गिरफ्तार किए गए दोनों नेताओं को आज एटीसी के समक्ष पेश किया। एटीसी ने उनकी हिरासत पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सवाल किया, जब हाई कोर्ट ने पहले ही उनकी जमानत मंजूर कर ली थी तो उन्हें गिरफ्तार क्यों किया गया इसके बाद एटीसी ने उमर अयूब और राजा बशारत को रिहा करने का आदेश दिया है।

रावलपिंडी पुलिस ने गुरुवार को अयूब, बशारत और अहमद चट्ठा को रावलपिंडी में सेना के जनरल मुख्यालय (जीएचक्यू) पर हमले के मामले में पीटीआई संस्थापक समेत अन्य संदिग्धों के खिलाफ आरोप दायर करने के बाद अदियाला जेल के बाहर गिरफ्तार किया था।

पीटीआई के संस्थापक इमरान खान को 9 मई, 2023 को इस्लामाबाद हाई कोर्ट परिसर से गिरफ्तार किया गया था। इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद पूरे देश में व्यापक विरोध प्रदर्शन और दंगे भड़क उठे थे। पीटीआई प्रदर्शनकारियों ने जीएचक्यू, लाहौर के जिन्ना हाउस, मियांवाली एयरबेस और अन्य सहित कई नागरिक और सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला किया था।

न्यूज ब्रीफ

कैलिफोर्निया में शक्तिशाली भूकंप, तीव्रता-7.0, हिल गए लोग, सुनामी की चेतावनी वापस

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के कैलिफोर्निया में गुरुवार सुबह भूकंप का जोरदार झटका महसूस किया गया। अमेरिकी भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 7.0 रही। इसके बाद सुनामी की चेतावनी जारी की। हालांकि इसे एक घंटे बाद वापस ले लिया गया। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, भूकंप के तेज झटके कैलिफोर्निया तट से 30 मील दूर एक महसूस किए गए। इसके बाद पांच लाख से अधिक सेलफोन पर आपातकालीन सुनामी अलर्ट जारी किया गया। भूकंप के केंद्र के निकटतम ग्रामीण इलाके में किराने की दुकानों के फर्श पर डिब्बे और बोतलें बिखर गईं।अमेरिकी भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 7.0 रहने के बावजूद कम नुकसान हुआ। इसकी वजह इसका केंद्र सैन फ्रांसिस्को खाड़ी से 200 मील उत्तर में प्रशांत महासागर में सुदूरवर्ती क्षेत्र में होना है। भूकंप के केंद्र पेट्रोलिया में एक जनरल स्टोर के क्लर्क 73 वर्षीय मार्गिट कुक ने कहा कि 53 वर्ष में उसने पहली बार इतने जोर के झटके महसूस किए। बड़ा रेफ्रिजरेटर तो रसोई के फर्श पर ही लुढ़क गया। साइट पॉवरआउटेज डॉटकॉम यूएस के अनुसार, भूकंप की वजह से हम्बोल्ट काउंटी में 10,000 से अधिक घरों की बिजली गुल हो गई। शुरुआती भूकंप के बाद पूरे उत्तरी कैलिफोर्निया तट पर एक दर्जन से अधिक झटके आए।इससे पहले 1989 में उत्तरी कैलिफोर्निया में विनाशकारी भूकंप आया था। इसकी तीव्रता 6.9 थी और इसमें 63 लोगों की मौत हो गई थी और 3,700 से अधिक लोग घायल हो गए थे। दक्षिणी कैलिफोर्निया में 1994 में लॉस एंजिल्स के नॉर्थ्रिज पड़ोस में आए भूकंप में 60 लोग मारे गए थे और लगभग 7,000 लोग घायल हुए थे। 40,000 से अधिक इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं।गुरुवार का भूकंप प्रशांत समयानुसार सुबह 10:44 बजे उस क्षेत्र में आया, जिसे भूकंपविज्ञानी मेंडोकिनो ट्रिपल जंक्शन कहते हैं, जो तीन प्रमुख प्लेटों का एक टेक्टोनिक मिलन बिंदु है। अमेरिकी भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में प्राकृतिक खतरों के अनुसंधान के पूर्व प्रमुख लुसी जोन्स के अनुसार, प्लेटों की परस्पर क्रिया बड़ी संख्या में भूकंप का कारण बनती है।

लंदन में पाकिस्तान के पूर्व मुख्य न्यायाधीश ईसा के वाहन पर हमले की जांच बंद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सेवानिवृत्त प्रधान न्यायाधीश काजी फैज ईसा के वाहन पर हमले की

जांच पर्याप्त साक्ष्यों के अभाव में लंदन पुलिस ने बंद कर दी है। लंदन में पाकिस्तान उच्चायोग ने जस्टिस ईसा के वाहन पर हमले की शिकायत दर्ज कराई थी। सूत्रों के हवाले से हमले की जांच बंद होने की खबर देते हुए बताया है कि लंदन पुलिस ने जांच को आगे बढ़ाने के लिए अपर्याप्त सबूत का हवाला दिया है। क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस ने कथित तौर पर मामले को अदालत में ले जाने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि उपलब्ध सबूत सजा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त नहीं होंगे। पाकिस्तान उच्चायोग और लंदन शहर पुलिस दोनों के सूत्रों ने पुष्टि की कि अभियोजन की मजबूती को पूरा करने के लिए पर्याप्त सबूतों की कमी के कारण मामला बंद कर दिया गया है। आरोप है कि पीटीआई कार्यकर्ताओं ने लंदन में पूर्व मुख्य न्यायाधीश के वाहन को रोककर उसकी खिड़कियां तोड़ने की कोशिश की थी। उन्होंने काजी ईसा की कार को देखकर नारे लगाए और उसके साथ-साथ दौड़े थे। संघीय सरकार के गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने लंदन में पाकिस्तान के पूर्व मुख्य न्यायाधीश की कार पर हुए हमले की कड़ी निंदा की थी। नकवी ने घटना की निंदा करते हुए नेशनल डेटाबेस एंड रजिस्ट्रेशन अथॉरिटी को हमलावरों की पहचान के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया था।

दक्षिण कोरिया की सत्तारूढ़ पार्टी ने रुख बदला, कहा- राष्ट्रपति येओल को देशहित में हटाया जाना जरूरी

सियोल। दक्षिण कोरिया की सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी (पीपीपी) के रुख में आज आए बदलाव ने राष्ट्रपति यून सुक येओल की मुसीबत बढ़ा दी। येओल के खिलाफ नेशनल असेंबली में लाए गए महाभियोग पर शनिवार को मतदान होना है। पीपीपी इस दौरान विपक्ष का साथ देते हुए येओल के खिलाफ मतदान कर सकती है। द कोरिया टाइम्स समाचार पत्र के अनुसार, सत्तारूढ़ पीपुल्स पावर पार्टी के नेता हान डोंग-हून ने कोरिया और नागरिकों की रक्षा के लिए राष्ट्रपति येओल को हटाने पर जोर दिया। उनकी इस घोषणा ने शनिवार को नेशनल असेंबली के पूर्ण सत्र में महाभियोग प्रस्ताव पारित होने की संभावना काफी बढ़ा दी है।नेशनल असेंबली में पीपीपी सुप्रीम काउंसिल की बैठक में हान ने कहा कि विश्वसनीय सबूतों के माध्यम से यह साफ हो गया है कि येओल ने कमांडर येओ इन-ह्युंग को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया था।

हामा पर फतह कर विद्रोही दमिश्क की ओर बढ़े, चीन ने अपने नागरिकों को तत्काल सीरिया छोड़ने कहा

दमश्कि, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

सीरिया के सूरत-ए-हाल और बिगड़ गए। अल-कायदा समर्थित आतंकवादी समूह हयात तहरीर अल-शाम के लड़ाकों (विद्रोहियों) ने मुल्क के अलेप्पो और हामा पर फतह कर राजधानी दमिश्क की तरफ बढ़ना शुरू कर दिया है। इस बीच चीन ने अपने नागरिकों से तत्काल सीरिया छोड़ने को कहा है। हामा पर विद्रोहियों के नियंत्रण को राष्ट्रपति बशर अल-असद के बड़ा झटका माना जा रहा है।

सरकारी बल पीछे हटेअमेरिकी समाचार पत्र द न्यूयॉर्क टाइम्स और सीरिया की अरबी समाचार वेबसाइट+963 ने अपनी खबरों में सीरिया की वर्तमान स्थिति को व्यापक महत्व दिया है। खबरों में कहा गया कि सीरिया के सरकारी बल हामा पर टिक नहीं पाए। लड़ाकों से घबराकर वह पीछे हट गए। इसके बाद लड़ाकों ने हामा पर चारों तरफ से हमला बोलकर बाजी पलट दी। इस हालात ने सीरिया में शरणार्थी संकट पैदा कर दिया है।

रूस और ईरान हतप्रभहामा पर नियंत्रण को हयात तहरीर अल-शाम बड़ी जीत मान रहा है। अब आतंकी समूह के नेता अबू मोहम्मद अल-जोलानी ने लड़ाकों से राजधानी दमिश्क और अन्य शहरों की ओर बढ़ने का आह्वान किया। संकट का सामना कर रहे राष्ट्रपति बशर अल-असद के सहयोगी रूस और ईरान बदली स्थितियों से हतप्रभ हैं। हामा से सरकारी बलों के पीछे हटने की विद्रोहियों और सरकार दोनों ने पुष्टि की है।

हामा 1982 में देख चुका है कत्ल-ए-आमअपने लड़ाकों और अन्य विद्रोहियों का नेतृत्व कर रहे अबू मोहम्मद अल-जोलानी के एक कथित वीडियो संदेश में कहा गया कि यह ईश्वर की इच्छा से सभी की जीत है। दरअसल लड़ाकों के लिए हामा फतह इसलिए खास है कि सीरिया का यह शहर 1982 में नरसंहार देख चुका है। इस साल राष्ट्रपति के पिता और पूर्ववर्ती हाफिज अल-असद के वफादार सुरक्षा बलों ने मुस्लिम ब्रदरहुड के नेतृत्व में सरकार विरोधी विद्रोह के दौरान हजारों लोगों को मौत के घाट उतार दिया था।

विद्रोहियों का पुलिस कमांड मुख्यालय, एक हवाई अड्डे और केंद्रीय जेल पर कब्जा इस बीच सीरियाई सेना ने एक बयान जारी कर कहा कि उसकी सेना ने विद्रोहियों को पीछे हटाने के लिए कई दिनों तक लड़ाई लड़ी। इस दौरान दोनों पक्षों के कई लोग मारे गए। गुरुवार को विद्रोही हामा में घुस आए। इसलिए सेना शहर के अंदर लड़ाई से बचने के लिए पीछे हट गई। ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानी समूह सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि विद्रोहियों ने पुलिस कमांड मुख्यालय, एक हवाई अड्डे और केंद्रीय जेल पर कब्जा कर लिया। जेल से सैकड़ों लोगों को मुक्त करा दिया।

सीरिया का भविष्य...सीरिया के बिगड़ते हालात पर राजधानी दमिश्क में चीनी दूतावास ने एक बयान जारी किया है। इसमें कहा गया कि समग्र सुरक्षा स्थिति और बिगड़ रही है। इसलिए चीनी नागरिकों को जल्द से जल्द देश छोड़ने की सलाह दी जाती है। सीरिया के प्रमुख प्रांतों पर फहत के बाद हयात तहरीर अल-शाम ने दमिश्क में स्थित अरब और विदेशी दूतावासों को एक उदारवादी पत्र भेजा है। इसमें जोर देकर कहा गया कि भविष्य के सीरिया के लिए उसका दृष्टिकोण बातचीत पर आधारित एक राज्य है। आतंकी समूह के नेता अबू मोहम्मद अल-जोलानी ने गुरुवार को पहली बार अपने वास्तविक नाम अहमद अल-शरा का उपयोगकर टेलीग्राम पर एक पोस्ट की है। इसमें कहा गया कि यह बदले के बिना जीत है। जोलानी के फोटो के साथ लिखा गया कि हम हामा के लोगों को जीत की बधाई देते हैं। 1982 में जन्मा जोलानी अल-कायदा से भी जुड़ा रहा है। उसने जुलाई 2016 में अल-कायदा से अलग होकर जभात फतह अल-शाम का गठन किया। इस्लामिक और विपक्षी गुटों के विलय के बाद 2017 में इसका नाम हयात तहरीर अल-शाम कर दिया गया।

राष्ट्रपति असद के पद छोड़ने का वीडियो संदेश बेबुनियाद-सूचना मंत्रालयइस बीच सीरियाई सूचना मंत्रालय ने राष्ट्रपति बशर अल-असद के पद छोड़ने के एक मनगढ़ंत वीडियो पर सफाई दी। मंत्रालय ने आधिकारिक फेसबुक पेज पर एक पोस्ट में कहा, यह आतंकवादी संगठनों की करतूत है। इस वीडियो में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी प्रयोग किया गया है। राष्ट्रपति के पद छोड़ने की बात पूरी तरह झूठी है। मंत्रालय ने यह जरूर माना है कि सेना और सशस्त्र बलों के जनरल कमांड ने हामा शहर से सेनाओं को वापस बुलाने और उन्हें शहर के बाहर तैनात करने की घोषणा की है।

मेक्सिको ने डोनाल्ड ट्रंप के निर्वासन अभियान का सामना करने के लिए कमर कसी

मेक्सिको सिटी, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

मेक्सिको ने संयुक्त राज्य अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्वासन अभियान का सामना करने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने गुरुवार को कहा कि वह इस मुद्दे पर मेक्सिको के उत्तरी सीमावर्ती राज्यों के राज्यपालों से मिलकर एक समझौते पर पहुंचने की योजना बना रही हैं।

मेक्सिको न्यूज डेली समाचार पत्र के अनुसार शीनबाम ने कहा कि अमेरिका में उनके देश के लाखों नागरिक रहते हैं। एक साथ निर्वासन होने पर बड़ा सवाल यह होगा कि उन्हें कैसे प्राप्त किया जाए। मैक्सिको के अधिकारियों ने अकले मंगलवार को 5,000 से अधिक प्रवासियों को हिरासत में लिया है। संघीय सरकार ने बुधवार को कहा कि अधिकारियों ने 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप का दूसरा कार्यकाल शुरू होने से पहले ही उत्तरी सीमा पर प्रवासी प्रवाह पर रोक लगाने लगे हैं।

उन्होंने कहा कि आप कह सकते हैं कि मेक्सिको ने कमर कसनी शुरू कर दी है। व्हाइट हाउस में अपनी वापसी से पहले ट्रंप सभी मैक्सिकन निर्यातों पर 25 फीसद टैरिफ लगाने की चेतावनी दे चुके हैं। वह अमेरिकी इतिहास में सबसे बड़ा निर्वासन अभियान चलाने का भी वादा कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति निश्चिततौर पर अपने वादे को पूरा करने के लिए आगे बढ़ेंगे।

राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने कहा कि वह भी संयुक्त राज्य अमेरिका में एक अप्रवासी के रूप में रह चुकी हैं।

उन्होंने कहा कि सभी राज्यों के गवर्नर अगले सप्ताह अकापुल्को में संघीय अधिकारियों के साथ एक सुरक्षा बैठक में हिस्सा लेंगे। बैठक में मेक्सिको के छह उत्तरी सीमावर्ती राज्यों-बाजा कैलिफोर्निया, सोनोरा, चिहुआहुआ, कोहुइला, नुएवो लियोन और तमाउलिपास के गवर्नर ट्रंप की सामूहिक निर्वासन योजना पर चर्चा करेंगे।

हमारी चिंता यह है कि हमारे ऊपर दूसरे देशों के नागरिक न थोपे जाएं। इससे पहले मेक्सिको की पर्यावरण मंत्री एलिसिया बार्सेना ने फरवरी में कहा था कि संयुक्त राज्य अमेरिका में 5.3 मिलियन अनिर्दिष्ट मैक्सिकन लोग रहते हैं। ट्रंप ने पिछले महीने कहा था कि वह अपनी प्रस्तावित सामूहिक निर्वासन योजना को पूरा करने के लिए अमेरिकी सेना का भी उपयोग कर सकते हैं।

विरोध प्रदर्शन

दक्षिण कोरियाई लोग हाथ में बैनर उठाकर राष्ट्रपति यून सुक यिओल के इस्तीफे की मांग करते हुए।

बांग्लादेश के सुनामगंज में हिंदुओं के घरों, दुकानों और मंदिरों पर हमला

ढाका, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में सनातन जागरण मंच के प्रवक्ता और इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्ण कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) के संत चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के बाद चुन-चुनकर हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। दुनियाभर में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर जुल्म-ओ-सितम की तीखी आलोचना हो रही है। इस सबके बीच सुनामगंज में चिंताजनक घटना सामने आई है। यहां फेसबुक पोस्ट के बाद हिंदुओं के घरों और मंदिरों पर हमले के बाद तनाव बढ़ गया है।ढाका ट्रिब्यून समाचार पत्र के अनुसार, 21 वर्षीय हिंदू युवक आकाश दास की फेसबुक पोस्ट पर जारी एक तस्वीर से दूसरे समुदाय के लोग भड़क गए। नफरत की आंधी ने मंगलवार रात सुनामगंज के दोवाराबाजार उपजिला के सुदूरवर्ती गांव मंगलारगांव में कोहराम मचाया। हिंदुओं के घरों, दुकानों और मंदिरों पर जमकर तोड़फोड़ की गई। दोवाराबाजार पुलिस स्टेशन के प्रभारी जाहिदुल हक ने इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि भीड़ के गुस्से को देखते हुए आकाश को हिरासत में ले लिया गया। स्थानीय नेताओं और धार्मिक प्रतिनिधियों के समर्थन से सेना के जवानों के हस्तक्षेप के बाद स्थिति को नियंत्रण में लाया गया।उपद्रवियों ने मंगलारगांव के लोकनाथ मंदिर को भी नहीं छोड़ा। मंगलारगांव से सुनामगंज पहुंचे लोकनाथ मंदिर प्रबंध कमेटी के महासचिव खोकन रॉय के अनुसार, भीड़ ने लोकनाथ मंदिर पर भी हमला किया। इस दौरान 15 लाख रुपये से अधिक का कीमती सामान चोरी हो गया। उन्होंने दावा किया कि लगभग 100 घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। सोने के आभूषणों की दुकानों और हिंदू स्वामित्व वाली दुकानों में लूटपाट की गई। हालांकि पुलिस ने लूटपाट की घटनाओं से इनकार किया है। सब-इंस्पेक्टर अराफात इब्ने शफीउल्लाह ने कहा कि हिरासत में लिए गए युवक आकाश के खिलाफ साइबर सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया गया। जमानत न मिलने पर उसे जेल भेज दिया गया। गांव में पुलिस और सैन्यबलों को तैनात किया गया है।

चीन के साथ बीआरआई समझौते पर हस्ताक्षर का नेपाल के दो पूर्व विदेश मंत्रियों ने किया विरोध

काठमांडू, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

नेपाल और चीन के बीच बेल्ट एंड रोड कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर होने को लेकर सत्तारूढ़ दल के भीतर से ही असंतुष्टि के स्वर उठने लगे हैं। प्रधानमंत्री ओली की सरकार को समर्थन कर रहे नेपाली कांग्रेस के दो प्रमुख नेताओं ने इस समझौते का विरोध किया है। यह दोनों नेता पूर्व की सरकारों में विदेश मंत्री रह चुके हैं।

नेपाली कांग्रेस के नेता तथा प्रचंड सरकार में विदेश मंत्री रहे एनपी साउद ने कहा है कि पार्टी के निर्णय के विपरीत जाकर यह समझौता करना गलत है। उन्होंने कहा कि जब चीन के साथ ऋण लेकर बीआरआई पर कोई समझौता न करने का निर्णय लिया गया था, तब कैसे ऋण के साथ समझौता किया गया। कांग्रेसी नेता ने कहा कि इस बारे में पार्टी में गंभीर रूप से चर्चा किए जाने की आवश्यकता है। साउद ने यह भी कहा कि चीन के साथ ऋण में समझौता करने से नेपाल के अपने अन्य मित्र राष्ट्रों के साथ संबंधों पर नकारात्मक असर पड़ सकता है, जिसकी जिम्मेदारी सरकार को लेनी होगी।

इसी तरह नेपाली कांग्रेस के एक अन्य नेता एवं पूर्व विदेश मंत्री प्रकाश शरण महत ने कहा कि न सिर्फ पार्टी के भीतर, बल्कि गठबंधन में भी यह आधिकारिक निर्णय लिया गया था कि बीआरआई में चीन से ऋण लेकर कोई परियोजना नहीं बनानी है, लेकिन जिस तरह की खबरें आ रही है उसमें चीन ने अनुदान शब्द को हटाकर फाइनेंशियल असिस्टेंट रखा है, जिसका मतलब ही है कि ऋण लेने का रास्ता खुल गया है। महत ने कहा कि यदि ऐसा है तो यह चिंता की बात है। अगर प्रधानमंत्री ने इस तरह का समझौता पर हस्ताक्षर किये हैं तो यह गठबंधन को धोखा देने जैसा है।

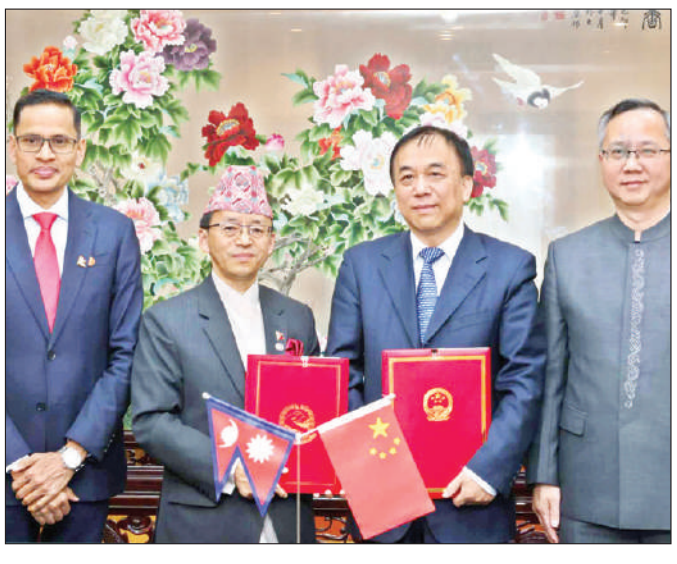

दिल्ली से पारो लौट रहे भूटान के राजा का कुछ घंटे काठमांडू में रुकने का कार्यक्रम

काठमांडू। दिल्ली के दो दिवसीय भ्रमण के बाद अपने देश लौटने के क्रम में भूटान के राजा और रानी कुछ देर के लिए शुक्रवार को काठमांडू में रुकने वाले हैं। काठमांडू ट्रांजिट के क्रम में भूटान के राजा काठमांडू में कोई राजनीतिक मुलाकात तो नहीं करेंगे लेकिन वे बौद्ध संप्रदाय के प्रमुख धार्मिक स्थलों का दौरा करने वाले हैं। काठमांडू स्थित भूटान दूतावास द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक भूटान के राजा जिग्मे खेसर वांचुक का अपने परिवार सहित काठमांडू में पांच घंटे रुकने का कार्यक्रम है। दूतावास ने यह भी बताया कि भूटान का राजपरिवार काठमांडू स्थित बौद्ध स्तूप और स्वयंभू के दर्शन करने वाले हैं। दिल्ली से काठमांडू होकर भूटान के पारो जाने के लिए ट्रांजिट होने के कारण वे यहां रुकने वाले हैं। नेपाल के विदेश मंत्रालय के चीफ प्रोटोकॉल ऑफिसर ने बताया कि भूटान के राजपरिवार को कुछ घंटे के लिए काठमांडू में रुकने के दौरान प्रोटोकॉल के हिसाब से उन्हें पूरी सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी।

रोहन बोपन्ना ने टीपीएल में प्रतिस्पर्धा करने को लेकर कहा– यह एक रोमांचक प्रारूप, खेलने में आ रहा मजा

मुंबई, 06 दिसंबर (एजेंसियां)।

दिग्गज भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) सीजन 6 में मार्की खिलाड़ियों में से एक हैं। दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन बोपन्ना राजस्थान रेंजर्स का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जो मिक्स्ड डबल्स और पुरुष डबल्स श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) में तीन दिनों के टेनिस एक्शन के बाद, उनकी टीम 154 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है और फाइनल के लिए क्वालीफिकेशन स्थान के लिए पूरी तरह से तैयार है।

बोपन्ना का यह टेनिस प्रीमियर लीग में पहला सीजन है। उन्होंने आयोजकों की ओर से जारी एक बयान में कहा, यह एक रोमांचक प्रारूप है और यह हर किसी को चौकन्ना रखता है क्योंकि हर अंक महत्वपूर्ण है। मुझे टीपीएल खेलने में बहुत मज़ा आ रहा है।

उन्होंने लंबे समय के बाद मुंबई में खेलने को लेकर कहा, 2007 में मैंने आखिरी बार मुंबई में खेला था और मुझे यहां खेलना बहुत पसंद है। मैंने इसी खास कोर्ट पर दो एटीपी फाइनल खेले हैं।

राजस्थान रेंजर्स में, बोपन्ना अपने पूर्व युगल साथी लिएंडर पेस के साथ फिर से जुड़ गए हैं, जो टीम के मेंटर हैं। पेस के साथ फिर से काम करने के अवसर के बारे में पूछे जाने पर, बोपन्ना ने कहा, वह इतने लंबे समय से मेरे साथी रहे हैं।

इस खेल को खेलते हुए मुझे 30 साल हो गए हैं, मैंने बहुत अनुभव प्राप्त किया है और वह अतिरिक्त अनुभव लेकर आए हैं। इसलिए, यह वास्तव में एक मजेदार टीम है।

इस सीजन में टेनिस प्रीमियर लीग में कई प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी खेल रहे हैं और दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन उन्हें बड़े मंच पर देखकर बहुत खुश हैं।

हैदराबाद स्ट्राइकर्स के 21 वर्षीय करण सिंह ने बोपन्ना का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। उन्होंने कहा, मैं करण को देख रहा हूँ, और मुझे लगता है कि वह एक बेहतरीन प्रतिभा है। हमें न केवल निजी प्रायोजकों से बल्कि महासंघ से भी इस तरह की प्रतिभा का समर्थन करने के लिए बहुत प्रोत्साहन की आवश्यकता है।

युवाओं को बड़े मंच पर खेलते हुए देखना अच्छा लगता है। पिछले पांच सत्रों में लीग की यात्रा और छठे सत्र में इसकी लोकप्रियता में और भी वृद्धि के बारे में बोपन्ना ने कहा, यह हर साल बढ़ रहा है और मुझे लगता है कि यही टीपीएल जैसी लीग की खूबसूरती है।

कुणाल ठाकुर और मृणाल जैन ने सभी खिलाड़ियों तक पहुंचने में शानदार काम किया है। उन्हें एक टीम प्रतियोगिता में एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने और साथ ही मौज-मस्ती करने का मौका मिलता है। यह खूबसूरत है।

न्यूज ब्रीफ

बीबीएल 14 : चोटों ने बढ़ाई टीमों की चिंता

मेलबर्न। बिग बैश लीग (बीबीएल) के नए सत्र की शुरुआत में अब केवल एक सप्ताह का समय बचा है, हालांकि खिलाड़ियों की चोटों ने टीमों की चिंता बढ़ा दी है। तीन टीमों के कप्तान बीबीएल 14 के शुरुआती मैच के लिए फिट होने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, जबकि कई अन्य चोटों से ऊबरने में लगे हैं। थ स्कॉर्चर्स के कप्तान एश्टन टर्नर पर सबसे ज्यादा संकट मंडरा रहा है, क्योंकि सप्ताहांत में क्लब टीम फ्रेमैंटल के लिए बल्लेबाजी करते हुए उन्हें चोट लग गई, जबकि सिडनी सिक्सर्स के मोइसेस हेनरिक्स और मेलबर्न रेनेगेड्स के विल सदरलैंड पिछले दो शेफील्ड शील्ड खेलों में नहीं खेल पाए हैं और बीबीएल ब्रेक से पहले शुक्रवार के अंतिम राउंड में भी नहीं खेल पाएंगे। टर्नर की अनुपस्थिति पांच बार की चैंपियन के लिए एक बड़ा झटका होगी, क्योंकि पिछले सीजन में इस ऑलराउंडर को टूर्नामेंट की पहली गेंद पर घुटने में चोट लगने के कारण अधिकांश मैच खेलने से चूकना पड़ा था। 31 वर्षीय टर्नर ने स्कॉर्चर्स के अभियान के अंतिम आठ मैचों में भाग नहीं लिया था, क्योंकि नॉकआउट फाइनल में उन्हें अपने घरेलू प्रशंसकों के सामने एडिलेड स्ट्राइकर्स ने हरा दिया था। पर्थ को बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर कूपर कोनोली और एश्टन एगर की जोड़ी की भी कमी खल सकती है, क्योंकि तीसरे वनडे में मोहम्मद हसनैन की गेंद पर कोनोली का बायां हाथ टूट गया था, जबकि एगर को विक्टोरिया के खिलाफ़ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के शील्ड मैच में फील्डिंग करते समय एसी जॉइंट में मोच आ गई थी। स्कॉर्चर्स 15 दिसंबर को ऑप्टस स्टेडियम में मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ़ बीबीएल14 सीजन की शुरुआत करेंगे। स्टार्स उस मैच के लिए पूर्व कप्तान ग्लेन मैक्सवेल की फिटनेस पर भी ध्यान दे रहे हैं, क्योंकि पिछले महीने पाकिस्तान के खिलाफ़ तीसरे टी20 में मैक्सवेल को ग्रेड टू हैमस्ट्रिंग स्ट्रेन का सामना करना पड़ा था।

फीफा क्लब विश्व कप 2025: मिस्र के क्लब अल अहली के खिलाफ टूर्नामेंट की शुरुआत करेंगे मेसी और इंटर मियामी

मियामी। लियोनेल मेसी और इंटर मियामी मिस्र के क्लब अल अहली के खिलाफ क्लब विश्व कप की शुरुआत करेंगे, जिसमें पाल्मेरास और पोर्टो भी अगले साल अमेरिका में होने वाले टूर्नामेंट के लिए उस समूह का हिस्सा होंगे। ड्रॉ गुरुवार को मियामी में आयोजित किया गया, जिसमें 32 टीमों को नए विस्तारित आयोजन में अपने पहले तीन प्रतिद्वंद्वियों का पता चला। यह टूर्नामेंट 15 जून से 13 जुलाई तक अमेरिका में 11 अलग-अलग शहरों के 12 स्टेडियमों में आयोजित किया जाएगा। फाइनल न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड में मेटलाइफ स्टेडियम में होगा, वही स्टेडियम जो 2026 विश्व कप फाइनल की मेजबानी करेगा। क्लब विश्व कप पावरहाउस क्लबों में मैनचेस्टर सिटी, रियल मैड्रिड, बायर्न म्यूनिख, पेरिस सेंट-जर्मेन, चेल्सी, बोरुसिया डॉर्टमुंड और इंटर मिलान शामिल हैं। इनके अलावा दक्षिण अमेरिका की चार सर्वोच्च रैंक वाली टीमें फ्लेमेंगो, पाल्मेरास, रिवर प्लेट और फ्लूमिनेंस भी टूर्नामेंट का हिस्सा हैं। मेजबान देश के प्रतिनिधि के रूप में मेसी की टीम इंटर मियामी को पहला मैच खेलने का गौरव प्राप्त है। यह फ्लोरिडा के मियामी गार्डन्स में हार्ड रॉक स्टेडियम में होगा। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा,यह समावेशिता के बारे में है, यह दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ 32 क्लबों और दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को एक साथ लाने के बारे में है। अन्य शुरुआती मुकाबलों में पेरिस सेंट-जर्मेन बनाम एटलेटिको मैड्रिड, ग्रुप बी में ब्राजीली क्लब बोटाफोगो बनाम सिएटल, ग्रुप ई में मॉन्टेरी बनाम इंटर मिलान और ग्रुप एच में रियल मैड्रिड का सामना सऊदी क्लब अल-हिलाल से होगा।

जोश इंगलिस को ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम से किया गया रिलीज, शेफील्ड शील्ड में खेलेंगे

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम से जोश इंगलिस को रिलीज कर दिया गया है और अब वे शेफील्ड शील्ड खेलने के लिए वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल हो गए हैं। तीन बार की चैंपियन वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया, जो वर्तमान में इस गर्मी की स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर है, ने आज से एससीजी में न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) के खिलाफ खेले जाने वाले मुकाबले के लिए इंगलिस को अपनी 13 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया था। लेकिन जब ऑस्ट्रेलिया ने पुष्टि की कि वे एडिलेड में भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए अपनी टीम में कोई परिवर्तन नहीं करेंगे, तो इंगलिस गुरुवार शाम को सिडनी के लिए रवाना हो गए और फिर वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया एकादश में शामिल कर लिया गया। इंगलिस ऑस्ट्रेलिया की बढ़ी हुई टेस्ट टीम के एकमात्र सदस्य हैं, जिसमें अब ब्यू वेबस्टर, सीन एबॉट और ब्रेंडन डॉगेट शामिल हैं, जिन्हें शील्ड मैचों के इस दौर में खेलने के लिए रिलीज किया गया है। यह दौर सोमवार को समाप्त हो रहा है, जिसका मतलब है कि इंगलिस 14 दिसंबर से ब्रिसबेन में भारत के खिलाफ शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे।

एडिलेड डे नाइट टेस्ट

पहले दिन का खेल खत्म, ऑस्ट्रेलिया की सधी शुरुआत, 1 विकेट पर 86 रन बनाए

एडिलेड, 06 दिसंबर(एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया ने यहां भारत के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे दूसरे टेस्ट (डे-नाइट) के पहले दिन का खेल खत्म होने पर अपनी पहला पारी में 1 विकेट पर 86 रन बना लिए हैं। मार्नश लाबुशेन 20 और नाथन मेकस्विनी 38 रन बनाकर नाबाद हैं। पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत से 94 रन पीछे है।

भारत ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाए थे। भारत को 180 रन पर समेटने के बाद बल्लेबाजी करने आई ऑस्ट्रेलियाई टीम की भी शुरुआत खराब रही और केवल 24 रनों के कुल स्कोर पर जसप्रीत बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। ख्वाजा ने 13 रन बनाए। इसके बाद लाबुशेन और मेकस्विनी ने संभलकर खेलना शुरु किया, हालांकि पंत ने मेकस्विनी को एक जीवनदान भी दिया, जिसका उन्होंने फायदा उठाते हुए लाबुशेन के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए अब तक 62 रन जोड़ दिये हैं। दिन का खेल खत्म होने पर लाबुशेन 20 और मेकस्विनी 38 रन बनाकर नाबाद हैं।

भारत की पहली पारी 180 पर सिमटी, नीतीश रहे शीर्ष स्कोरर

इससे पहले भारत ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाए। भारत के लिए नीतीश रेड्डी शीर्ष स्कोरर रहे, उन्होंने 42 रन बनाए। नीतीश के अलावा केएल राहुल ने 37, शुभमन गिल ने 31, रविचंद्रन अश्विन ने 22 और ऋषभ पंत ने 21 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मिचेल स्टॉर्क ने 6 विकेट झटके। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। मिचेल स्टॉर्क ने मैच की पहली ही गेंद पर पिछले मैच के शतकवीर यशस्वी जायसवाल (00) को एलबीडब्ल्यू कर भारत की शुरुआत बिगाड़ दी।

राहुल-गिल के बीच 69 रनों की साझेदारी

इसके बाद केएल राहुल और शुभमन गिल ने मिलकर भारतीय पारी को संभालने की कोशिश की

और दूसरे विकेट के लिए 69 रन जोड़े। खतरनाक दिख रही इस जोड़ी को स्टॉर्क ने अपने दूसरे स्पैल की पहली गेंद पर केएल राहुल को आउट कर तोड़ा। राहुल ने 37 रन बनाए। विराट कोहली कुछ खास नहीं कर सके और केवल 7 रन बनाकर स्टॉर्क का तीसरा शिकार बने। स्कॉट बोलैंड ने इसके बाद 81 के कुल स्कोर पर शुभमन गिल को एलबीडब्ल्यू आउट कर भारत को चौथा झटका दिया। गिल ने 31 रन बनाए।

87 के कुल स्कोर पर बोलैंड ने रोहित शर्मा (03) को आउट कर भारत को पांचवां झटका दिया। 109 के कुल स्कोर पर पंत पैट कमिंस का शिकार बने। पंत ने 21 रन बनाए। यहां से नीतीश रेड्डी और रविचंद्रन अश्विन ने टीम का स्कोर 141 रन तक पहुंचाया। इसी स्कोर पर स्टॉर्क ने अश्विन को आउट कर भारत को सातवां झटका दिया। अशअविन ने 22 रन बनाए। स्टॉर्क ने इसके बाद इसी ओवर में हर्षित राणा (00) को बोल्ड कर अपने पांच विकेट पूरे किये।

नीतीश ने खेली तेज पारी

राणा के आउट होने के बाद नीतीश रेड्डी ने अपने हाथ खोले और स्टॉर्क और बोलैंड को आड़े हाथों लिया। उन्होंने बोलैंड के एक ओवर में 2 छक्के सहित 21 रन कूट डाले। इसी बीच जसप्रीत बुमराह (00) को कमिंस ने पवेलियन भेज दिया। 180 के कुल स्कोर पर स्टॉर्क की गेंद पर बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में नीतीश ट्रैविस हेड को कैच दे बैठे। नीतीश ने 42 रनों की शानदार पारी खेली, उन्होंने अपनी पारी में 3 छक्के लगाए। वहीं, स्टॉर्क ने पारी में 6 विकेट लिए, भारत के खिलाफ उन्होंने पहली बार एक पारी में 6 विकेट हासिल किये। स्टॉर्क के अलावा कप्तान पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने 2-2 विकेट लिए।

भारत ने किये तीन बदलाव

बता दें कि भारतीय टीम ने इस मैच के लिए अपनी टीम में तीन बदलाव किये। देवदत्त पडिकल, ध्रुव जुरेल और वाशिंगटन सुंदर की जगह टीम में कप्तान रोहित शर्मा, शुभमन गिल और रविचंद्रन अश्विन को शामिल किया गया, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने चोटिल जोश हेजलवुड की जगह स्कॉट बोलैंड को टीम में शामिल किया।

सीपीएसएफआई के एथलीटों ने वर्ल्ड एबिलिटीस्पोर्ट यूथ गेम्स 2024 में अब तक जीते 6 पदक

नई दिल्ली, 06 दिसंबर(एजेंसियां)।

सेरेब्रल पाल्सी स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (सीपीएसएफआई) के एथलीटों ने थाईलैंड के नाखोन रत्चासिमा में आयोजित 2024 वर्ल्ड एबिलिटीस्पोर्ट यूथ गेम्स में शानदार प्रदर्शन किया। सीपीएसएफआई के एथलीटों ने दो स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक सहित छह पदक जीते हैं। इसमें 18 वर्षीय भविष्य कुमार का शानदार प्रदर्शन भी शामिल है, जिन्होंने 38.3 मीटर की दूरी तक चक्का फेंककर स्वर्ण पदक जीता।

प्रतिनिधिमंडल के टीम मैनेजर पंकज गुप्ता ने कहा कि यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है और कम से कम 15 पदक की उम्मीद है।

सीपीएसएफआई की महासचिव कविता सुरेश ने केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्रालय और राज्य खेल विभाग को उनके निरंतर प्रोत्साहन के लिए धन्यवाद दिया।

2024 के विश्व एबिलिटीस्पोर्ट युवा खेल 1 से 7 दिसंबर तक आयोजित किए जा रहे हैं।

विश्व एबिलिटीस्पोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, विश्व एबिलिटीस्पोर्ट युवा खेल 23 वर्ष या उससे कम आयु के एथलीटों को द्विवार्षिक बहु-खेल खेल प्रदान करता है और अक्सर उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता का पहला अनुभव प्रदान करता है। युवा खेल दुनिया भर में शारीरिक रूप से अक्षम युवा एथलीटों के विकास में मदद करते हैं, पैरालंपिक आंदोलन के विभिन्न मार्गों में उनके विकास को बढ़ावा देते हैं।

दुनिया भर के देशों में वैकल्पिक वार्षिक आधार पर आयोजित होने वाले अद्वितीय खेल वातावरण, युवा एथलीटों को टीम-वर्क और खेल के अनुभव के साथ-साथ पैरालंपिक खेलों के लिए आवश्यक चुनौतियों और अनुशासन का व्यापक ज्ञान प्रदान करते हैं।

विश्व भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में हिस्सा लेंगे तीन भारतीय भारोत्तोलक

मनामा, 06 दिसंबर(एजेंसियां)।

तीन सदस्यीय भारतीय टीम (सभी महिलाएं) बहरीन के मनामा में शुरू होने वाली विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा करेंगी। आज से 16 दिसंबर तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में टोक्यो ओलंपिक 2020 की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू एक्शन में नहीं दिखेंगी क्योंकि वह अपनी चोटों से लंबे समय तक पुनर्वास पर नजर रख रही हैं। उन्होंने आखिरी बार 2024 के पेरिस ओलंपिक में खेला था, जहां वह चौथे स्थान पर रहकर पदक से चूक गई थीं।

मीराबाई कीअनुपस्थिति में, उभरती हुई ज्ञानेश्वरी यादव महिलाओं के 49 किलोग्राम वर्ग में तिरंगे का प्रतिनिधित्व करेंगी। वह जूनियर विश्व चैंपियनशिप स्तर पर रजत पदक विजेता भी हैं और उन्होंने पिछले साल 49 किग्रा वर्ग में राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया था। वह चैंपियनशिप में अपने वर्ग के ग्रुप ए में एकमात्र भारतीय भारोत्तोलक हैं।

दूसरी भारतीय कॉमनवेल्थ गेम्स की रजत पदक विजेता बिंदियारानी देवी हैं, जो महिलाओं के 55 किलोग्राम भार वर्ग के ग्रुप बी में खेल रही हैं, जो एक गैर-ओलंपिक भार वर्ग है।

दूसरी ओर, डिटिमोनी सोनोवाल 64 किलोग्राम के ग्रुप सी में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जो एक गैर-ओलंपिक भार वर्ग भी है। इस बार इस प्रतियोगिता में भारत से कोई पुरुष प्रतियोगी नहीं होगा।

अंडर-19 एशिया कप: श्रीलंका को हराकर भारत फाइनल में, बांग्लादेश से होगी खिताबी भिड़ंत

शारजाह, 06 दिसंबर(एजेंसियां)।

भारत ने अंडर-19 एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारत ने शुक्रवार को खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में श्रीलंका को 7 विकेट से हराया। भारत की तरफ से वैभव सूर्यवंशी ने बेहतरीन अर्धशतक लगाते हुए 67 रनों की शानदार पारी खेली। फाइनल में भारत का सामना बांग्लादेश से होगा, जिसने पहले सेमीफाइनल में पाकिस्तान को सात विकेट से हराया।

श्रीलंका ने मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 46.2 ओवर में 173 रन बनाए थे। 174 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को वैभव सूर्यवंशी और आयुष महात्रे ने तेज और अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए केवल 8.2 ओवर में 91 रन जोड़ दिये। इस दौरान वैभव ने केवल 24 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। हालांकि 91 के ही कुल स्कोर पर विहास थेवमिका ने महात्रे को आउट कर श्रीलंका को पहली सफलता दिलाई। महात्रे ने 28 गेंदों पर 7 चौकों की बदौलत 34 रन बनाए।

इसके बाद वैभव और आंद्रे सिद्धार्थ टीम का स्कोर 14वें ओवर में 132 रन तक पहुंचाया। इसी ओवर में 148 के कुल स्कोर पर प्रवीण मनीषा ने वैभव को बोल्ड कर भारत को दूसरा झटका दिया। वैभव ने 36 गेंदों पर 6 चौके और 5 छक्कों की बदौलत 67 रन बनाए।

148 के कुल स्कोर पर सिद्धार्थ 22 रन बनाकर विरन चमुदीथा का शिकार बने।

यहां से कप्तान मोहम्मद अम्मान और केपी कार्तिकेय ने कोई और नुकसान नहीं होने दिया और भारत को 7 विकेट से जीत दिला दी। अम्मान 25 और कार्तिकेय 11 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने 21.4 ओवर में 175 रन बनाकर जीत हासिल की।

पहले श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। श्रीलंकाई टीम 46.2 ओवर में 173 रन पर सिमट गई। श्रीलंका की तरफ से लकविन अबेसिंघे ने बेहतरीन अर्धशतक लगाते हुए 69 रन बनाए। अबेसिंघे के अलावा शरुजन शनमुगनाथन ने 42 रन बनाए।

भारत की ओर से चेतन शर्मा ने 3, किरन कोरमाले और आयुष महात्रे ने 2-2, हार्दिक राज और युद्धजीत गुहा ने 1-1 विकेट लिया।

आईएसएल : ईस्ट बंगाल के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी चेन्नइयन एफसी

चेन्नई, 06दिसंबर(एजेंसियां)।

चेन्नइयन एफसी और ईस्ट बंगाल एफसी शनिवार शाम चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में भिड़ेंगी, तो दोनों टीमों का लक्ष्य जीत से अपने अभियान को मजबूती देना होगा।

ईस्ट बंगाल एफसी आठ मैचों में एक जीत, एक ड्रा और छह हार से चार अंक लेकर 13 टीमों की तालिका में सबसे निचले स्थान पर बैठी है।

हालांकि ईस्ट बंगाल ने अपने पिछले मैच में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड को 1-0 हराकर इस सीजन में जीत का स्वाद चखा था। वहीं, चेन्नइयन एफसी 10 मैचों में तीन जीत, तीन ड्रा और चार हार से 12 अंक लेकर तालिका में नौवें स्थान पर है। वो लगातार दो हार का सिलसिला खत्म करके जीत की पटरी पर लौटना चाहेंगी।

चेन्नइयन ने कोलकाता की क्लबों के खिलाफ अपने पिछले दो आईएसएल मैच 0-1 के समान स्कोरलाइन से गंवाए हैं, जब वे 26 सितंबर, 2024 को मोहम्मडन एससी से और फिर 30 नवंबर, 2024 को मोहन बागान सुपर जायंट से हारे थे।

हालांकि, चेन्नइयन इस सीजन में 26.3त्न खेल समय तक बढ़त पर रही है, जो ईस्ट बंगाल एफसी के 10.5त्न से काफी अधिक है।

चेन्नइयन अपने पिछले दो मैचों में गोलरहित रहे हैं, जो दिसंबर 2023-फरवरी 2024 के बीच उनके पिछले खराब प्रदर्शन को दोहराता है, जब वे लगातार तीन मुकाबलों में गोल नहीं कर पाए थे।

ईस्ट बंगाल एफसी ने इस सीजन में पहली बार लगातार दो क्लीन शीट हासिल की है, जो उनकी डिफेंसिव मजबूती दिखाता है।

अनवर अली ने इस सीजन में तीन मैचों में 8+ क्लीयरेंस दर्ज किए हैं, जो स्टीफन एजे और एलेक्स साजी के साथ संयुक्त रूप से सबसे अधिक है। चेन्नइयन एफसी के स्कॉटिश हेड कोच ओवेन कॉयल को पूरा भरोसा है कि उनकी टीम हालिया असफलताओं के बावजूद, अच्छा प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

उन्होंने कहा, हम अभी भी अच्छी स्थिति में हैं। इसलिए मैं आगे बढ़ने को लेकर उत्साहित हूं क्योंकि आगामी मुकाबले घर पर हैं और हम पूरे अंक बटोर करके खुद को प्लेऑफ स्थानों पर वापस लाने की कोशिश कर सकते हैं। यही हमारी कोशिश रहेगी।

ईस्ट बंगाल एफसी के स्पेनिश हेड कोच ऑस्कर ब्रुजोन ने कहा कि वह मरीना माचान्स की सामूहिक पर ध्यान केंद्रित करना चाहेंगे।

उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि घर या बाहर खेलने से परिणाम पर कोई प्रभाव पड़ेगा। मैं टीम के तौर चेन्नइयन एफसी पर ध्यान केंद्रित करना चाहूंगा। वो लीग के शीर्ष-3 कोचों में से एक कोच के साथ बहुत बढ़िया टीम हैं।

बता दें कि आईएसएल में दोनों टीमों के बीच आठ मुकाबले हुए हैं, जिसमें से चेन्नइयन एफसी ने दो बार जीत हासिल की है जबकि ईस्ट बंगाल एफसी एक मैच जीती है। पांच मैच ड्रा रहे हैं।

देश का स्वर्ण भंडार बढ़कर 882 टन आरबीआई ने खरीदा 27 टन सोना

मुंबई/नई दिल्ली,06 दिसंबर (एजेंसियां)।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने इस साल अक्टूबर में दुनियाभर के अन्य केंद्रीय बैंकों की तुलना में सबसे ज्यादा 27 टन सोना खरीदा है। इसके साथ ही देश का स्वर्ण भंडार बढ़कर 882 टन पहुंच गया है, जिसमें से 510 टन सोना देश में ही मौजूद है।

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की तरफ से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर में दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों ने कुल 60 टन सोना खरीदा। रिजर्व बैंक ने सबसे ज्यादा 27 टन सोना खरीदा। इसके बाद तुर्किये का केंद्रीय बैंक 17 टन सोना के साथ भारत के आरबीआई के बाद दूसरे और पोलैंड 8 टन सोना के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत, तुर्किये और पोलैंड के केंद्रीय बैंकों की कुल वैश्विक स्वर्ण खरीदारी में 60 फीसदी हिस्सेदारी रही है। चीन का केंद्रीय बैंक सोना खरीदने के मामले में चौथे और अजरबैजान पांचवें स्थान पर रहा। कजाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने लगातार पांच महीने तक सोना बेचने के बाद अक्टूबर में पहली बार खरीदारी की। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) की मासिक रिपोर्ट पर आधारित डब्ल्यूजीसी के आंकड़ों के अनुसार उभरते देशों के केंद्रीय बैंकों ने सोना की खरीदारी में अपना दबदबा कायम रखा है। आरबीआई ने इस वर्ष जनवरी से अक्टूबर तक कुल 77 टन सोना खरीदा है। ये पिछले साल की समान अवधि की तुलना में पांच गुना ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान तुर्किये ने अपने स्वर्ण भंडार में 72 टन और पोलैंड ने 62 टन सोने की बढ़ोतरी की है। वहीं, सिंगापुर समेत कई देशों के केंद्रीय बैंकों ने अक्टूबर में सोना बेचा है। इनमें जर्मनी, मंगोलिया, जॉर्डन, थाईलैंड और फिलीपीन भी शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

कंपनी जगत द्वारा कर्मचारियों को कम वेतन देना आत्मघाती हो सकता है: नागेश्वरन

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा कि भारतीय

कंपनी जगत द्वारा कर्मचारियों को अपेक्षाकृत कम वेतन देना आत्मघाती हो सकता है। उन्होंने कहा कि इसका उपभोक्ता मांग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। विश्लेषकों ने जुलाई-सितंबर तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सात तिमाही में सबसे कम 5.4 फीसदी रहने के पीछे शहरी क्षेत्रों में कम वेतन वृद्धि को एक प्रमुख कारण बताया था और नागेश्वर ने इसी संदर्भ में यह टिप्पणी की। एसोचैम के एक कार्यक्रम में नागेश्वरन ने कहा कि वित्त वर्ष 2024 में कारोबारी जगत का मुनाफा 15 साल में सबसे अधिक 4.8 फीसदी रहा था। उन्होंने कहा कि सूचीबद्ध निजी कंपनियों की कर्मचारी लागत घट रही है। कंपनियों ने मुनाफे का इस्तेमाल अपना कर्ज घटाने में किया है। लेकिन अब पूंजी निर्माण के साथ रोजगार वृद्धि के सही तालमेल का समय आ गया है। इसके बिना कंपनियों के उत्पादों के लिए अर्थव्यवस्था में पर्याप्त मांग नहीं आएगी। दूसरे शब्दों में कर्मचारियों को पर्याप्त वेतन भुगतान नहीं होने से अंततः कारोबारी जगत को ही नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि सरकार अर्थव्यवस्था में रोजगार सृजन करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया है। जीडीपी आंकड़ों पर आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के एक विश्लेषक की रिपोर्ट में कहा गया है कि शहरी मांग में तेजी नहीं आने से निजी खपत वृद्धि नरम रही। रिपोर्ट में कहा गया कि खपत मांग में कमी कंपनियों की लाभ वृद्धि में गिरावट के साथ ही शहरी वेतन वृद्धि में मंदी को दर्शाता है। वित्त वर्ष 2024 की दूसरी छमाही में शहरी मांग में नरमी आनी शुरू हुई थी और शहरी क्षेत्रों में वेतन वृद्धि भी कम रही थी। यह रुझान वित्त वर्ष 2025 में भी जारी रह सकता क्योंकि कंपनियों की मुनाफा वृद्धि घटी है। सितंबर तिमाही में कम जीडीपी वृद्धि के बारे में नागेश्वरन ने कहा कि इन आंकड़ों में मौसमी प्रभाव को शामिल नहीं किया गया था और बाद में वृद्धि दर के आंकड़े को संशोधित कर बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष 6.5 से 7 फीसदी वृद्धि दर का अनुमान अभी भी हासिल किया जा सकता है।

आरबीआई ने लगातार 11वीं बार रेपो रेट को 6.50 फीसदी पर बरकरार रखा

मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने लगातार 11वीं बार नीतिगत दर में कोई बदलाव नहीं किया है। आरबीआई ने रेपो रेट को 6.50 फीसदी पर बरकरार रखा है। आपके लोन महंगे नहीं होंगे और आपकी ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी। रिजर्व बैंक ने आखिरी बार फरवरी 2023 में रेपो रेट को 0.25 फीसदी बढ़ाकर 6.5 फीसदी किया था। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की द्वामासिक समीक्षा बैठक के बाद फैसले की जानकारी देते हुए बताया कि 4: 2 के बहुमत से नीतिगत रेपो रेट को 6.50 फीसदी पर अपरिवर्तित रखा गया है। दास ने कहा कि स्थायी जमा सुविधा एसडीएफ दर 6.25 फीसदी और सीमांत स्थायी सुविधा एमएसएफ दर 6.75 फीसदी पर बनी हुई है। शक्तिकांत दास ने कहा कि आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 6.6 फीसदी कर दिया है, जबकि पहले यह अनुमान 7.2 फीसदी था। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए खुदरा महंगाई दर का अनुमान 4.5 फीसदी से बढ़ा कर 4.8 फीसदी कर दिया है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि एमपीसी ने सर्वसम्मति से इस तटस्थ नीति रुख को बनाए रखने पर अपनी सहमति व्यक्त की है, जो वर्तमान आर्थिक स्थितियों के प्रति सतर्क दृष्टिकोण का संकेत देता है। आरबीआई के छह सदस्यीय एमपीसी में तीन केंद्रीय बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास, डिप्टी गवर्नर माइकल पात्रा और एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राजीव रंजन हैं। वहीं, केंद्र सरकार ने 1 अक्टूबर को मौद्रिक नीति समिति में राम सिंह, सौगत भट्टाचार्य और नागेश कुमार सहित तीन नए बाहरी सदस्यों की नियुक्ति की है। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ने फरवरी, 2023 से रेपो रेट 6.50 फीसदी पर अपरिवर्तित रखा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कांग्रेस-सीपीसी...

समारोह में बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी, हिफाजत-ए-इस्लाम बांग्लादेश, खिलाफत मजलिस, बांग्लादेश खिलाफत आंदोलन और निजाम-ए-इस्लाम पार्टी के प्रतिनिधि शामिल थे, जहां जमात-ए-इस्लामी प्रमुख शफीकुर रहमान को विशेष ध्यान और सम्मान दिया गया।

इस कार्यक्रम में चीन के राजदूत याओ वेन ने कहा, घरेलू या क्षेत्रीय परिस्थितियों में बदलाव के बावजूद, चीन-बांग्लादेश संबंध स्थिर रहे हैं और सही दिशा में लगातार आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, यह स्थिर साझेदारी क्षेत्रीय शांति और समृद्धि का एक स्तंभ बन गई है। चीन-बांग्लादेश की दोस्ती समुदाय में गहराई से निहित है और दोनों देशों को लाभान्वित करती है। इससे पहले, चीनी दूत ने ढाका में जमात-ए-इस्लामी के कार्यालय का दौरा किया, जहां उन्होंने जमात-ए-इस्लामी को एक सुव्यवस्थित राजनीतिक दल करार दिया। राजदूत के साथ जमात के अमीर डॉ. शफीकुर रहमान ने मीडिया को बताया कि चर्चा में शिक्षा, संस्कृति और विकास सहित आपसी हितों के मामले शामिल थे। दोनों पक्षों ने चीन-बांग्लादेश संबंधों, अंतर-पार्टी आदान-प्रदान और सहयोग और आम चिंता के अन्य मुद्दों पर विचारों का गहन आदान-प्रदान किया।

राजदूत याओ ने कहा कि वर्तमान में बांग्लादेश एक ऐतिहासिक चौराहे पर है और कहा, चीन अंतरिम सरकार, सभी राजनीतिक दलों और बांग्लादेश में सभी क्षेत्रों के साथ आदान-प्रदान और सहयोग को गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि दोनों देशों के बीच पारंपरिक मैत्री को मजबूत किया जा सके और चीन-बांग्लादेश व्यापक रणनीतिक सहकारी साझेदारी के निरंतर विकास को बढ़ावा दिया जा सके, ताकि दोनों देशों और दोनों लोगों को अधिक लाभ मिल सके। अमीर डॉ शफीकुर रहमान ने बांग्लादेश के आर्थिक और सामाजिक विकास में चीन के महान योगदान की सराहना की। उन्होंने एक-चीन सिद्धांत के लिए जमात के दृढ़ समर्थन को दोहराया और कहा कि यह चीनी पक्ष के साथ दोनों दलों और दोनों देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने के लिए तैयार है। उन्होंने चीन से निवेश और रोहिंग्याओं के पुनर्वास में अधिक सक्रिय होने का भी अनुरोध किया। बैठक में जमात के नायब-ए-अमीर मुजीबुर रहमान, डॉ सैयद अब्दुल्ला एमडी ताहिर, महासचिव मिया गुलाम पोरवार और अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

इस बीच, जमात-ए-इस्लामी के नेता चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के निमंत्रण पर चीन की यात्रा पर हैं। जमात-ए-इस्लामी के 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में इसके नायब-ए-अमीर सैयद अब्दुल्ला मोहम्मद ताहिर शामिल हैं। इससे पहले, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के चार नेताओं ने भी चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के निमंत्रण पर 7 से 16 नवंबर तक चीन की 10 दिवसीय यात्रा की थी। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व पार्टी के उपाध्यक्ष असदुज्जमां रिपन, संयुक्त महासचिव हबीबुन नबी सोहेल, संगठन सचिव अनिंद्य इस्लाम अमित और जातीयतावादी कृषक दल की संयुक्त सचिव महमूदा हबीबा ने किया था।

5 अगस्त को शेख हसीना के देश छोड़ कर जाने के बाद, चीन ने तुरंत बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी, जमात-ए-इस्लामी और देश में मौजूद अन्य इस्लामी पार्टियों के साथ-साथ हिफाजत-ए-इस्लाम को अपने पाले में कर लिया, क्योंकि उसे लगा कि भविष्य में ये पार्टियां ही सत्ता में होंगी। 1971 में बांग्लादेश की आज़ादी की लड़ाई के दौरान, चीन ने इसका कड़ा विरोध किया और खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया।

एक कूटनीतिक स्रोत ने बताया कि बीजिंग इन पार्टियों और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के साथ संचार का पुल बनाने के लिए बीएनपी और जमात के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करना चाहता है। इस तरह के समझौता ज्ञापन के पीछे एक प्रमुख कारण बांग्लादेश में चीन के बढ़ते प्रभाव और उसके आर्थिक और सामरिक हितों को सुनिश्चित करना है। चीन एक समुद्री बंदरगाह परियोजना के लिए अनुबंध के लिए सक्रिय रूप से पैरवी कर रहा है। चीन मोंगला बंदरगाह के विकास के लिए वापस आने के लिए तैयार है, क्योंकि बांग्लादेश की मौजूदा अंतरिम सरकार उन्नयन के लिए 40.68 बिलियन बांग्लादेशी मुद्रा की परियोजना में चीनी निवेश की अनुमति दे सकती है।

मोंगला पोर्ट अथॉरिटी ने हाल ही में चीन द्वारा वित्तपोषित परियोजना के लिए मंजूरी मांगी है, जिससे एक बार रुकी हुई बोली फिर से शुरू हो गई है। इससे पहले, इस परियोजना को अपदस्थ शेख हसीना सरकार ने कथित तौर पर सितंबर 2023 में भू-राजनीतिक विचारों पर रोक दिया था। 2020 में, पिछली सरकार ने मोंगला बंदरगाह को उन्नत करने पर एक अलग परियोजना के लिए भारतीय वित्तीय सहायता की अनुमति दी, जो अब इस क्षेत्र में चीन द्वारा किए गए प्रमुख संचार-बुनियादी ढांचे के विकास के साथ प्रमुखता प्राप्त कर रही है।

शिपिंग मंत्रालय के तहत मोंगला पोर्ट अथॉरिटी (एमपीए) 2020 से बंदरगाह को उन्नत करने के लिए बीडीटी 60.15 बिलियन की परियोजना को लागू कर रही है, जिसमें भारतीय ऋण से बीडीटी 44.59 बिलियन का आंशिक वित्तपोषण शामिल है। चूंकि बंगाल की खाड़ी भारत के रक्षा हितों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, इसलिए चीन बीएनपी और जमात सहित प्रमुख इस्लामी दलों के सहयोग से मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली वर्तमान अंतरिम सरकार से कुछ रणनीतिक परियोजनाएं हासिल करने की बेतहाशा कोशिश कर रहा है।

2018 में, चीन ने बांग्लादेश में सबसे बड़े प्रत्यक्ष विदेशी निवेशक के रूप में अमेरिका को पीछे छोड़ दिया, और चाइना हार्बर इंजीनियरिंग कंपनी ने एक महत्वपूर्ण बंदरगाह शहर चटगांव में 750 एकड़ का औद्योगिक पार्क विकसित करना शुरू कर दिया। चीन लगभग 10 बिलियन अमेरिकी डॉलर के अपने निवेश के बदले में औद्योगिक पार्क का 70 प्रतिशत हिस्सा रखेगा।

प्रमुख इस्लामवादी और भारत विरोधी दलों, विशेषकर बीएनपी और जमात के साथ संबंधों को मजबूत करने में चीन की बढ़ती पहल के साथ, यह स्पष्ट रूप से समझा जा सकता है कि बीजिंग बांग्लादेश में चीन के भू-राजनीतिक और आर्थिक हितों का और अधिक विस्तार करने के लिए मुहम्मद यूनुस की सरकार के भारत विरोधी रुख को भुनाने की कोशिश कर रहा है, इस तथ्य के बावजूद कि 20 जनवरी, 2025 को डोनाल्ड ट्रम्प के पदभार ग्रहण करने के बाद ऐसी व्यवस्था गंभीर जांच के दायरे में आ सकती है।

इस समय बांग्लादेशी इस्लामी ताकतों और चीन के लिए मुख्य चुनौतियां वाशिंगटन और नई दिल्ली से आएंगी और कोई भी बीजिंग को बांग्लादेश में अपना पूर्ण प्रभुत्व स्थापित करने और भू-राजनीतिक लाभ उठाने की अनुमति नहीं देगा। यह बांग्लादेश में मौजूदा क्रांतिकारी इस्लामी शासन के साथ भू-रणनीतिक और सैन्य समझौतों की पारस्परिक या एकल रूप से लाभकारी व्यवस्था में प्रवेश करने का भी प्रयास करेगा। उस स्थिति में, जाहिर है, उदाहरण के लिए, पाकिस्तान जैसे देश, जो चीन के लंबे समय से सहयोगी रहे हैं, उन्हें बांग्लादेश में अपनी प्रमुख उपस्थिति को फिर से स्थापित करने का अवसर मिलेगा, जिससे मौजूदा अराजक स्थिति और भी खराब हो जाएगी।

बांग्लादेश सरकार...

बांग्लादेश के सेंट्रल बैंक ने नए नोटों की छपाई चालू कर दी है। सेंट्रल बैंक 100, 200, 500 और 1000 टका के नोटों की छपाई कर रही है। इनकी छपाई बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के आदेश पर हो रही है। इन नोटों पर मुजीबुर रहमान की फोटो नहीं होगी। इनसे यह हटा दी गई है। इनकी जगह पर जुलाई-अगस्त में हुए इस्लामी कट्टरपंथियों के प्रदर्शन की तस्वीरों को इन नोटों पर लगाई जाएंगी। इसके अलावा इन नोटों पर बांग्लादेश की मस्जिदों और बाकी धार्मिक स्थलों की फोटो इन पर छापी जाएगी। यह नोट अगले 6 महीने के भीतर बाजार में आएंगे। पहले बड़े नोटों पर मुजीबुर रहमान की फोटो हटाई जा रही है, इसके बाद सभी प्रकार की करेंसी नोट पर यही नीति लागू की जाएगी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने 29 सितम्बर, 2024 को इन नोटों की डिजाइन बदलने को लेकर सेंट्रल बैंक को कहा था, जिनकी डिजाइन अब फाइनल हो गई है।

हालांकि, यह पहला मौका नहीं है जब बांग्लादेश की यूनुस सरकार ने मुजीबुर रहमान की स्मृतियां मिटाने का प्रयास किया है। इससे पहले यूनुस सरकार के एक मंत्री (एडवाइजर) महफूज आलम ने राष्ट्रपति के दफ्तर बांग्ला भवन के दरबार हॉल से मुजीबुर रहमान की फोटो हटा दी थी। बांग्लादेश की यूनुस सरकार ने सत्ता में आते ही 8 छुट्टियों को भी रद्द कर दिया था। यह छुट्टियां बंगबंधु की हत्या की तारीख और बाकी घटनाओं से जुड़ी हुई थीं। यहां तक कि बांग्लादेश मुक्ति युद्ध से जुड़ी फोटो भी हटा दी गईं थी। यूनुस सरकार में शामिल एडवाइजर मुजीबुर रहमान को फासिस्ट बता चुके हैं। बांग्लादेश में मुजीबुर रहमान के साथ वही बर्ताव किया जा रहा है जो पाकिस्तान में किया जाता रहा है। पाकिस्तानी मुजीबुर रहमान से घृणा करते आए हैं, वह उन्हें पाकिस्तान तोड़ने का दोषी मानते हैं। बांग्लादेश में अब तक मुजीबुर रहमान को करोड़ों बंगालियों को मुक्ति दिलाने वाले नायक माना जाता रहा है। इस्लामी कट्टरपंथियों की हिंसा के सहारे सत्ता में आई यूनुस की अंतरिम सरकार इन सब चीजों को मिटाना चाहती है।

दिल्ली कूच...

कल का दिन केंद्र सरकार से बातचीत के लिए रखा गया है। उन्होंने कहा है कि वे बातचीत के लिए तैयार हैं, हम कल तक इंतजार करेंगे। हम सरकार से टकराव नहीं चाहते हैं। पुलिस का कहना था कि किसान दिल्ली पुलिस की अनुमति लेकर आएं तभी उन्हें आगे बढ़ने दिया जाएगा। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए अंबाला में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई है। अंबाला के डंगदेहरी, लोहगढ़, मानकपुर, डडियाना, बारी घेल, लहारसा, कालू माजरा, देवी नगर, सद्दोपुर, सुल्तानपुर और काकरू में 9 दिसंबर तक मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद रहेगी।

किसानों से...

केंद्रीय कृषि मंत्री ने शुक्रवार को राज्यसभा में कहा कि पीएम मोदी सरकार सभी कृषि उपजों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदेगी। कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा, किसानों के लिए अपने मुद्दों पर बातचीत करने के लिए दरवाजे खुले हैं। मैं भी उनका भाई हूं और अगर वे आना चाहते हैं तो दरवाजे खुले हैं, अगर वे चाहते हैं कि हम उनके पास जाएं तो हम उनके बीच जाकर बातचीत करेंगे।

संसद में बहस के दौरान सभापति जगदीप धनखड़ ने शिवराज सिंह चौहान के बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने शिवराज सिंह के समर्थन में कहा कि माननीय मंत्री मेरे साथ थे। जाते समय भी मेरे साथ थे, आते समय भी मेरे साथ थे। जिस व्यक्ति की पहचान देश में लाडले के नाम से थी, अब वह किसानों का लाडला होगा। मैं पूरी तरह आशान्वित हूं कि अपने नाम के अनुरूप मंत्री शिवराज यह कर के दिखाएंगे। जयराम रमेश से मुझे उम्मीद थी कि वे कुछ प्रश्न पूछेंगे। अच्छा लगता अगर एक बार भी स्थगन प्रस्ताव आता। आज मैंने शिवराज सिंह चौहान नाम का नामांकन कर दिया, किसान के लाडले।

राज्यसभा...

सदस्य का नाम सही ढंग से बताया। इसमें क्या गलत है? इस पर आपत्ति क्यों होनी चाहिए? क्या आपको नहीं लगता कि जब हम डिजिटल इंडिया की ओर बढ़ रहे हैं, तो सदन में नोटों का बंडल ले जाना उचित है? हम सदन में नोटों का बंडल नहीं ले जाते। मैं अध्यक्ष की इस टिप्पणी से पूरी तरह सहमत हूं कि इसकी गंभीर जांच होनी चाहिए और सदस्यों द्वारा उठाई गई चिंताएं भी बहुत वास्तविक हैं।कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि सदन में मिले पैसे उनके नहीं हैं। सिंघवी ने सफाई जरूर पेश की है, लेकिन यह विवाद थमता नहीं दिख रहा। अभिषेक मनु सिंघवी अकूत धन के मालिक हैं। उन्होंने जब राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन किया था, तब हलफनामे के जरिए बताया था कि उनकी नेट वर्थ 360 करोड़ रुपए है। वर्ष 2021-22 में यह आंकड़ा 291 करोड़ दर्ज किया गया था। अभिषेक मनु सिंघवी की पत्नी अनिता सिंघवी के पास भी 11.42 करोड़ की सम्पत्ति है। सिंघवी की सम्पत्ति का यह आधिकारिक ब्यौरा है। अभिषेक मनु सिंघवी की असल सम्पत्ति 649 करोड़ रुपए है। तीन करोड़ रुपए उनके बैंक अकाउंट में हैं। इसके ऊपर 368 करोड़ रुपए उन्होंने शेयर और बॉन्ड में निवेश कर रखे हैं। अभिषेक मनु सिंघवी वकील हैं जो पिछले 40 साल से प्रैक्टिस कर रहे हैं। वे अपने एक क्लाइंट से 6 से 11 लाख रुपए फीस लेते हैं। यह राशि कोर्ट में एक बार पेश होने की होती है। बहरहाल, इस समय यह दिग्गज वकील बड़े मामले में फंस चुके हैं। उनकी राज्यसभा सीट के नीचे से नोटों की गड्डी का मिलना काफी गंभीर मुद्दा बन चुका है।

बिन कासिम ...

इस गिरफ्तारी का असर ये हुआ कि केंद्र में जनता दल की वीपी सिंह सरकार गिर गई, जो भाजपा के समर्थन से चल रही थी। इसके बाद वीपी सिंह से अलग होकर चंद्रशेखर ने कांग्रेस के समर्थन से सरकार बनाई, लेकिन ये भी ज्यादा नहीं चल सकी। नए सिरे से चुनाव हुए और केंद्र में कांग्रेस की सरकार आई। पीवी नरसिम्हा राव प्रधानमंत्री बने। राम मंदिर आंदोलन के बढ़ते प्रभाव के चलते अयोध्या के साथ ही कई और मंदिर-मस्जिद विवाद उठने लगे थे। इन विवादों पर विराम लगाने के लिए ही नरसिम्हा राव सरकार ये कानून लेकर आई थी।

ऐसा नहीं है कि इस कानून का पहली बार विरोध हो रहा है। जुलाई 1991 में जब केंद्र सरकार ये कानून लेकर आई थी तब भी संसद में भाजपा ने इसका विरोध किया था। उस वक्त राज्यसभा में अरुण जेटली और लोकसभा में उमा भारती ने इस मामले को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजने की मांग की थी, लेकिन इसके बाद भी ये कानून पास हो गया। 2019 में अयोध्या मामले का फैसला आने के बाद एक बार फिर काशी और मथुरा सहित देशभर के करीब 100 पूजा स्थलों पर मंदिर की जमीन होने को लेकर दावेदारी की जा रही है, लेकिन 1991 के कानून के चलते दावा करने वाले कोर्ट नहीं जा सकते। यही विवाद की मूल वजह है।

सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका किसी धर्म स्थल की दावेदारी को लेकर नहीं लगाई गई, बल्कि इस याचिका में तो दावेदारी पर रोक लगाने वाले 1991 के कानून की वैधानिकता को चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ताओं में से एक अश्विनी उपाध्याय ने कानून को भेदभावपूर्ण और मौलिक अधिकारों का उल्लंघन बताते हुए चुनौती दी है। याचिका में इस कानून की धारा दो, तीन, चार को रद्द करने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता का कहना है कि ये धाराएं 1192 से लेकर 1947 के दौरान आक्रांताओं द्वारा गैरकानूनी रूप से स्थापित किए गए पूजा स्थलों को कानूनी मान्यता देते हैं।

याचिका में कहा गया है कि यह कानून हिंदू, जैन, सिख और बौद्ध धर्म के लोगों को उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित करता है। उनके जिन धार्मिक और तीर्थ स्थलों को विदेशी आक्रमणकारियों ने तोड़ा, उसे वापस पाने के उनके कानूनी रास्ते को भी बंद करता है। याचिका में कहा गया है कि इस एक्ट में राम जन्मभूमि का जिक्र है और उसे कानून के दायरे से अलग रखा गया है, लेकिन कृष्ण जन्म भूमि को नहीं। जबकि राम और कृष्ण दोनों ही विष्णु का अवतार हैं। ऐसे में ये कानून संविधान के आर्टिकल-14 और 15 का उल्लंघन करता है जो सभी को समानता का अधिकार देता है।

अब अगर सुप्रीम कोर्ट पूजा स्थल कानून की वैधानिकता पर विचार करता है तो इसका असर काशी-मथुरा के मंदिर विवादों पर भी पड़ेगा। इन मंदिरों के लिए भी अयोध्या मामले की तरह कानूनी लड़ाई का नया रास्ता खुल सकता है। दावा है कि मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद जिस जमीन के ऊपर बनाई गई है, उसके नीचे ही वो जगह है जहां श्री कृष्ण का जन्म हुआ था। 17वीं सदी में औरंगजेब ने यहां मंदिर तोड़कर मस्जिद बनवा दी थी। इसी तरह काशी के विश्वनाथ मंदिर और ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर भी विवाद है। याचिकाकर्ता के मुताबिक देश में ऐसे 900 मंदिर हैं जिन्हें 1192 से 1947 के बीच तोड़कर उनकी जमीन पर कब्जा करके मस्जिद या चर्च बना दिया गया। इनमें से सौ तो ऐसे हैं जिनका जिक्र हमारे 18 महापुराणों में है। वो कहते हैं कि इस कानून का बेस 1947 रखा गया है। अगर इस तरह का कोई बेस बनाया जाता है तो वो बेस 1192 ही होना चाहिए।

हिंदू हितों के लिए काम करने वाले सुप्रीम कोर्ट के वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा है कि 1991 में लाया गया प्लेसेस ऑफ़ वरशिप एक्ट असंवैधानिक है। उन्होंने कहा है कि इसमें मंदिरों और बाकी धार्मिक स्थलों की जोस्थिति को तय करने वाली जो तारीख रखी गई है, वह गलत है। जैन ने इस कानून को नागरिक अधिकारों का हनन बताया है। वकील विष्णु शंकर ने इस मामले में हिंदू पक्ष की तरफ से बहस कर रहे हैं। उन्होंने कोर्ट से मांग की है कि इस कानून को असंवैधानिक घोषित किया जाए। विष्णु शंकर जैन ने कहा, इस एक्ट में कट ऑफ की तारीख 15 अगस्त 1947 क्यों है, यह तारीख 712 ईस्वी क्यों नहीं है? जब मुहम्मद बिन कासिम ने भारत में मंदिरों में तोड़ा था, वही तारीख कट ऑफ होनी चाहिए।

कट ऑफ की तारीख 15 अगस्त 1947 होनी ही नहीं चाहिए। यह असंवैधानिक है। संसद को ऐसा क़ानून बनाने की कोई शक्ति नहीं है जो लोगों को अदालत जाने से रोकता है। यह संविधान के मूल ढांचे और संवैधानिक अधिकारों के खिलाफ है।

घर की इस दिशा में लगाएं पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर, जीवन से दूर होगा हर संकट

आज के दौर में जीवन में चुनौतियां कम होने का नाम नहीं लेती हैं। एक संकट से उभरते हैं, तो दूसरे को सामने खड़ा पाते हैं। ऐसे में आधात्मिक मान्यता है कि हनुमान जी की अराधना करनी चाहिए। वह एक ऐसे देवता है कि जिनका नाम लेने भर से संकट दूर हो जाते हैं।

शास्त्रों में बताया गया है कि भगवान श्रीराम के सामने चुनौतियां खड़ी हुईं, तो उनकी मदद के लिए हनुमान जी ने पंचमुखी अवतार लिया था। अब आप भी अपने जीवन से संकट को दूर करने के लिए घर में पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर लगा सकते हैं। हम आपको इस आर्टिकल में बताएंगे पंचमुखी में हनुमान जी के हर मुख का अर्थ क्या है। आप किस दिशा में पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर लगा सकते हैं।

वास्तु शास्त्र की मानें तो पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर को घर के मैन गेट पर लगाना चाहिए। आपके ऐसा करने से घर में नकारात्मक शक्तियां प्रवेश नहीं कर पाएंगी।

घर में पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर लगाते समय यह ध्यान रखें कि उनका मुख दक्षिण दिशा की तरफ ही हो, क्योंकि इस दिशा से बहुत अधिक नकारात्मक ऊर्जा निकलती है। इस दिशा में उनकी तस्वीर लगाने से घर में खुशहाली आती है।

पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर घर के दक्षिण-पश्चिम कोने में भी लगा सकते हैं। ऐसा करने से घर के सभी वास्तुदोष खत्म हो जाते हैं।

पंचमुखी हनुमान के पांच मुख के महत्व जानें

वानर मुख – यह मुख पूर्व दिशा की ओर होता है। इससे दुश्मनों की हार होती है

गरुड़ मुख –यह मुख पश्चिम दिशा की ओर होता है। इससे जीवन में आने वाली हर समस्या दूर होती है।

वराह मुख– यह मुख उत्तर दिशा की ओर होता है। इससे लंबी उम्र और शक्ति मिलती है।

नृसिंह मुख–यह मुख दक्षिण दिशा की ओर होता है। इससे निडरता आती है व तनाव से मुक्ति मिलती है।

अश्व मुख–यह मुख आकाश दिशा की ओर होता है। इससे व्यक्ति की मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

मार्गशीर्ष मास का अंतिम प्रदोष व्रत 13 को

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत का बड़ा महत्व है। यह व्रत भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा के लिए समर्पित है। पंचांग के अनुसार, 13 दिसंबर को मार्गशीर्ष मास का अंतिम प्रदोष व्रत मनाया जायेगा। इस पवित्र दिन पर शिव भक्त व्रत रखते हैं और पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ पूजा-अर्चना करते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस व्रत को रखने से शिव परिवार की कृपा प्राप्त होती है। इसके साथ ही सभी इच्छाएं पूरी होती हैं।

वहीं, ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस दिन कई शुभ योग का निर्माण हो रहा है, जिसके चलते इस दिन का महत्व और भी ज्यादा बढ़ गया है।

प्रदोष व्रत शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 12 दिसंबर को देर रात 10 बजकर 26 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इसका समापन अगले दिन 13 दिसंबर को शाम 07 बजकर 40 मिनट पर होगा। ऐसे में 13 दिसंबर को मार्गशीर्ष मास का अंतिम प्रदोष व्रत मनाया जायेगा।

इस दिन प्रदोष काल शाम 05 बजकर 26 मिनट से लेकर शाम 07 बजकर 40 मिनट तक रहेगा। इस बार यह दिन शुक्रवार को पड़ रहा है, जिस वजह से यह शुक्र प्रदोष व्रत कहा जाएगा।

प्रदोष व्रत पर बन रहे हैं ये शुभ योग

पंचांग को देखते हुए इस बार प्रदोष व्रत पर कई दुर्लभ संयोग बन रहे हैं। दरअसल, इस दिन शिव और सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है। शिव योग सुबह 10 बजकर 54 मिनट तक रहेगा। इसके बाद सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है। इसके साथ इस पावन दिन पर रवि योग भी बन रहा है।

कहा जा रहा है कि इस शुभ योग में शिव पूजन करने से दोगुना फल की प्राप्ति होती है। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है।

प्रदोष व्रत शिव पूजन मंत्र

1. ॐ नमः शिवाय।
2. ॐ पार्वतीपतये नमः।
3. ओम साधो जातये नमः।।

ओम वाम देवाय नमः।।
ओम अघोराय नमः।। ओम तत्पुरूषाय नमः।।
ओम ईशानाय नमः।। ॐ ह्रीं ह्रौं नमः शिवाय।।

भानु सप्तमी पर राशि अनुसार करें इन चीजों का दान, मनचाही मिलेगी नौकरी

हर महीने के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि पर भानु सप्तमी का पर्व मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि भानु सप्तमी पर सूर्य देव का अवतरण हुआ था। इसलिए इस तिथि पर सूर्य देव की पूजा-अर्चना करने का विधान है। साथ ही दान करने से धन लाभ के योग बनते हैं और सूर्य देव की कृपा प्राप्त होती है। अगर आप भी सूर्य देव को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो भानु सप्तमी पर पूजा करने के बाद राशि अनुसार दान करें। इससे जातक के बिगड़े काम पूरे होते हैं और मनचाही नौकरी प्राप्त होती है। ऐसे में आइए जानते हैं कि किस राशि के जातक को क्या दान करना चाहिए?

भानु सप्तमी 2024 शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि की शुरुआत 07 दिसंबर को रात 11 बजकर 05 मिनट से होगी। वहीं, इसका समापन 08 दिसंबर को सुबह 9 बजकर 44 मिनट पर होगा। ऐसे में भानु सप्तमी 08 दिसंबर को मनाई जाएगी।

राशि अनुसार दान

मेष राशि के जातक भानु सप्तमी पर लाल रंग के वस्त्र का दान करें। इससे जातक को सूर्य देव की कृपा प्राप्त होगी।

वृषभ राशि के जातक भानु सप्तमी पर दूध और दही का दान करें। इन चीजों का दान करने से जातक को सूर्य देव का आशीर्वाद प्राप्त होगा।

मिथुन राशि के जातक भानु सप्तमी पर धन का दान करें। इससे कभी भी धन की कमी नहीं होगी।

कर्क राशि के जातक भानु सप्तमी के दिन सफेद वस्त्र का दान करें। इससे कारोबार में वृद्धि होगी।

सिंह राशि के जात भानु सप्तमी के दिन लाल रंग के कपड़े जरूरतमंदों को दें। इससे जातक को सूर्य देव की कृपा प्राप्त होगी।

कन्या राशि के जातक भानु सप्तमी पर फल का दान करें। इससे रुके हुए काम पूरे होंगे।

तुला राशि के जातक भानु सप्तमी तिथि पर दूध, चावल और चीनी का दान करें। इन चीजों का दान करने से कुंडली में शुक्र मजबूत होता है।

वृश्चिक राशि के जातक भानु सप्तमी के दिन मसूर दाल, मूंगफली, शहद का दान करें। इससे सदैव जातक पर सूर्य देव की कृपा बनी रहती है।

धनु राशि के जातक भानु सप्तमी तिथि के दिन पीले रंग के वस्त्र का दान करें। इससे मनचाही नौकरी मिलती है।

मकर राशि के जातक भानु सप्तमी तिथि पर काले कंबल का दान करें। इससे धन लाभ के योग बनते हैं।

कुंभ राशि के जातक भानु सप्तमी तिथि पर काले तिल, काले जूते, चमड़े का चप्पल आदि चीजों का दान करें। इन चीजों का दान करने से जातक पर शनि देव की भी कृपा बरसती है।

मीन राशि के जातक भानु सप्तमी पर सूर्य देव का आशीर्वाद पाने हेतु सरसों, पीले रंग के फल और पीले रंग के वस्त्र का दान करें।

इस मंदिर के जल में स्नान करने से त्वचा रोग से मिलती है मुक्ति, यहां भगवान श्रीराम ने की थी तपस्या

सनातन शास्त्रों में भगवान शिव और मां पार्वती की महिमा का विशेष वर्णन देखने को मिलता है। ऐसी मान्यता है कि विधिपूर्वक शिव परिवार की उपासना करने से पति-पत्नी के रिश्ते मजबूत होते हैं और सभी तरह की समस्या से छुटकारा मिलता है। देशभर में महादेव को समर्पित कई मंदिर हैं। वहीं, हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में पार्वती घाटी में व्यास और पार्वती नदियों के बीच स्थित एक मंदिर है। जिसका नाम मणिकरण शिव मंदिर है।

यह धार्मिक स्थल हिंदू और सिख धर्म से जुड़े लोगों के लिए प्रमुख है। मणिकरण से होकर पार्वती नदी बहती है। इस नदी के एक तरफ महादेव को समर्पित शिव मंदिर है। वहीं, दूसरी तरफ मणिकरण गुरुद्वारा है। ऐसे में आइए इस लेख में जानते हैं इस मंदिर से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों के बारे में।

पौराणिक कथा के अनुसार, प्राचीन समय में नदी में क्रीड़ा करते हुए मां पार्वती के कान की बाली गिर गई थी। इसके बाद भगवान शिव ने बाली को ढूंढने का काम किया। लेकिन बाली जल के तेज बहाव से पाताल लोक पहुंच गई थी। इसके बाद महादेव ने बाली को ढूंढने के लिए अपने गणों को भेजा, जिसके बाद बाली का कुछ पता नहीं चला। बाली न मिलने पर महादेव नाराज हो गए और उन्होंने अपनी तीसरी आंख खोली। भगवान शिव के क्रोधित होने की वजह से नदी का पानी उबलने लगा।

महादेव के क्रोधित होने पर नैना देवी अवतरित हुईं। उन्होंने शेषनाग से महादेव को बाली देने के लिए कहा। शेषनाग ने नैना देवी की आज्ञा का पालन किया। इसके बाद शेषनाग ने फुंकार भरी और धरती पर अधिक संख्या में मणियां आ गईं, जिसके बाद मां पार्वती को कान की बाली मिली। इसी वजह यह जगह कर्णफूल कहलाई।

ऐसी मान्यता है कि जो इंसान इस पार्वती में नदी स्नान करता है। उसे सभी तरह के त्वचा से संबंधित रोग से छुटकारा मिलता है। यह भी माना जाता है कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने महादेव की उपासना की थी। मणिकरण गुरुद्वारा सिखों के धार्मिक स्थलों के लिए विशेष महत्व रखता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि यह गुरुद्वारा गुरु नानक देव की यहां की यात्रा की याद में बना था।

मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन इस विधि से करें लक्ष्मी चालीसा का पाठ, धन से हमेशा भरी रहेगी तिजोरी

हर महीने के अंत में पूर्णिमा में त्योहार मनाया जाता है। यह पर्व जगत के पालनहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी को समर्पित है। इस शुभ तिथि पर गंगा स्नान और दान करना उत्तम माना जाता है। अगर आप जीवन में धन की कमी का सामना कर रहे हैं, तो मार्गशीर्ष पूर्णिमा के दिन लक्ष्मी चालीसा का पाठ करें। मान्यता हैं कि इसका पाठ करने से धन लाभ लाभ के योग बनते हैं और सदैव धन से तिजोरी भरी रहती है।

मार्गशीर्ष पूर्णिमा

पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह की पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 14 दिसंबर को दोपहर 04 बजकर 58 मिनट पर होगी। वहीं, इस तिथि का समापन अगले दिन यानी 15 दिसंबर को दोपहर को 02 बजकर 31 मिनट पर होगा। ऐसे में मार्गशीर्ष पूर्णिमा 15 दिसंबर (घरल काळ चरीसरीहळीहर झींपळार 2024) को मनाई जाएगी।

इस विधि से करें लक्ष्मी चालीसा का पाठ

पूर्णिमा के दिन सुबह जल्दी उठें। स्नान करने के बाद वस्त्र धारण करें। मंदिर की विशेष सफाई कर गंगाजल का छिड़काव कर शुद्ध करें। दीपक जलाकर आरती करें। मंत्रों का जप और लक्ष्मी चालीसा का पाठ करें। अंत में भोग लगाएं।

लक्ष्मी चालीसा

।। सोरठा।।

यही मोर अरदास, हाथ जोड़ विनती करुं।
सब विधि करौ सुवास, जय जननि जगदंबिका।।

।। चौपाई ।।

सिन्धु सुता मैं सुमिरौ तोही। ज्ञान बुद्धि विद्या दो मोही।।
तुम समान नहिं कोई उपकारी। सब विधि पुरवहु आस हमारी।।
जय जय जगत जननि जगदंबा सबकी तुम ही हो अवलंबा।।
तुम ही हो सब घट घट वासी। विनती यही हमारी खासी।।
जगजननी जय सिन्धु कुमारी। दीनन की तुम हो हितकारी।।
विनवौं नित्य तुमहिं महारानी। कृपा करौ जग जननि भवानी।।
केहि विधि स्तुति करौं तिहारी। सुधि लीजै अपराध बिसारी।।
कृपा दृष्टि चितववो मम ओरी। जगजननी विनती सुन मोरी।।
ज्ञान बुद्धि जय सुख की दाता। संकट हरो हमारी माता।।
क्षीरसिन्धु जब विष्णु मथायो। चौदह रत्न सिन्धु में पायो।।
चौदह रत्न में तुम सुखरासी। सेवा कियो प्रभु बनि दासी।।
जब जब जन्म जहां प्रभु लीन्हा। रुप बदल तहं सेवा कीन्हा।।
स्वयं विष्णु जब नर तनु धारा। लीन्हेउ अवधपुरी अवतारा।।
तब तुम प्रगट जनकपुर माहीं। सेवा कियो हृदय पुलकाहीं।।
अपनाया तोहि अन्तर्यामी। विश्व विदित त्रिभुवन की स्वामी।।
तुम सम प्रबल शक्ति नहीं आनी। कहं लौ महिमा कहौं बखानी।।
मन क्रम वचन करै सेवकाई। मन इच्छित वांछित फल पाई।।
तजि छल कपट और चतुराई। पूजहिं विविध भांति मनलाई।।
और हाल मैं कहौं बुझाई। जो यह पाठ करै मन लाई।।
ताको कोई कष्ट नोई। मन इच्छित पावै फल सोई।।
त्राहि त्राहि जय दुःख निवारिणि। त्रिविध ताप भव बंधन हारिणी।।
जो चालीसा पढ़ै पढ़ावै। ध्यान लगाकर सुनै सुनावै।।
ताकौ कोई न रोग सतावै। पुत्र आदि धन सम्पत्ति पावै।।
पुत्रहीन अरु संपति हीना। अन्ध बधिर कोढ़ी अति दीना।।
विप्र बोलाय कै पाठ करावै। शंका दिल में कभी न लावै।।
पाठ करावै दिन चालीसा। ता पर कृपा करैं गौरीसा।।
सुख सम्पत्ति बहुत सी पावै। कमी नहीं काहू की आवै।।
बारह मास करै जो पूजा। तेहि सम धन्य और नहिं दूजा।।
प्रतिदिन पाठ करै मन माही। उन सम कोइ जग में कहुं नाहीं।।
बहुविधि क्या मैं करौं बड़ाई। लेय परीक्षा ध्यान लगाई।।
करि विश्वास करै व्रत नेमा। होय सिद्ध उपजै उर प्रेमा।।
जय जय जय लक्ष्मी भवानी। सब में व्यापित हो गुण खानी।।
तुम्हरो तेज प्रबल जग माहीं। तुम सम कोउ दयालु कहुं नाहिं।।
मोहि अनाथ की सुधि अब लीजै। संकट काटि भक्ति मोहि दीजै।।
भूल चूक करि क्षमा हमारी। दर्शन दजै दशा निहारी।।
बिन दर्शन व्याकुल अधिकारी। तुमहि अछत दुःख सहते भारी।।
नहिं मोहिं ज्ञान बुद्धि है तन में। सब जानत हो अपने मन में।।
रुप चतुर्भुज करके धारण। कष्ट मोर अब करहु निवारण।।
केहि प्रकार मैं करौं बड़ाई। ज्ञान बुद्धि मोहि नहिं अधिकाई।।

।। दोहा।।

त्राहि त्राहि दुख हारिणी, हरो वेगि सब त्रास।
जयति जयति जय लक्ष्मी, करो शत्रु को नाश।।
रामदास धरि ध्यान नित, विनय करत कर जोर।
मातु लक्ष्मी दास पर, करहु दया की कोर।।

नए साल में इन राशियों के शुरू होंगे अच्छे दिन, धन की समस्या होगी दूर

ज्योतिष शास्त्र में देवगुरु बृहस्पति को ज्ञान का कारक माना जाता है। कुंडली में गुरु मजबूत रहने पर जातक धर्मवान और ज्ञानवान होता है। साथ ही जातक सत्य मार्ग पर अग्रसर रहता है। वहीं, कमजोर गुरु के चलते जातक को करियर में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ज्योतिष भी मनमुताबिक सफलता पाने के लिए कुंडली में गुरु मजबूत करने की सलाह देते हैं। ज्योतिषियों की मानें तो अगले साल देवगुरु बृहस्पति राशि परिवर्तन करेंगे। देवगुरु बृहस्पति के राशि परिवर्तन से चार राशि के जातकों को सर्वाधिक लाभ प्राप्त होगा।

गुरु गोचर

ज्योतिषियों की मानें तो देवगुरु बृहस्पति 14 मई को राशि परिवर्तन करेंगे। 14 मई, 2025 को देर रात 10 बजकर 36 मिनट पर देवगुरु बृहस्पति वृषभ राशि से निकलकर मिथुन राशि में गोचर करेंगे। देवगुरु बृहस्पति के राशि परिवर्तन से वृषभ राशि के जातकों समेत अन्य 3 राशि के जातकों को लाभ होगा।

वर्तमान समय में देवगुरु बृहस्पति वृषभ राशि में विराजमान हैं। इस राशि में 13 मई तक देवगुरु बृहस्पति रहेंगे। इसके अगले दिन देवगुरु बृहस्पति मिथुन राशि में गोचर करेंगे। देवगुरु बृहस्पति के राशि परिवर्तन से वृषभ राशि के जातकों को लाभ प्राप्त होगा।

धार्मिक यात्रा के योग बनेंगे। पैतृक संपत्ति में हिस्सा प्राप्त होगा। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। गुरु के मिथुन राशि में गोचर के दौरान मोटापा बढ़ सकता है। इसके लिए खानपान बढ़ सकता है। विशेष कार्य में सफलता मिल सकती है।

सिंह राशि

देवगुरु बृहस्पति के मिथुन राशि में गोचर करने से सिंह राशि के जातकों को भी लाभ प्राप्त होगा। धन लाभ हो सकता है। अन्य भौतिक सुखों की भी प्राप्ति होगी। मनोकामना पूर्ण होगी। आय के नवीन स्तोत्र बनेंगे। हालांकि, धन खर्च करने में कंजूसी दिखा सकते हैं। इससे परिवार में अनबन हो सकती है। प्रशासनिक विभाग द्वारा सम्मान प्राप्त होगा। राजकीय सुख की भी प्राप्ति होगी।

कन्या राशि

कन्या राशि के जातकों के लिए आगामी वर्ष बेहद शुभ रहने वाला है। केतु के सिंह राशि में गोचर करने से कन्या राशि के जातकों को मायावी ग्रह से मुक्ति मिलेगी। वहीं, गुरु की कृपा से पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। निवेश से लाभ होगा। रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। स्वजनों से प्यार मिलेगा। करियर को नया आयाम मिलेगा।

तुला राशि

गुरु के राशि परिवर्तन से तुला राशि की फूटी किस्मत बदल सकती है। शनिदेव की भी कृपा तुला राशि के जातकों पर बरसेगी। वहीं, देवगुरु बृहस्पति की कृपा से भाग्य का साथ मिलेगा। तीर्थ यात्रा के योग बनेंगे। घर पर शुभ कार्य का आयोजन होगा। मान-समान, यश और कीर्ति में वृद्धि होगी। गुरुजनों का स्नेह और आशीर्वाद प्राप्त होगा। उनकी कृपा-दृष्टि से सकल मनोरथ सिद्ध होंगे। आर्थिक तंगी से निजात मिलेगी।

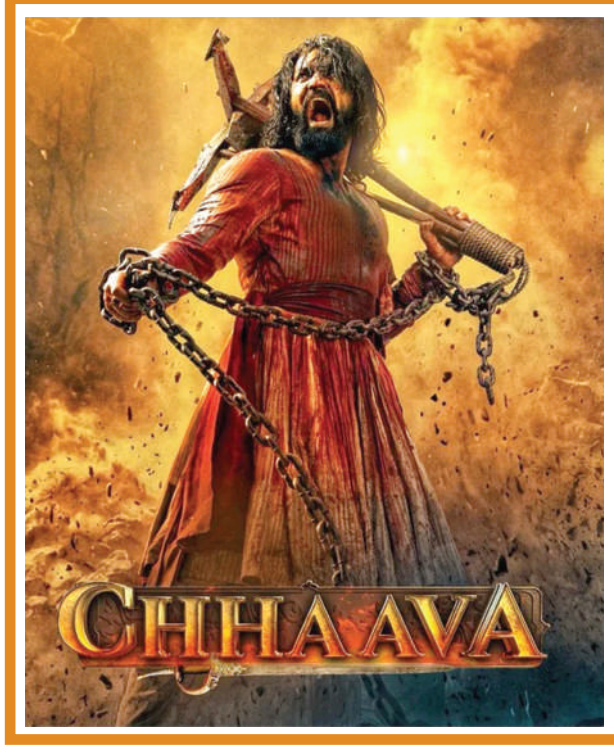

छावा की रिलीज टली, 14 फरवरी 2025 को रिलीज होगी विक्की कौशल की फिल्म

बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल की आने वाली एपिक हिस्टोरिकल एक्शन फिल्म छावा के मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट पोस्टपोन कर दी है। अब छावा अल्लू अर्जुन की पैन-इंडिया फिल्म पुष्पा 2: द रूल से होने वाले क्लैश से बच गई है। पहले छावा का टकराव अल्लू अर्जुन स्टारर से होने वाली थी। लेकिन दोनों फिल्मों के मेकर्स ने समय रहते इस पर फैसला लिया और दोनों ने अपनी-अपनी फिल्मों का रिलीज डेट बदल दिया।विक्की कौशल स्टारर छावा की रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई है। अब यह फिल्म दिसंबर 2024 से बढ़ाकर फरवरी 2025 कर दी है। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने बुधवार शाम को सोशल मीडिया इसके बारे में जानकारी दी। तरण आदर्श के मुताबिक, विक्की कौशल, रश्मिका, अक्षय खन्ना की अपकमिंग फिल्म छावा की नई रिलीज डेट का अनाउंसमेंट। छावा अब 14 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।तरण आदर्श के मुताबिक, रिलीज की तारीख काफी स्पेशल है क्योंकि यह 19 फरवरी 2025 को छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती के साथ मेल खाती है। दिनेश विजन की निर्मित और लक्ष्मण उटेकर की निर्देशित इस फिल्म में विक्की कौशल छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका में हैं।छावा पहले 6 दिसंबर को रिलीज होने वाला था। विक्की कौशल की यह फिल्म अल्लू अर्जुन की एक्शन फिल्म पुष्पा 2 की रिलीज के एक दिन बाद सिनेमाघरों में उतरने वाली थी। चूंकि पुष्पा 2 का प्रमोशन जोरशोर से चल रहा है और इसकी रिलीज को लेकर लोगों में उत्सुकता भी देखी जा रही है, इसलिए शायद छावा मेकर्स ने फिल्मी की रिलीज डेट को आगे बढ़ाने का फैसला किया है।छावा और पुष्पा 2 द रूल, दोनों में फिल्म इंडस्ट्री की नेशनल क्रश रश्मिका मंदाना लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी। छावा में जहां रश्मिका छत्रपति संभाजी महाराज की पत्नी येसूबाई भोसले की भूमिका निभाएंगी, वहीं पुष्पा 2 में पुष्प राज की श्रीवल्ली की भूमिका को दोहराती नजर आएंगी।

विधु विनोद चोपड़ा की फिल्म जीरो से रीस्टार्ट 13 को रिलीज

फिल्म निर्माता विधु विनोद चोपड़ा ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म जीरो से रीस्टार्ट का एक आकर्षक डिजिटल मोशन पोस्टर जारी किया। जिसमें सिनेमाई दुनिया की शानदार झलक है।डिजिटल मोशन पोस्टर में आकर्षक शीर्षक भी नजर आ रहा है। दर्शक फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। पोस्टर को साझा कर विधु विनोद चोपड़ा फिल्म्स ने कैप्शन में लिखा आपने 12वीं फेल देखी और उसे पसंद किया, अब जानिए कि यह फिल्म कैसे कभी बन ही नहीं पाई और एक दृढ़ निश्चयी फिल्म निर्माता जिसने कभी हार नहीं मानी! विधु विनोद चोपड़ा प्रस्तुत करते हैं, जीरो से रीस्टार्ट।इसके साथ विनोद चोपड़ा फिल्म्स ने कैप्शन के साथ लिखा जीरो से रीस्टार्ट। 13 दिसंबर को सिनेमाघरों में। बता दें कि जीरो से स्टार्ट एक नई अवधारणा है। जीरो से रीस्टार्ट कहानी कहने की परंपराओं के दौरान आ रही चुनौतियों को दिखाती है।

फिल्म के बारे में विधु विनोद ने कहा मेरे लिए यह ड्रॉइंग बोर्ड पर वापस जाने और शून्य से शुरू करने जैसा है। मैं इस कहानी को उन सभी लोगों के साथ साझा करना चाहता हूं, जिन्होंने कभी अपने जीवन में बाधाओं का सामना किया है। मैं उन्हें कभी हार न मानने और प्रयास करते रहने के लिए कहना चाहता हूं। जैसा कि हम कहते हैं लगे रहो!जीरो से रीस्टार्ट एक प्रेरणादायक कहानी का वादा करती है, जो नए सिरे से शुरुआत करने की यात्रा को दिखाती है। विधु विनोद चोपड़ा ने हाल ही में आयोजित आईफा 2024 में अपनी फिल्म जीरो से रीस्टार्ट के शीर्षक की घोषणा की थी। निर्देशक ने पहले कहा था कि यह फिल्म विक्रांत मैसी की 12वीं फेल का प्रीक्वल है। जीरो से रीस्टार्ट 13 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।इस बीच पेशेवर काम की बात करें तो विधु विनोद चोपड़ा की झोली में जीरो से रीस्टार्ट समेत कई फिल्में हैं। चोपड़ा को चार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों सहित कई पुरस्कार मिल चुके हैं। चोपड़ा को क्राइम ड्रामा परिंदा, देशभक्ति रोमांटिक ड्रामा 1942: ए लव स्टोरी और मिशन कश्मीर जैसी उल्लेखनीय फिल्मों के निर्देशन के लिए जाना जाता है।इसके अतिरिक्त, उन्हें मुन्ना भाई फिल्म सीरीज के साथ 3 इडियट्स, पीके और संजू के निर्माण के लिए भी सराहा जाता है। उनका आखिरी निर्देशन प्रयास 12वीं फेल बॉक्स ऑफिस पर व्यावसायिक रूप से सफल रहा। यह बायोग्राफिकल ड्रामा मनोज कुमार शर्मा की कहानी है, जो गरीबी से उठकर आईपीएस अधिकारी बने। फिल्म में अभिनेता विक्रांत मैसी और अभिनेत्री मेधा शंकर मुख्य भूमिकाओं में हैं।

आलिया भट्ट करेंगी हॉरर फिल्म चामुंडा

बॉलीवुड को स्त्री 2 जैसी ब्लॉकस्टर फिल्म देने वाले दिनेश विजान बहुत जल्द बॉक्स ऑफिस पर बड़ा धमाका करने वाले हैं। जल्द ही दिनेश एक नई सुपरनैचुरल हॉरर फिल्म लेकर आ रहे हैं। जिसका नाम चामुंडा है। खबरें हैं कि दिनेश की इस फिल्म में श्रद्धा कपूर नहीं बल्कि आलिया भट्ट सबको डराने वाली हैं। रिपोर्ट के मुताबिक आलिया भट्ट इस वक्त दिनेश विजान की फिल्म चामुंडाळ के लिए उनके चर्चा कर रही हैं। वहीं मेकर्स भी आलिया पर बड़ा दांव लगाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। हाल ही में आलिया को कई बार मैडॉक फिल्म्स के ऑफिस में भी स्पॉट किया गया है। वहीं जानकारी के अनुसार आलिया को दिनेश विजान की ये सुपरनैचुरनल थ्रिलर फिल्म काफी पसंद आई है। एक्ट्रेस अगले साल फिल्म को साइन भी कर सकती हैं।जानकारी की अनुसार इस फिल्म में पहले बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी नजर आने वाली थी। उस वक्त फिल्म का टाइटल देवी बताया जा रहा था। लेकिन अब इसे बदलकर चामुंडाळ कर दिया गया है। बता दें दिनेश विजान की स्त्री 2 ने

हाल ही में रिकॉर्ड तोड़ कमाई की थी। जिसमें श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी और तमन्ना भाटिया जैसे स्टार्स नजर आए थे।वहीं बात करें आलिया भट्ट के वर्कफ्रंट की तो एक्ट्रेस आखिरी बार फिल्म जिगरा. में नजर आई थी। जिसमें उनके साथ वेदांग रैना भी अहम किरदार में थे। उन्होंने एक्ट्रेस के भाई का रोल निभाया था। वहीं इसके अलावा आलिया की पाइपलाइन में अल्फा. भी है। जिसमें वो शरवरी वाघ के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी।बता दें कि आलिया भट्ट अपने बिजी शेड्यूल के बीच फैमिली पर भी पूरी ध्यान दे रही हैं। हाल ही में वो अपने पति रणबीर कपूर और बेटी राहा कपूर के साथ मैच देखने स्टेडियम पहुंची थी। जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई हैं।

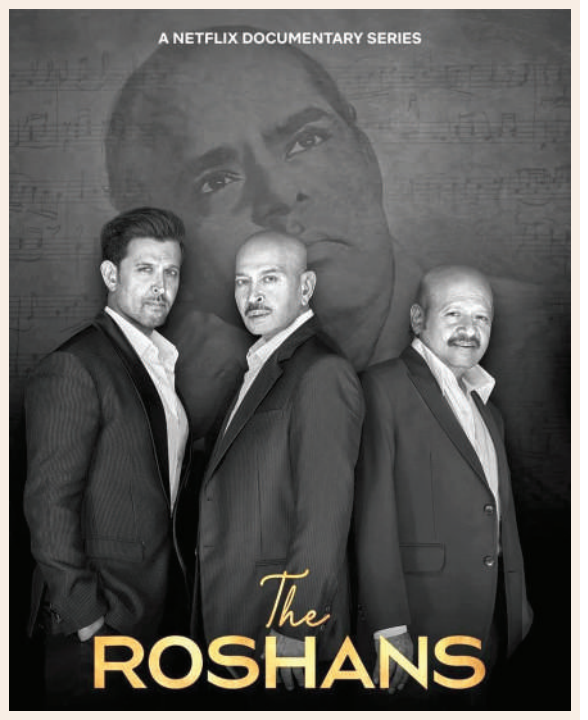

ऋतिक रोशन के खानदान पर नेटफ्लिक्स ने किया द रोशंस सीरीज का ऐलान

रोशन, राकेश रोशन, राजेश रोशन और अब ऋतिक रोशन बॉलीवुड में रोशन खानदान की नींव बरकरार रखे हुए हैं। ऋ तिक रोशन के दादा रोशन एक शानदार संगीतकार थे और ऋ तिक रोशन के चाचा राजेश रोशन को पिता से संगीत विरासत में मिला था। वहीं, राकेश रोशन ने बतौर डायरेक्टर फिल्म इंडस्ट्री में नाम कमाया और अब ऋतिक रोशन बतौर एक्टर दुनियाभर के फैंस पर राज कर रहे हैं। अब बॉलीवुड के इस हिट रोशन परिवार पर नेटफ्लिक्स ने एक डॉक्यूमेंट्री सीरीज द रोशंस का एलान किया है। ओटीटी के अग्रणी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने इसका ऑफिशियली एलान कर सीरीज का पोस्टर जारी किया है।वहीं, रोशन परिवार की इस डॉक्यूमेंट्री सीरीज का टाइटल द रोशंस है। नेटफ्लिक्स ने बताया है कि द रोशंस जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है। नेटफ्लिक्स ने अपने ऑफिशियल पेज पर बताया है कि डॉक्यूमेंट्री सीरीज द रोशंस फिल्म इंडस्ट्री के इस सक्सेस परिवार की कला की विरासत और पीढ़ी दर पीढ़ी इसे कैसे बढ़ाया गया है, इसमें दिखाया जाएगा। यह पहली बार है जब सिनेप्रेमियों को रोशन परिवार को नजदीक से जानने का मौका मिलेगा। साथ ही रोशन परिवार का हिंदी सिनेमा में क्या योगदान रहा है इस पर भी पर्दा हटने जा रहा है।बता दें, द रोशंस सीरीज की शुरुआत दिवंगत रोशन लाल नागरथ की संगीतमयी दुनिया से होगा, जिन्होंने हिंदी सिनेमा में संगीत की कला को नए आयाम दिए। वहीं, सीरीज में रोशन परिवार के अचीवमेंट के बारे में भी देखने को मिलेगा। राकेश रोशन, राजेश रोशन और ऋतिक रोशन का हिंदी सिनेमा में योगदान भी अब लोगों के बीच आने वाला है।बता दें, राकेश रोशन सीरीज द रोशंस के प्रोड्यूसर हैं और वहीं शशि रंजन को-प्रोड्यूसर होने के साथ-साथ इसके डायरेक्ट भी हैं। शशि रंजन ने अपना अनुभव शेयर कर बताया है, इस सीरीज को डायरेक्ट करना मेरे लिए एक सम्मानजनक जर्नी रही है, मैं खुश हूं कि मुझे रोशन परिवार की विरासत से जुडऩे का मौका मिला, मैं इसके लिए रोशन परिवार का आभारी हूं, यह मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है कि मैं रोशन परिवार की क्रिएटिविटी, उनके साहस, कमिटमेंट की कहानी को दुनिया को दिखाने जा रहा हूं।वहीं, नेटफ्लिक्स इंडिया की वाइस प्रेजिडेंट कंटेंट मोनिका शेरगिल ने कहा, हमें इस बात को बताते हुए बहुत खुशी है कि हम एक ऐसे परिवार की कहानी और जीवनी को सामने ला रहे हैं, जिसने सिनेप्रेमियों की कई पीढ़ियों के दिलों में जगह बनाई, द रोशंस सीरीज दिल से जुड़ी सीरीज है, जो एक इमोशनल सफर के महसूस कराने का दावा करता है।

नागा चैतन्य, शोभिता धुलिपाला नागार्जुन के साथ पहुंचे श्री भ्रमरम्बा मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर

नवविवाहित सेलीब्रिटी कपल नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला शुक्रवार को आंध्र प्रदेश में श्री भ्रमरम्बा मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर दर्शन के लिए पहुंचे।

इस जोड़े की 4 दिसंबर को शादी हुई थी। शादी के बाद यह उनकी पहली मंदिर यात्रा थी। जोड़े के साथ तेलुगू मेगास्टार और नागा चैतन्य के पिता नागार्जुन भी थे।

इस यात्रा के दौरान नागा चैतन्य ने पारंपरिक सफेद पंचा पहना था, जबकि शोभिता धुलिपाला ने पीले रंग की साड़ी पहनी थी। नागार्जुन कुर्ता पायजामा पहने थे।

नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला की शादी हैदराबाद में एक भव्य समारोह में हुई। इस समारोह में तेलुगू इंडस्ट्री की जानी-मानी हस्तियां शामिल हुईं।नागा चैतन्य ने अपने दादा, महान अक्किनेनी नागेश्वर राव को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए विवाह समारोह में पारंपरिक पोशाक 'पंचा' पहना था, जो उनके दादा की चिरस्थायी शैली की याद दिलाती है। शोभिता धुलिपाला ने 'राता सेरेमनी' के लिए अपनी मां और दादी के पारंपरिक आभूषण भी पहने थे।

बता दें कि राता सेरेमनी कई तेलुगू परंपराओं में से एक महत्वपूर्ण विवाह-पूर्व अनुष्ठान है। यह दुल्हन के विवाह से पहले का एक महत्वपूर्ण समारोह है। इस आयोजन के दौरान, आम, जामुन और जम्मी के पेड़ों के पत्तों के साथ एक बांस की छड़ी लगाई जाती है, जिसकी फिर पंच लौह, नवरत्न (नौ रत्न) और नवधान्य (नौ अनाज) जैसी पवित्र सामग्रियों से पूजा की जाती है।

इस परंपरा में एक पवित्र पोटली (थैला) को खंभे से बांधा जाता है, और पंच भूत (पांच तत्व) और सभी आठ दिशाओं के देवताओं से प्रार्थना की जाती है। माना जाता है कि यह अनुष्ठान विवाहित जीवन में प्रवेश करने से पहले दुल्हन को शुद्ध करने और आशीर्वाद देने के लिए किया जाता है।

अभिनेत्री के एक करीबी सूत्र ने बताया कि अभिनेत्री ने अपनी मां और दादी के आभूषण पहने थे, जिससे यह अभिनेत्री के लिए और भी खास हो गया।नागा चैतन्य ने पहले अभिनेत्री सामंथा रूथ प्रभु से 2017 में शादी की थी। 4 साल बाद 2021 में दोनों ने अलग होने का ऐलान कर दिया था।

अर्चना पूरन सिंह ने रेखा के साथ बिताए पल किए याद

स्ट्रीमिंग स्केच कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो' की जज अभिनेत्री अर्चना पूरन सिंह ने शो में शामिल हुई दिग्गज अभिनेत्री रेखा के साथ अपनी यादें के बारे में खुलकर बात की।

अर्चना पूरन सिंह ने कहा कि एक बार उन्होंने रेखा के निजी जीवन पर बात की, जिसका जवाब बेहद ही अलग आया।बॉलीवुड की शानदार अभिनेत्री रेखा हाल ही में शो के नवीनतम एपिसोड में नजर आईं थी।

शुक्रवार को अर्चना ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी और रेखा की कई तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने कैप्शन में एक लंबा नोट भी लिखा। इसमें वह छोटे शहरों के हर व्यक्ति को बड़े सपने देखने और उनका पीछा करने के लिए प्रोत्साहित करती नजर आईं।

शेयर किए गए नोट में रेखा ने लिखा, ''जब मैंने रेखा जी की सावन भादों देखी थी, तब मैं एक छोटे से शहर में रहने वाली एक छोटी बच्ची थी, जिसकी दूर-दूर तक मुंबई जाने की कोई उम्मीद नहीं थी। काफी सालों बाद मुझे उनके साथ 'लड़ाई' में काम करने का मौका मिला। जहां उन्होंने मुझे अपने मेकअप रूम में बुलाया और मेकअप के बारे में सलाह

दी और मेकअप करने के टिप्स दिए।''

उन्होंने आगे बताया, फिल्म सिटी लॉन में इस बारे में बात करते हुए हमारी काफी यादें है। मुझे फिल्मसिटी लॉन में बैठकर इस बारे में बात करने की यादें हैं और जब मैंने उनसे पूछा कि वह किस 'वह' की बात कर रही हैं, तो उन्होंने कहा, 'आप नहीं जानते कि वह कौन हैं?' अर्चना ने आगे कहा, ''वह बहुत अच्छी हैं, उनसे हर बार मिलना बेहद ही खास होता है। छोटे शहरों के छोटे बच्चों के सपने सच होते हैं। उस रात के एपिसोड को शानदार बनाने के लिए रेखा जी का धन्यवाद। उस रात कृष्णा के साथ शानदार लाइव परफॉरमेंस को मैं कभी नहीं भूल पाऊंगी।''

अभिनेत्री दिग्गज बॉलीवुड मेगास्टार अमिताभ बच्चन और रेखा के बीच के बहुचर्चित अफेयर का जिक्र कर रही थीं।द ग्रेट इंडियन कपिल शो में सुनील ग्रोवर और राजीव ठाकुर भी हैं। शो के दूसरे सीजन में देश के कई सुपरस्टार्स के साथ मिलने का मौका मिलेगा। पहले एपिसोड में जहां बॉलीवुड सुपरस्टार आलिया भट्ट और करण जौहर नजर आए थे, वहीं शो के आने वाले एपिसोड में टी20 वर्ल्ड कप विजेता और शानदार बॉलीवुड वाइव्स नजर आएंगी। द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का फॉर्मेट काफी हद तक शर्मा के पिछले शो 'द कपिल शर्मा शो' और 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' जैसा ही है। यह शो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होता है।

सरगुन मेहता और रवि दुबे ने लॉन्च किया अपना पारिवारिक मनोरंजन प्लेटफॉर्म

अभिनेता रवि दुबे और अभिनेत्री सरगुन मेहता की जोड़ी छोटे पर्दे की सबसे चर्चित जोडिय़ों में से एक है।सोशल मीडिया पर अक्सर दोनों साथ में तस्वीरें साझा करते रहते हैं। प्रशंसक सरगुन और रवि को साथ में देखना भी काफी पसंद करते हैं।अब सरगुन और रवि ने अपना खुद का पारिवारिक मनोरंजन प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है, जिसका नाम ड्रीमियाता ड्रामा रखा गया है।दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा कर इस खबर का ऐलान किया है।सरगुन और रवि ने वीडियो साझा करते हुए इसके कैप्शन में लिखा, हमारा सपना अब आपका है। आपके पूरे परिवार के लिए एक नया मनोरंजन प्लेटफॉर्म ड्रीमियाता ड्रामा... जल्द ही आ रहा है। अधिक जानकारी के लिए बने रहें।सरगुन और रवि ने साथ में टीवी शो उडारियां का निर्माण भी किया है, जो बहुत लोकप्रिय हुआ।बता दें सरगुन और रवि ने 2013 में शादी रचाई थी।

मलाइका अरोड़ा ने बिखेरा हुस्न का जलवा

मलाइका अरोड़ा अपने बोल्ड फिगर और स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस के चलते सोशल मीडिया पर फैंस के बीच सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका स्टनिंग लुक इंटरनेट पर पोस्ट होते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में मलाइका अरोड़ा ने बेहद ही स्टाइलिश फोटोशूट करवाया है। इस दौरान उन्होंने रिवीलिंग आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो काफी हॉट और बोल्ड नजर आ रही हैं।बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा 50 साल की हो चुकी हैं, लेकिन आज भी अपनी खूबसूरती से यंग गर्ल्स को इंस्पायर करती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही ट्रेंड करने लगता है।हाल ही में एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने अपने लेटेस्ट स्टाइलिश फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका सिजलिंग अंदाज देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने ब्लैक कलर की थाई स्लिट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही हॉट फोटोशूट करवा रही हैं।बालों को कर्ली स्टाइल में लुक कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस मलाइक अरोड़ा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।मलाइका अरोड़ा भले ही इन दिनों किसी फिल्म में नजर नहीं आ रही हैं, लेकिन आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी अपडेट्स फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज निवेश के जो नए अवसर आपकी ओर आएँ, उनपर विचार करें। लेकिन धन तभी लगाएँ जब आप उन योजनाओं का भली-भांति अध्ययन कर लें। पढ़ाई की क़ीमत पर घर से ज़्यादा देर तक बाहर रहना आपको माता-पिता के गुस्से का शिकार बना सकता है। किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। योग्य कर्मियों को पदोन्नति या आर्थिक मुनाफ़ा हो सकता है। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

बिना किसी अनुभवी शख़्स की सलाह के आज ऐसा कोई भी काम न करें जिससे आपको आर्थिक हानि हो। अपना नज़रिया दोस्तों और रिश्तेदारों पर थोपने की कोशिश न करें। क्योंकि न सिर्फ़ यह आपके लिए कुछ ख़ास फ़ायदेमंद साबित नहीं होगा अपना बायोडाटा भेजने या किसी इंटरव्यू में जाने के लिए अच्छा समय है। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है। खाली समय में आज आप कोई खेल-खेल सकते हैं या जिम जा सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएं। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढ़ाएंगे। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। रात को ऑफिस से घर आते वक्त आज आपको सावधानी से वाहन चलाना चाहिए, नहीं तो दुर्घटना हो सकती है इस बात की प्रबल सम्भावना है कि आपके आस-पास के लोग आप दोनों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास करेंगे। अत: बाहरी लोगों के कहने पर अमल करना ठीक नहीं होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

मुश्किल घड़ी में रिश्तेदार भी काम आएंगे। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। परिवार के सदस्य आपके नज़रिए का समर्थन करेंगे। आप और आपका महबूब आज प्यार के समुन्दर में गोते लगाएंगे और प्यार की मदहोशी को महसूस करेंगे। काम के लिए समर्पित पेशेवर लोग रुपये-पैसे और करिअर के मोर्चे पर फ़ायदे में रहेंगे। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। समय, कामकाज, पैसा, यार-दोस्त, नाते-रिश्ते सब एक ओर और आपका प्यार एक तरफ़, दोनों आपस में खोए हुए - कुछ ऐसा मिज़ाज रहेगा आपका आज। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। आज अपने लिए वक्त निकालकर अपने जीवनसाथी के साथ आप कहीं घूमने जा सकते हैं। हालांकि इस दौरान आप दोनों के बीच थोड़ी बहुत कहासुनी हो सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं। जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक्क़तें हो सकती हैं। आपके नज़दीकी लोग निजी जीवन में परेशानियाँ खड़ी कर सकते हैं। आप अपने प्रिय की बांहों में आराम महसूस करेंगे। मशहूर लोगों से मेलजोल आपको नई योजनाएँ और आइडिया सुझाएगा। आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। यह दिन आपके जीवन में वसंत-काल की तरह है

तुला – र,सी,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। दोस्त मददगार और सहयोगी रहेंगे। आपके प्रिय का प्यारा बर्ताव आपको ख़ास होने का अनुभव कराएगा; इन लम्हों का पूरा लुत्फ़ उठाएँ। आपको महसूस होगा कि आपके परिवार का सहयोग ही कार्यक्षेत्र में आपके अच्छे प्रदर्शन के लिए ज़िम्मेदार है। आज जीवनसाथी के साथ थोड़ी बहुत कहासुनी हो सकती है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। आपके जीवन-साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है। साथ में अपना क़ीमती समय बिताएँ और मीठी यादों को फिर से ताज़ा करें, ताकि पुराने दिनों को फिर से वापस लाया जा सके। रोमांस के लिहाज़ से रोमांचक दिन है। दफ़्तर में अपनी ग़लती स्वीकार करना आपके पक्ष में जाएगा। लेकिन आपको इसे सुधारने के लिए विश्लेषण की ज़रूरत है। आपकी वजह से जिसे नुक़सान हुआ हो, उससे माफ़ी मांगने की ज़रूरत है। अगर कहीं बाहर जाने की योजना है तो वह आख़िरी वक़्त पर टल सकती है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

बहुत ज़्यादा तनाव और चिंता करने की आदत सेहत को नुक़सान पहुँचा सकती है। आर्थिक जीवन में आज खुशहाली रहेगी। इसके साथ ही आप कर्जों से भी आज मुक्त हो सकते हैं। आपके माता-पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। आज आप अपने जीवन की परेशानियों को अपने संगी से साझा करना चाहेंगे लेकिन वो अपनी परेशानियों के बारें में बता के आपको और ज्यादा परेशान कर देंगे। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर-ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सार्थक कामों में लगाने के लिए अपनी ऊर्जा बचाकर रखें। इस राशि के बड़े कारोबारियों को आज के दिन बहुत सोच समझकर पैसा निवेश करने की जरुरत है। घरेलू ज़िंदगी सुकूनभरी और ख़ुशगुनमा रहेगी। अपनी नौकरी से चिपके रहिए और दूसरों से उम्मीद मत कीजिए कि वे आकर आपकी मदद करेंगे। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फ़ायदेमंद दिन की ओर ले जाएंगे। जब आपका जीवनसाथी जब सारे मनमुटाव भुलाकर प्यार के साथ आपके पास फिर आएगा, तो जीवन और भी सुन्दर लगेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जल्दी ही बीमारी से उबरने की संभावना है। परिवार के किसी सदस्य के बीमार पड़ने की वजह से आपको आर्थिक परेशानी आ सकती है, हालांकि इस वक्त आपको धन से ज्यादा उनकी सेहत की चिंता करनी चाहिए। कोई पुराना परिचित आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। बीते दिनों की मीठी यादें आपको व्यस्त रखेंगी। अपने साथी को यूँ ही हमेशा के लिए मिला न मानें। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं। यह दिन आपके जीवन में वसंत-काल की तरह है - रोमानी व प्यार से भरा; जहाँ सिर्फ़ आप और आपका जीवनसाथी साथ हों।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आप दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आपका प्रिय को आपसे भरोसे और वादे की ज़रूरत है। बेहतर कामकाज के चलते आपको तारीफ़ मिल सकती है। आपके घर का कोई करीबी शख़्स आज आपके साथ वक्त बिताने की बात कहेगा लेकिन आपके पास उनके लिए वक्त नहीं होगा जिसकी वजह से उनको तो बुरा लगेगा ही आपको भी बुरा लगेगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर आप चिंतित रह सकते हैं।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 07 दिसंबर 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : मार्गशीर्ष , शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी प्रात: 11:08 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा सायं 04:51 तक
योग : व्याघात प्रात: 08:41 तक
करण : तैतिल प्रात: 11:08 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 06:33 , सूर्यास्त 05:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:29 , सूर्यास्त 05:53 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:27, सूर्यास्त 05:57 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:23 , सूर्यास्त 05:34 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रात: 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मित्र सप्तमी , पंचक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बेहतर समन्वय के साथ अधिक लोगों तक पहुंचाएं शिविरों का लाभ : गायत्री राठौड़

जयपुर,06 दिसंबर (एजेंसियां)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि प्रदेश में गांव-गांव तक स्वास्थ्य सेवाओं की सुगम पहुंच सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी सोच के साथ प्रदेशभर में राज्य सरकार की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविरों का शुभारम्भ किया जा रहा है। स्वास्थ्य को लेकर यह राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी पहल है, जिसे बेहतर समन्वय एवं प्रतिबद्धता के साथ सफल बनाएं।

राठौड़ शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविर की तैयारियों एवं अन्य विषयों पर समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने कहा कि शिविरों की सफलता के लिए आवश्यक है कि संबंधित विभागों के बीच बेहतर तालमेल हो और समय पर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित हों। उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा विभाग फॉलोअप एवं रेफरल शिविरों, सुपर स्पेशलिटी एवं टेलीकंसल्टेशन के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करे। साथ ही, कैंसर स्क्रीनिंग के लिए आवश्यक प्रबंध करें। आयुर्वेद विभाग द्वारा आयुष चिकित्सकों एवं दवाओं की व्यवस्था की जाए।

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि शिविरों में अधिकाधिक जनभागीदारी के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका द्वारा शिविरों की जानकारी आमजन को उपलब्ध करवाई जाए। साथ ही, वे लोगों को स्वास्थ्य जांच हेतु शिविरों में आने के लिए प्रेरित करें। पंचायतीराज विभाग एवं राजस्व विभाग भी आमजन को शिविरों की जानकारी उपलब्ध करवाने में आवश्यक सहयोग प्रदान करे। इसी प्रकार शिक्षा विभाग रैली एवं अन्य आयोजनों के माध्यम से शिविरों के संबंध में जागरूकता बढ़ाएं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग दिव्यांगजन को यूडीआईडी प्रमाण-पत्र जारी करने में सहयोग प्रदान करें।

राठौड़ ने कहा कि चिकित्सा विभाग के अधिकारी शिविरों की नियमित समीक्षा करने के साथ ही सुनिश्चित करें कि शिविर स्थल पर जांच एवं उपचार के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं उपलब्ध हों। किसी भी स्तर पर कोई गेप नहीं रहे। स्वास्थ्य कार्यक्रमों का आमजन को पूरा लाभ मिले। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक भारती दीक्षित ने कहा कि विभाग की ओर से शिविरों के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इनके अनुरूप शिविरों की कार्यवाही की जाए। चिकित्सा शिक्षा आयुक्त इकबाल खान ने कहा कि शिविरों के दौरान आमजन को ईट राइट कैम्पेन के बारे में जानकारी देने के साथ ही श्रीअन्न के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही, मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब के माध्यम से खाद्य पदार्थों की जांच, लाइसेंस एवं खाद्य विक्रेताओं के रजिस्ट्रेशन संबंधी कार्य किए जाएं।

राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रियंका गोस्वामी ने कहा कि शिविरों के दौरान आयुष्मान कार्ड वितरण, ई-केवाईसी का कार्य प्राथमिकता के साथ किया जाए। निदेशक आईईसी शाहीन अली खान ने कहा कि 15 दिसम्बर को प्रदेशभर में रक्तदान शिविरों का भी आयोजन किया जाएगा। सभी जिलों में इसके लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जाएं। निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने कहा कि राज्य सरकार की प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर जिन चिकित्सा संस्थानों या सुविधाओं का लोकार्पण किया जाना है, उनकी क्रियाशीलता लोकार्पण के साथ ही सुनिश्चित की जाए। अतिरिक्त निदेशक अस्पताल प्रशासन डॉ. सुशील परमार ने शिविरों के आयोजन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण आज

जोधपुर,06 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार से जोधपुर के दो दिवसीय दौरे पर आएंगे। इस दौरान वह सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। वह रविवार को जोधपुर के सर्किट हाउस के बाहर वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। केंद्रीय मंत्री शाह शनिवार रात 9.30 बजे जोधपुर पहुंचेंगे और रात को बीएसएफ गेस्ट हाउस में रुकेंगे। इसके बाद रविवार को एसटीसी बीएसएफ ट्रेनिंग सेंटर में स्थापना दिवस परेड में हिस्सा लेंगे।

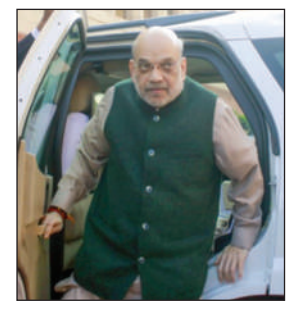

अमित शाह के कार्यक्रम को लेकर गुरुवार को संभागीय आयुक्त, कलेक्टर और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की बैठक हुई। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 दिसंबर को जयपुर में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट का उद्घाटन करेंगे। जयपुर में राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टमेंट समिट की तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। सुरक्षा कारणों से प्रधानमंत्री मोदी के आगमन से एक घंटा पहले उद्घाटन स्थल पर प्रवेश बंद कर दिया जाएगा। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट का उद्घाटन करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी दोपहर 12 बजे के बाद दिल्ली वापस लौट जायेंगे। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट में भाग ले सकते हैं, हालांकि उनका कार्यक्रम अभी तय नहीं हुआ है।पार्टी सूत्रों ने बताया कि कई केंद्रीय मंत्रियों ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट में हिस्सा लेने के लिए अपने कार्यक्रमों को अंतिम रूप दे दिया है।इस कार्यक्रम में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, रामदास अठावले, भागीरथ चौधरी और अन्य के शामिल होने की उम्मीद थी। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी, केंद्रीय कोयला मंत्री जी किशन रेड्डी और केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी शिखर सम्मेलन में हिस्सा ले सकते हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट 9 से 11 दिसंबर तक जयपुर प्रदर्शनी एवं कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में आयोजित किया जाएगा।

राइजिंग राजस्थान में

वेस्ट सेग्रीगेशन के जरिए ग्रीन राजस्थान की ओर बढ़ाएंगे कदम : भजनलाल शर्मा

जयपुर,06 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट को सफल बनाने के लिए 10 दिनों तक प्रत्येक दिन एक नए संकल्प लेने की पहल की है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को नौवां संकल्प लेते हुए कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट के आयोजन में उत्पन्न अपशिष्टों का पृथक्करण एवं निपटान करके स्वच्छ और हरित राजस्थान की ओर कदम बढ़ाया जाएगा।

शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट में देश-विदेश से आने वाले विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य शामिल होंगे। इस आयोजन में विकास, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का अद्भुत सामंजस्य दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्यावरण सुरक्षा के लिए निरंतर जरूरी कदम उठा रही है।

भगवान श्री कृष्ण ने कर्म व मानवता का संदेश दिया

गीता महोत्सव में कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने कहा

कुरुक्षेत्र,06 दिसंबर (एजेंसियां)। यहां चल रहे अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने भगवान श्री कृष्ण के कर्म और मानवता के संदेश की महत्ता पर बल दिया। 28 नवंबर से शुरू हुए गीता महोत्सव के 15 दिसंबर तक चलने की जानकारी देते हुए मंत्री ने कहा कि इस महोत्सव से कुरुक्षेत्र का गौरव और सम्मान और बढ़ा है।

मंत्री कृष्ण बेदी ने किसानों द्वारा 6 दिसंबर को दिल्ली कूच करने के ऐलान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने किसानों को नसीहत देते हुए कहा कि समस्या का हल बातचीत से ही निकलेगा और आंदोलन की राह छोड़कर सभी को बातचीत का रास्ता अपनाना चाहिए। मंत्री ने यह भी कहा कि हरियाणा सरकार ने किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जैसे कि सभी फसलों के पूरे रेट, 72 घंटे में पेमेंट, हर खेत में पानी की उपलब्धता और 24 घंटे बिजली देने की व्यवस्था की गई है। मंत्री बेदी ने किसानों से अपील की कि वे आंदोलन से दूर रहकर संवाद के जरिए अपनी समस्याओं का समाधान करें।

किसानों को कोर्ट के आदेशों का पालन करना चाहिए : श्याम सिंह राणा

चंडीगढ़,06 दिसंबर (एजेंसियां)। किसान आंदोलन के बीच हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने शुक्रवार को एक प्रेस वार्ता में कहा कि पंजाब के बॉर्डर पर बैठे किसान सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित कमेटी की रिपोर्ट का पालन करें। मंत्री राणा ने कहा कि यह कमेटी किसानों की डिमांड पर बनाई गई थी, ताकि एक समाधान निकाला जा सके। उन्होंने बताया कि कमेटी ने अपनी रिपोर्ट तैयार कर अदालत में पेश की है, और अब 13 तारीख को इस मामले की अगली सुनवाई होगी।

राणा ने यह भी स्पष्ट किया कि हरियाणा में इस आंदोलन से कोई खास असर नहीं पड़ा है क्योंकि राज्य सरकार पहले ही 24 फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य दे रही है। उन्होंने कहा, किसानों को सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन करना चाहिए और समाधान के लिए कानूनी प्रक्रिया का सम्मान करना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 दिसंबर को पानीपत दौरे का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि क़ानून व्यवस्था बनाए रखना हरियाणा सरकार की जिम्मेदारी है। राणा ने आगे कहा कि पंजाब में चल रहे किसानों के आंदोलन का असर अन्य राज्यों पर पड़ा है, खासकर इंडस्ट्रीज़ के मामले में। उन्होंने जानकारी दी कि कई उद्योगों ने पंजाब छोड़कर उत्तर प्रदेश में स्थानांतरित कर लिया है, जिसके परिणामस्वरूप राज्य की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। राणा ने पंजाब के किसानों को भी संबोधित करते हुए कहा कि अगर उन्हें एमपीएस की कोई समस्या है तो उन्हें अपनी राज्य सरकार, यानी मुख्यमंत्री से इस मुद्दे पर बात करनी चाहिए।

सरकार खुद ही कर रही है नियमों की अनदेखी : सैलजा

चंडीगढ़,06 दिसंबर (एजेंसियां)। शासन व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए सरकार की ओर से नियम बनाए जाते हैं। सरकार उम्मीद करती है कि देश के नागरिक नियमों का पालन करे। आम जनता भी यही उम्मीद करती है कि सरकार न सिर्फ खुद नियमों के अनुसार संचालित हो, बल्कि नियमों का पालन भी सुनिश्चित हो। परंतु जब सरकार खुद ही नियमों की अनदेखी करने लगे तो लोगों के बीच सरकार की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगते हैं। हाइवे पर बनाए गए टोल प्लाजा के मामले में भी नियमों की अनदेखी हो रही है। चिंता की बात तो यह है कि नियमों की अनदेखी खुद सरकार ही कर रही है। यह बात अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने आज जारी एक बयान में कही। सांसद सैलजा ने कहा कि उन्होंने लोकसभा में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से एक सवाल पूछा था कि रोहतक से डबवाली के बीच हाईवे पर कितने टोल प्लाजा बनाए गए हैं। उनके बीच कितनी दूरी है। नियमानुसार एक टोल से दूसरे टोल के बीच कितनी दूरी होनी चाहिए। मंत्रालय की ओर से केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने जो जवाब दिया, वह हैरान करने वाला है। जवाब में बताया गया है कि रोहतक से डबवाली के बीच हाईवे पर 6 टोल प्लाजा बने हुए हैं। इनमें रोहड, मदीना, रामायण, लांधड़ी, भावदीन व खुइया मलकाना शामिल है। मंत्रालय ने खुद माना है कि एक टोल से दूसरे टोल के बीच कम से कम 60 किमी की दूरी होनी चाहिए। यानि, 60 किमी से पहले टोल नहीं होना चाहिए। कुमारी सैलजा ने कहा कि जवाब में बताया गया है कि रोहड टोल की दूरी 63.490 किमी है। यानि, लगभग 63 किमी दूरी है। मदीना टोल की दूरी 41.810 किमी, रामाणय टोल की दूरी 57 किमी, लांधड़ी टोल की दूरी 57 किमी, भावदीन टोल की दूरी 43.735 किमी तथा खुइया मलकाना टोल की दूरी 43.925 किमी है। सीधे शब्दों में कहे तो रोहड से मदीना टोल की दूरी लगभग 63 किमी है जो नियमानुसार सही है। बाकी सभी टोल के बीच की दूरी 60 किमी से कम है। सिरसा के भावदीन से डबवाली के खुइया मलकाना टोल के बीच की दूरी महज करीब 43 किमी है जो यह दर्शाता है कि सरकार किस तरह से निमयों की अनदेखी करके लोगों को लूटने का काम कर रही है। वाहन चालकों को 60 किमी की बजाय 43 किमी की दूरी तय करने पर ही दोबारा से टोल देना पड़ रहा है जो सरासर गलत है।

सांसद ने कहा कि जनता सरकार से उम्मीद करती है कि महंगाई के इस जमाने में उन्हें टोल में कुछ राहत मिलेगी, मगर यहां तो राहत देने की बजाय लोगों की जेब पर डाका डाला जा रहा है। पेट्रोल-डीजल के दाम पहले ही आसमान पर पहुंचे हुए हैं। ऊपर से टोल वसूलने के मामले में भी नियमों को ताक पर रखा जा रहा है।

किसानों को प्रदर्शन के लिए अनुमति लेनी चाहिए हरियाणा सरकार नहीं रोकेगी : अनिल विज

चंडीगढ़,06 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने किसान आंदोलन और उनके प्रदर्शन को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए स्पष्ट किया कि दिल्ली में धरने के लिए किसानों को प्रशासन से अनुमति लेनी होगी। उन्होंने कहा कि बिना अनुमति के प्रदर्शन करना नियमों का उल्लंघन है और इस तरह का प्रयास सही नहीं है।

मंत्री अनिल विज ने कहा, किसानों के पास दिल्ली में धरने की इजाजत नहीं है। यदि कोई धरना या प्रदर्शन करना है, तो इसकी इजाजत लेनी होती है। अपने शहर में भी प्रदर्शन के लिए प्रशासन की अनुमति जरूरी होती है। बिना अनुमति के जाने पर उन्हें रोका जा सकता है।

उन्होंने कहा कि यदि किसान कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हैं और अनुमति लेकर दिल्ली में प्रदर्शन करना चाहते हैं, तो हरियाणा सरकार उन्हें रोकने का प्रयास नहीं करेगी।विज ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट की तरफ से गठित कमेटी किसानों के मुद्दों पर काम कर रही है और समाधान निकालने के लिए लगातार किसानों से बातचीत कर रही है। उन्होंने कहा, किसानों की मांगों पर ध्यान दिया जा रहा है। कमेटी उनसे चर्चा कर रही है, और इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं।

किसानों के प्रदर्शन का केंद्र मुख्य रूप से पंजाब है। इस संदर्भ में विज ने पंजाब सरकार पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि पंजाब सरकार किसानों से संवाद स्थापित करने में विफल रही है। उन्होंने कहा, धरने पंजाब की धरती पर हो रहे हैं, लेकिन पंजाब सरकार ने अब तक किसानों से बातचीत नहीं की। उन्हें इस मुद्दे को सुलझाने के लिए आगे आना चाहिए।

अनिल विज ने कहा कि भारत की पहचान एक लोकतांत्रिक देश के रूप में है, और यहां हमेशा शांतिपूर्ण आंदोलन ही सफल रहे हैं। उन्होंने किसानों को उग्र प्रदर्शन से बचने की सलाह दी और कहा, हिंदुस्तान में जो भी आंदोलन लोकतांत्रिक तरीके से किए गए हैं, उनका समाधान निकाला गया है। उग्र तरीके से प्रदर्शन करने से कुछ नहीं होता।हरियाणा सरकार ने अपने रुख को स्पष्ट करते हुए कहा कि वह किसानों को प्रदर्शन से नहीं रोक रही है, लेकिन यह प्रदर्शन कानूनी प्रक्रिया और नियमों के तहत होना चाहिए। विज ने केंद्र और पंजाब सरकार से अपील की कि वे मिलकर इस मुद्दे का हल निकालें और किसानों की मांगों पर विचार करें।

संविधान के आदर्शों का पालन करें : बैरवा

जयपुर,06 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा, हम इस दिन को परिनिर्वाण दिवस के रूप में मना रहे हैं। डॉ. अंबेडकर ने भारत के संविधान के जरिए सामाजिक न्याय, समानता और लोकतंत्र को मजबूत आधार प्रदान किया। हमें उनके द्वारा स्थापित आदर्शों का पालन करना चाहिए।

बैरवा ने संविधान के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह न केवल देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने का माध्यम है, बल्कि यह हर नागरिक को समान अधिकार और स्वतंत्रता प्रदान करता है। उन्होंने कहा, डॉ. अंबेडकर का जीवन संघर्ष और समर्पण का प्रतीक है। उनकी शिक्षाओं से हमें प्रेरणा लेकर समाज के वंचित वर्गों को सशक्त बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे संविधान को सिर्फ एक दस्तावेज़ न मानें, बल्कि इसे जीवन का हिस्सा बनाएं और इसके मूल्यों को आत्मसात करें। उपमुख्यमंत्री ने सरकार की ओर से डॉ. अंबेडकर की स्मृति में चलाए जा रहे कार्यक्रमों और योजनाओं का उल्लेख करते हुए समाज में जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया।

राष्ट्र प्रथम

बंटेंगे तो कटेंगे
एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे

Best Wishes

T UMA MAHENDRA

BJP GOLKONDA ZILLA GENERAL SECRETARY
CONTESTED MLA CHARMINAR ASSEMBLY

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.